दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

आज का विचार

जिंदगी जीने के बहुत से तरीके हैं, लेकिन सर्वश्रेष्ठ तरीका वही है जिससे स्वयं को संतुष्टि मिले, और दूसरों को कष्ट ना पहुंचे।

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ I वीरवार, 12 जून, 2025 वर्ष 23, अंक 144, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

हमने 2022 में खेल हब का वादा किया था और आज हम इसे पूरा कर रहे हैं: भगवंत मान

पंजाब में खेल संस्कृति के पुनर्जनन की शुरूआत: केजरीवाल और मान ने जालंधर में 78 करोड़ की लागत से भारत के पहले बहु-उद्देश्यीय खेल परिसर की नींव रखी

संवाददाता
जालंधर

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ह्युयुद्ध नशे के विरुद्धह्ल अभियान के तहत खेलों को बढ़ावा देकर नशे के खिलाफ कार्रवाई को तेज करने की घोषणा की।

बर्लटन पार्क स्पोर्ट्स हब, जो लगभग 78 करोड़ रुपए की लागत से विकसित होने वाला एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है, की नींव रखने के बाद सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अरविंद केजरीवाल ने इसे ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि यह पहल हजारों लोगों को खेलों में शामिल होने और स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने के अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि यह देश का अपनी तरह का पहला खेल परिसर होगा और एक साल के भीतर पूरा हो जाएगा।

अरविंद केजरीवाल ने जोर देकर कहा कि पंजाब कभी खेलों सहित कई क्षेत्रों में अग्रणी था, लेकिन परंपरागत राजनीतिक पार्टियों की पिछड़ी नीतियों के कारण इसका पतन हुआ। उन्होंने इन पार्टियों को नशे के खतरे को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार ठहराया और जोर देकर कहा कि ह्युयुद्ध नशे के विरुद्धह्ल ने अब नशे के नेटवर्क की रीढ़ तोड़ दी है। उन्होंने सरकार की साहसिक कार्रवाइयों, जैसे ऑपरेशन बुलडोजर के माध्यम से नशा तस्करों की संपत्तियों को जब्त करने और ध्वस्त करने के बारे में प्रकाश डाला।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बर्लटन पार्क का नवीनीकरण नशा विरोधी अभियान के तहत एक रणनीतिक कदम है और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जल्द ही हर गांव में अत्याधुनिक स्टेडियम बनाए जाएंगे। उन्होंने दोहराया कि इस पहल का उद्देश्य पंजाब को देश में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करना है। अरविंद केजरीवाल ने राज्य के उद्योग-अनुकूल रुख का भी जिक्र किया, जिसने महत्वपूर्ण निवेश को आकर्षित किया है।

अरविंद केजरीवाल ने पूरे पंजाब में नए फोकल पॉइंट्स की स्थापना और फास्ट्रैक पंजाब पोर्टल की शुरूआत का जिक्र किया, ताकि निवेशकों को 45 दिनों के भीतर सभी आवश्यक मंजूरियां मिल सकें। उन्होंने कहा कि पंजाब, जो अपनी हिम्मत और उद्यमी स्वभाव के लिए जाना जाता है, अब भारत के औद्योगिक उभार का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले तीन वर्षों में राज्य सरकार ने समाज के सभी वर्गों को लाभ पहुंचाने वाली कई पहल शुरू की हैं और यह गति भविष्य में भी जारी रहेगी।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जालंधर की विरासत का जिक्र किया कि यहां बेमिसाल खिलाड़ी पैदा हुए हैं, जिन्होंने देश को, खासकर हॉकी में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि दिलाई है। उन्होंने कहा कि भारत की राष्ट्रीय हॉकी टीम के कई खिलाड़ी इस जिले से हैं, जिनकी तीन पीढ़ियां इसके मैदानों से निकली हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षों से राजनीतिक कुप्रबंधन के कारण पंजाब खेलों में पिछड़ गया।

भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि एथलेटिक्स में राज्य की खोई हुई शान को रणनीतिक प्रयासों के माध्यम से बहाल किया जाएगा। खेलों को पुनर्जनन करना ह्युयुद्ध नशे के विरुद्धह्ल अभियान का केंद्रीय स्तंभ है, उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक दिशाओं में ले जाना है। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि ऐतिहासिक बर्लटन पार्क का नाम एक महान पंजाबी एथलीट के नाम पर रखा जाएगा ताकि औपनिवेशिक विरासत से मुक्ति मिले।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि मुल्लांपुर के बाद जल्द ही जालंधर और अमृतसर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम विकसित किए जाएंगे। भगवंत सिंह मान ने गर्व के साथ कहा कि भारत की पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों के कप्तानों के साथ-साथ फुटबॉल टीम का कप्तान भी पंजाब से है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पंजाब जल्द ही खेलों में नंबर एक राज्य बन जाएगा और सरकार बुनियादी ढांचे को उन्नत करने और खिलाड़ियों को एथलेटिक्स में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी।

मुख्यमंत्री ने अंत में पंजाब और इसके लोगों के सर्वांगीण विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि राज्य की पुरातन शान को हर हाल में बहाल किया जाएगा और इसके लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि वह दिन दूर नहीं, जब पंजाब हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व करेगा।

नायब सैनी ने सफाई कर्मियों के वेतन में 2100 रुपये की बढ़ोतरी की घोषणा की

संत कबीर जयंती पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दी सफाई कर्मियों को सौगात

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने संत शिरोमणि कबीर दास की जयंती के अवसर पर सफाई कर्मियों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए उनके मासिक वेतन में 2100 रुपये की वृद्धि की घोषणा की। इसके अलावा, सिरसा में बन रहे संत सरसाई नाथ मेडिकल कॉलेज में 100 बेड का नशा मुक्ति केंद्र बनाने की भी घोषणा की। साथ ही, डबवाली में स्थित नशा मुक्ति केंद्र में 10 बेड की संख्या को बढ़ाकर 30 बेड करने और ऐलनाबाद के सरकारी अस्पताल के पास 30 बेड का नया नशा मुक्ति केंद्र बनाने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री संत-महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रचार प्रसार योजना के तहत जिला सिरसा में आयोजित संत शिरोमणि कबीर दास जयंती राज्य स्तरीय समारोह में उपस्थितजन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 31 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने संकल्प पत्र में सफाई कर्मियों के वेतन को चरणबद्ध तरीके से 5 सालों में 26 हजार तक बढ़ाने का संकल्प लिया है, इसके लिए सरकार कटिबद्ध है। संकल्प पत्र में जो हमने कहा है उसे हम पूरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत कबीर भारतीय संस्कृति की 'सर्वधर्म समभाव' और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' परम्परा के संवाहक और इतिहास के अनमोल रत्न थे। उनका जन्म ऐसे समय में हुआ, जब हमारा समाज अंधविश्वास, जात-पात और रूढ़िवादी परम्पराओं में जकड़ा हुआ था। संत कबीर ने अपने कर्म से वंदनीय स्थान प्राप्त किया। वे अपने समय के सबसे साहसी समाज-सुधारक थे। उन्होंने सभी धर्मों की कुरीतियों और रूढ़ियों पर कड़ी चोट की। उन्होंने कहा कि संत कबीर दास जैसे संत-महात्माओं, ऋषि-मुनियों, पीर-पैगम्बरों और गुरुओं ने भूली-भटकी मानवता को जीवन का सच्चा रास्ता दिखाया है। ऐसी महान विभूतियों की शिक्षाएं पूरे मानव समाज की धरोहर हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आधुनिक भारत के निर्माण में निभाई बड़ी भूमिका

नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा संत कबीर के विचारों को आधुनिक भारत की नींव बताया है। संत कबीर के विचारों को आगे बढ़ाते हुए आजादी के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आधुनिक भारत के निर्माण में बड़ी भूमिका निभाई है। पिछले 11 सालों में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार ने कल्याणकारी योजनाएं चलाकर गरीबों को सशक्त व मजबूत करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने भी 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र पर चलते हुए समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं और नीतियां लागू की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का मूल दर्शन 'अंत्योदय' है, पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति का उत्थान है। यही संत कबीर का मार्ग है, यही हमारी नीतियों का आधार है। आज हमारी ट्रिपल इंजन सरकार तीन गुणा रफ्तार से संत कबीर द्वारा दिखाए गए मार्ग पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जब 'वंचित अनुसूचित जाति' के लिए आरक्षण के प्रावधान पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आया तो हरियाणा सरकार ने उस निर्णय को प्रदेश में लागू करने का काम किया और डीएससी समाज को उसका हक दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने सफाई कर्मियों के हितों की रक्षा के लिए हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग का गठन किया है। सफाई कर्मियों के लिए सुरक्षा और गरिमा की गारंटी दी है। सफाई कर्मियों की उनकी ड्यूटी के दौरान मृत्यु होने की स्थिति में 5 लाख रुपये और सीवरेज में काम करते समय मृत्यु होने की स्थिति में 10 लाख रुपये की बीमा राशि का प्रावधान किया है। इसके अलावा, एजेंसियों के माध्यम से कार्यरत 5 हजार से अधिक सफाई कर्मियों को संबंधित पालिका के रोल पर लिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के तहत अनुसूचित जाति के गरीब परिवारों की 2 लाख 60 हजार बेटियों की शादी पर 71-71 हजार रुपये शगुन राशि दी गई। मकान की मरम्मत के लिए 'अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना' के तहत गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले अनुसूचित जाति के लोगों को मकान मरम्मत के लिए 80 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। इस योजना के तहत अब तक 76,985 लाभार्थियों को 416 करोड़ रुपये की राशि दी गई है।

बीएसएफ के खस्ताहाल कोच के वीडियो के बाद ट्रेन बदली गई: अश्विनी वैष्णव

रेल मंत्री बोले-चार अधिकारी किए गए निलंबित

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि बीएसएफ के खस्ताहाल कोच के वीडियो के बाद ट्रेन बदल दी गई। इसके अलावा जवानों के लिए पुरानी ट्रेन उपलब्ध कराने के मामले में चार अधिकारी निलंबित कर दिए गए हैं।

रेल मंत्री वैष्णव ने नेशनल मीडिया सेंटर में पत्रकारों से कहा कि त्रिपुरा से कश्मीर ड्यूटी पर जा रहे बीएसएफ जवानों के लिए पुरानी ट्रेन की तैनाती से जुड़ी घटना को गंभीरता से लिया गया है। इस चूक के लिए अलीपुरद्वार डिवीजन के चार अधिकारियों को आज से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। ये अधिकारी अलीपुरद्वार मंडल से हैं, जिनमें अलीपुर कोचिंग डिपो के कोचिंग डिपो अधिकारी और अलीपुर मंडल के तीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएफ जवानों के लिए अब अगरतला से एक विशेष ट्रेन चलाई जाएगी, जिसमें उनकी सुविधा और सम्मान का पूर्ण ध्यान रखा जाएगा।

रेल मंत्री ने यह स्पष्ट किया कि सुरक्षा बलों की गरिमा और सुविधा सर्वोपरि है और इस प्रकार की लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रेल मंत्रालय द्वारा इस पूरे प्रकरण की जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं। सुनिश्चित किया जा रहा है कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

उल्लेखनीय है कि छह जून को बीएसएफ के 1200 जवानों को त्रिपुरा से अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी पर जाना था। नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे ने जो ट्रेन जवानों को मुहैया कराई उसमें खिड़कियां-दरवाजे टूटे थे। जवानों के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में ट्रेन की खिड़कियां टूटी हुई दिखाई दे रही थीं और ऊपर से कोई बर्थ नहीं थी। ट्रेन में कॉकरोच दिखाई दे रहे थे। शौचालय का बुरा हाल था। इसके बाद बीएसएफ ने इस मामले को भारतीय रेलवे के समक्ष उठाया, जिसने बेहतर स्थिति में एक नई ट्रेन भेजी। अब दूसरी ट्रेन अगरतला से चलेगी, जो विशेष ट्रेन के रूप में जवानों को उनके गंतव्य तक पहुंचाएगी। अमरनाथ यात्रा पहली बार 38 दिन की हो रही है। इस बार यह तीन जुलाई से नौ अगस्त तक चलेगी। इस साल यात्रा की अवधि पिछले साल के 52 दिनों के मुकाबले घटाकर 38 दिन कर दी गई है।

रेलवे के दो मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंत्रिमंडल की मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को भारतीय रेल के दो अहम मल्टीट्रैकिंग (लाइन दोहरीकरण) परियोजनाओं को मंजूरी दे दी। इससे झारखंड, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में न केवल माल और यात्री परिवहन में तेजी आएगी बल्कि ग्रामीण इलाकों से संपर्क भी बेहतर होगा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नेशनल मीडिया सेंटर में पत्रकारों को कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने लाइन दोहरीकरण की दो परियोजनाओं को 6,405 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी है। इससे भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में करीब 318 किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि पहली परियोजना झारखंड राज्य की कोडरमाझ्झबरकाकाना दोहरीकरण परियोजना (133 किमी) है। यह प्रोजेक्ट 3,063 करोड़ रुपये का है। यह लंबी दूरी का प्रोजेक्ट है। यह क्षेत्र देश के प्रमुख कोयला उत्पादक क्षेत्रों में आता है और यह रेलखंड पटना और रांची के बीच सबसे छोटा रेल मार्ग है।

कांग्रेस नेताओं पर ईडी की रेड पर मल्लिकार्जुन खरगे और सिद्धारमैया ने जताई नाराजगी

एजेंसी (हि.स.)
बेंगलुरु

बेल्लारी से कांग्रेस सांसद ई. तुकाराम और पार्टी के तीन विधायकों के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कड़ा एतराज जताया है। बुधवार को मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार पर कांग्रेस पार्टी को विभाजित करने के लिए ईडी छापों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। राज्य के कलबुर्गी में बोलते हुये मल्लिकार्जुन खरगे कहा कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी शुरू से ही कांग्रेस पार्टी से नाराज हैं, यही वजह है कि वे कांग्रेस नेताओं को लगातार निशाना बना रहे हैं। ईडी छापों के जरिए कांग्रेस पार्टी को परेशान किया जा रहा है। पार्टी को विभाजित करने के इरादे से ऐसा करवाया जा रहा है, लेकिन यह संभव नहीं है। ईडी अधिकारियों को छापेमारी का कारण पता है। खरगे ने कहा कि ईडी अधिकारियों द्वारा छापेमारी कोई नई बात नहीं है।

इस बीच प्रदेश के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी कांग्रेस सांसद और विधायकों पर की गयी छापेमारी पर नाराजगी जताई है। चिक्काबल्लापुर जिले के गौरीबिदनूर में उन्होंने कहा कि यदि ईडी द्वारा की गई छापेमारी किसी कानून का उल्लंघन है, तो हम इसका समर्थन नहीं करेंगे। कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी, तो हम कानून के कार्यान्वयन में बाधा नहीं डालेंगे।

राहुल गांधी ने लालू प्रसाद यादव के जन्मदिन पर की उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना

एजेंसी (हि.स.)
पटना

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू यादव के 78वें जन्मदिन पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। लोग उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना कर रहे हैं। इस क्रम में बुधवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। राहुल गांधी ने बधाई संदेश में लालू यादव से रिश्तों की प्रगाढ़ता को दशार्ने वाला खास संदेश दिया है, जिसे दूरगामी संदेश माना जा रहा है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव जी को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। हमारे बीच का रिश्ता सिर्फ राजनीति तक सीमित नहीं रहा, यह एक गहरा मानवीय जुड़ाव रहा है, जो समान मूल्यों और सामाजिक न्याय के संघर्ष पर आधारित है। आपका जीवन संघर्षों से भरा रहा है, लेकिन आपने हमेशा मजबूती और हौसले के साथ उन लोगों की आवाज उठाई है, जिन्हें अक्सर अनसुना कर दिया जाता है। आज आपके जन्मदिन पर मैं आपके अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करता हूं।

विधानसभा चुनाव के पहले अपने और लालू यादव के बीच संबंधों की प्रगाढ़ता को बताने वाला यह संदेश बेहद अहम माना जा रहा है। इस वर्ष अक्टूबर-नवबर में राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और राजद एक साथ मैदान में उतरने वाले हैं।

दिव्य सन्तों ने समाज को एकता की राह दिखायी, यह राह हमें सुरक्षा और संरक्षण की गारन्टी प्रदान करती, हमारे उत्थान का मार्ग प्रशस्त करती : मुख्यमंत्री

डबल इंजन सरकार अच्छी सोच के साथ आम जनमानस के कल्याण के लिए कार्य कर रही: योगी आदित्यनाथ

संवाददाता
लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को ज्येष्ठ पूर्णिमा की बधाई देते हुए कहा कि दिव्य सन्तों ने समाज को एकता की राह दिखायी। यह राह हमें सुरक्षा और संरक्षण की गारन्टी प्रदान करती है। हमारे उत्थान का मार्ग प्रशस्त करती है। सम और विषम परिस्थितियों में हमें लड़ने की प्रेरणा प्रदान करती है। जब अच्छी सरकार आती है और पूज्य सन्तों का मार्गदर्शन मिलता है, तो सब अच्छा ही अच्छा होता है। अच्छा करने के लिए अच्छी सोच का होना आवश्यक है। डबल इंजन सरकार अच्छी सोच के साथ आम जनमानस के कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री आज शुकतीर्थ, जनपद मुजफ्फरनगर में सन्त स्वामी ज्ञान भिक्षुक दास महाराज की 65वीं पुण्यतिथि एवं सतगुरु समनदास महाराज की पुण्य स्मृति में आयोजित विशाल सन्त समागम एवं सत्संग कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संत शिरोमणि सतगुरु रविदास सतगुरु समनदास आश्रम के मुख्य द्वार का लोकार्पण किया तथा संत स्वामी ज्ञान भिक्षुक दास महाराज की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने आश्रम में सतगुरु समनदास महाराज की प्रतिमा की पूजा-अर्चना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यकाल में जब यह देश गुलामी की बेड़ियों से जकड़ा हुआ था तथा विदेशी आक्रान्ताओं द्वारा भारत की धर्म और संस्कृति को रांदा जा रहा था, तो उस कालखण्ड में भारत के सनातन धर्म की प्राचीन नगरी काशी के सीर गोवर्धन में एक ज्योति पुंज के रूप में सतगुरु रविदास महाराज का आविर्भाव हुआ। उन्होंने अपनी कर्मसाधना के माध्यम से जो प्रेरणा प्रदान की, वह आज भी पूरे देश के लिए मार्गदर्शक का काम कर रही है।

सन्त रविदास ने सामाजिक आडम्बरों और कुरीतियों के प्रति समाज को जागरुक किया। उन्होंने कर्म पर विश्वास करने की प्रेरणा प्रदान की। आध्यात्मिक चेतना का जागरण किया। सन्त रविदास महाराज का ह्यमन चंगा तो कठौती में गंगाह्ल कथन जीवन में आन्तरिक पवित्रता और निर्मलता का प्रतीक है। उन्होंने समाज को सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की प्रेरणा प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सन्त रविदास महाराज के गुरु रामानन्द महाराज ने कहा था कि ह्यजाति-पाति पूछे नहीं कोई। हरि को भजै सो हरि का होई।। इस परम्परा के आगे बढ़ने पर सन्त रविदास ने कहा था कि ह्यऐसा चाहूं राज मैं, जहां मिले सबन को अन्न, छोट-बड़ो सब सम बसै, रैदास रहे प्रसन्नह्ल। उन्होंने कहा था कि रविदास तब प्रसन्न रहेगा, जब बिना भेदभाव के सभी को समान अधिकार प्राप्त होंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सन्त रविदास महाराज की इन बातों का अक्षरशः पालन किया। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से देश के 81 करोड़ लोगों को कोरोना कालखण्ड से लेकर अब तक निःशुल्क अन्न वितरित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सन्त स्वामी ज्ञान भिक्षुकदास महाराज की 65वीं पुण्य तिथि मनायी जा रही है। सतगुरु समनदास महाराज की स्मृति में भण्डारे का आयोजन किया गया है। यहां लाखों की संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित हुए हैं। माँ गंगा भारत की सनातन धर्म परम्परा की अविरल और अग्रज धारा है, जो सम और विषम परिस्थितियों में हम सभी के उद्धार का मार्ग प्रशस्त करती है।

उपराज्यपाल ने अमरनाथ गुफा में की प्रथम पूजा, वार्षिक यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

अमरनाथ गुफा में बुधवार को हर-हर महादेव के नारे के साथ बाबा बफार्नी को नमन किया गया और पवित्र गुफा में प्रथम पूजा की गई, जो वार्षिक अमरनाथ यात्रा की औपचारिक शुरूआत है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यात्रा की औपचारिक शुरूआत करते हुए अमरनाथ गुफा में प्रथम पूजा की। उन्होंने कहा कि 3 जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने तीर्थयात्रियों से बड़ी संख्या में अमरनाथ गुफा मंदिर में आने का आग्रह किया।

उपराज्यपाल ने कहा कि 9 अगस्त को रक्षा बंधन पर समाप्त होने वाली यात्रा के लिए श्राइन बोर्ड और प्रशासन ने तीर्थयात्रियों की सुविधाओं में सुधार किया है। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर पुलिस, सेना, सीआरपीएफ और अन्य सीएपीएफ ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं, इसलिए मुझे लगता है कि किसी को कुछ भी सोचने की जरूरत नहीं है। उन्हें यहां आकर बाबा का आशीर्वाद लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड, सेना, बीआरओ, सीएपीएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सभी हितधारक परेशानी मुक्त और सुरक्षित तीर्थयात्रा के लिए पूरी निष्ठा, समर्पण, सहयोग और स्पष्ट उद्देश्यों के साथ काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों, नागरिक समाज और सभी सेवा प्रदाताओं का अमूल्य योगदान हमेशा असाधारण रहा है। मुझे पूरा विश्वास है कि सुविधाओं और सेवाओं में महत्वपूर्ण सुधार यह सुनिश्चित करेंगे कि इस वर्ष की तीर्थयात्रा सभी भक्तों के लिए यादगार और आध्यात्मिक रूप से संतुष्टिदायक हो। इस साल की 38 दिवसीय यात्रा 3 जुलाई को दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में बालटाल और पहलगाम से शुरू होगी, जो 9 अगस्त को रक्षा बंधन पर सम्पन्न होगी।

एलजी सिन्हा ने बालटाल में यात्री निवास का निरीक्षण किया

श्रीनगर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज गंदेरबल के बालटाल में श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के आपदा प्रबंधन और यात्री निवास परिसर का निरीक्षण किया। उपराज्यपाल ने साइट पर किए जा रहे कार्यों की प्रगति का पता लगाया और अधिकारियों को तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाओं को बढ़ाने के लिए विकसित की जा रही बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। जारी एक बयान में कहा गया है कि दोमेल में उपराज्यपाल ने टास्कफोर्स के सदस्यों और यात्रा ट्रैक को बेहतर बनाने और रखरखाव में लगे बीआरओ के कर्मचारियों के साथ भी बातचीत की। इसमें कहा गया है कि उनके साथ जम्मू-कश्मीर पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के एमडी एसजेएम गिलानी, उपराज्यपाल के प्रधान सचिव और अमरनाथ श्राइन बोर्ड के सीईओ डॉ. मंदीप के. भंडारी, कश्मीर के डिवीजनल कमिश्नर विजय कुमार बिधूड़ी, कश्मीर के आईजीपी वीके बिरदी, गंदेरबल के डिप्टी कमिश्नर जतिन किशोर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

नायब तहसीलदार भर्ती परीक्षा में उर्दू को अनिवार्य बनाने के विरोध में एबीवीपी ने किया प्रदर्शन

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

हाल ही में अधिसूचित नायब तहसीलदार भर्ती परीक्षा में उर्दू को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल करने के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कठुआ ने बुधवार को कठुआ के परशुराम चैक में जम्मू-कश्मीर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। बुधवार को कठुआ में इस भेदभावपूर्ण और क्षेत्रीय पक्षपातपूर्ण कदम के खिलाफ बड़ी संख्या में कठुआ के एबीवीपी कार्यकर्ता एकत्र हुए। विरोध प्रदर्शन में जोशीले नारे और तख्तियां लेकर जम्मू के युवाओं के सार्वजनिक रोजगार तक निष्पक्ष और समान पहुंच के अधिकारों पर जोर दिया गया। युवाओं ने सभा को संबोधित करते हुए पूर्व उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की जिसने जम्मू क्षेत्र के युवाओं को दरकिनार करने वाली नीति पेश की। उन्होंने कहा उर्दू को लागू करना जम्मू के योग्य उम्मीदवारों को बाहर करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है। इस तरह के क्षेत्रीय भेदभाव को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम इसे तुरंत वापस लेने की मांग करते हैं। युवाओं ने कहा कि यह कदम भेदभावपूर्ण और अनुचित है और सार्वजनिक क्षेत्र के रोजगार में समानता, समावेशिता और क्षेत्रीय निष्पक्षता के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है। एबीवीपी ने उपराज्यपाल के नेतृत्व वाले प्रशासन और जम्मू-कश्मीर सेवा चयन बोर्ड (जेकेएसएसबी) से इस नीति पर तुरंत पुनर्विचार करने का आग्रह किया। ताकि उर्दू को वैकल्पिक बनाया जाना चाहिए या उम्मीदवारों को उनके निवास और वरीयता के आधार पर क्षेत्रीय भाषाओं की सूची में से चुनने की अनुमति दी जानी चाहिए। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने नागरिक समाज, कानूनी विशेषज्ञों और राजनीतिक नेताओं से इस अनुचित नीति के खिलाफ एकजुट होने और जम्मू-कश्मीर के युवाओं के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने की भी अपील की।

आदतन तीन नशा तस्करों को निवारक हिरासत में भेजा गया

एजेंसी (हि.स.)
सोलन

जिले में नशा तस्करी के बढ़ते मामलों को गंभीरता से लेते हुए सोलन पुलिस ने आदतन तस्करों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह ने जानकारी दी कि नशे के कारोबार में बार-बार लिप्त पाए जाने वाले अपराधियों को अब प्रिवेंटिव डिटेंशन यानी निवारक हिरासत में भेजा जा रहा है, ताकि वे जमानत पर रिहा होकर दोबारा इस अवैध धंधे में न लौट सकें।

उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश सरकार को अब तक ऐसे 15 आदतन अपराधियों के खिलाफ निवारक हिरासत के प्रस्ताव भेजे गए हैं। इसी क्रम में पुलिस थाना सोलन सदर की टीम ने एक आदतन अपराधी सचिन ठाकुर पुत्र इंदर सिंह, निवासी गांव शिल्ली, तहसील व जिला सोलन को पीआईटी-एनडीपीएस एक्ट 1988 की धारा 3(1) के तहत तीन महीने की हिरासत में लेकर जेल भेज दिया है।

सचिन ठाकुर के विरुद्ध पहले से ही एनडीपीएस एक्ट के तहत दो मामले दर्ज हैं, जिनमें कुल 43 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी। वह दोनों मामलों में न्यायालय से जमानत पर था, लेकिन जमानत के बाद भी वह लगातार नशा तस्करी में संलिप्त रहा।

एसपी गौरव सिंह ने बताया कि इससे पहले भी सोलन पुलिस ने दो अन्य कुख्यात तस्करों – हितेंदर कुमार उर्फ रिंकू (गांव क्यार, तहसील अर्की) और नीरज शर्मा (हाल निवासी वाकनाघाट) को भी निवारक हिरासत में लेकर जेल भेजा था, जो अब भी जेल में हैं।

उन्होंने कहा कि नशा तस्करी पर प्रभावी रोकथाम के लिए आदतन अपराधियों पर ऐसी सख्त कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।

सोलन-मीनस मार्ग बने राष्ट्रीय राजमार्ग

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

हिमाचल प्रदेश के लोकनिर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने भारत सरकार में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश से जुड़े महत्वपूर्ण विकासात्मक मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। इस बैठक में सोलनझमीनस मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का भी औपचारिक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। यह मार्ग न केवल क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करेगा बल्कि पर्यटन, व्यापार और रक्षा आवश्यकताओं की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस दिशा में हाटी विकास मंच हिमाचल प्रदेश की भूमिका विशेष रूप से सराहनीय रही है। मंच के निरंतर प्रयासों एवं संघर्ष के कारण यह मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर ध्यानाकर्षण में आया है और अब नीतिगत स्तर पर भी इस पर विचार हो रहा है। हाटी समुदाय की सामाजिक, भौगोलिक एवं आर्थिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यह प्रस्ताव हिमाचल प्रदेश के सीमांत क्षेत्रों के समग्र विकास में सहायक सिद्ध हो सकता है। हाटी विकास मंच हिमाचल प्रदेश के अध्यक्ष प्रदीप सिंह सिंगटा एवं कोषाध्यक्ष एडवोकेट वी. एन. भारद्वाज ने केंद्र सरकार का विशेष रूप से आभार जताते हुए कहा कि, ह्यह कदम सीमांत क्षेत्रों की लंबे समय से चली आ रही मांगों की दिशा में एक ऐतिहासिक प्रगति है और इससे हाटी समुदाय को मुख्यधारा में लाने में मदद मिलेगी।

संक्षिप्त-समाचार

सात परीक्षा केंद्रों में विशेष शिक्षक टेट परीक्षा का आयोजन किया गया

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला द्वारा टेट जून-2025 के तहत बुधवार को विशेष शिक्षक टेट परीक्षाओं का आयोजन किया गया। बोर्ड सचिव डॉ. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि यह परीक्षाएं दो सत्रों में आयोजित की गई। पहली परीक्षा प्री प्राइमरी से कक्षा पांचवीं तक और दूसरी कक्षा छठी से बारहवीं तक के लिए आयोजित की गई। प्री प्राइमरी से कक्षा पांचवीं तक के लिए विशेष शिक्षक टैट परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक हुई, जिसके लिए 1035 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इस परीक्षा हेतू 4 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए थे। वहीं, कक्षा छठी से बारहवीं तक के लिए परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 4:30 बजे तक आयोजित की गई, जिसके लिए 447 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था और परीक्षा के लिए 3 केंद्रों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि विशेष शिक्षक टेट परीक्षाओं का सफल आयोजन किया गया।

सीएसआर के तहत डीसी कठुआ ने स्वास्थ्य विभाग को दो एंबुलेंस समर्पित कीं

कठुआ। डीसी कठुआ डॉ. राकेश मिन्हास ने बुधवार को स्वास्थ्य विभाग को दो एंबुलेंस वाहन समर्पित किए जिन्हें कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के तहत अवादा फाउंडेशन द्वारा दान किया गया है। इस अवसर पर डॉ. राकेश मिन्हास ने अवादा फाउंडेशन को उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन दो एंबुलेंस के जुड़ने से जिले के कुल एंबुलेंस बेड़े में अब 41 एंबुलेंस हो गई हैं, यानी हर मेडिकल ब्लॉक में लगभग 6 से 8 एंबुलेंस होंगी। डीसी ने कहा कि ये एंबुलेंस मेडिकल इमरजेंसी के दौरान मरीजों को समय पर निकालने और परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने बताया कि नई शामिल की गई एंबुलेंस को कठुआ और बसोहली मेडिकल ब्लॉक में तैनात किया जाएगा, ताकि बेहतर आउटरीच और सेवा वितरण सुनिश्चित हो सके। स्वास्थ्य ढांचे को बढ़ाने के लिए चल रहे प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए डीसी ने बताया कि बिलावर में सामुदायिक सेवा केंद्र की दो मंजिलें अब पूरी हो चुकी हैं और जल्द ही चालू हो जाएंगी। उन्होंने बताया कि एसडीएच हीरानगर में ट्रॉमा सेंटर स्थापित करने के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को अंतिम रूप दे दिया गया है। यह ट्रॉमा सुविधा राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारे के साथ दुर्घटना पीड़ितों की सेवा करेगी और सीमावर्ती उपखंड के निवासियों को उन्नत देखभाल प्रदान करेगी। कार्यक्रम के दौरान कठुआ के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय रैना और अवादा फाउंडेशन के प्रतिनिधि मौजूद थे।

इंदौरा में महिला नशा तस्कर को किया गया निरुद्ध, एनडीपीएस के हैं कई मामले दर्ज

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

जिला पुलिस नूरपुर द्वारा नशे के खिलाफ चलाये गये अभियान के अन्तर्गत एक और महिला नशा तस्कर को निरुद्ध किया गया है। जिला के इंदौरा पुलिस थाना के तहत कई बार चिट्टे और अन्य नशे के सामान के साथ पकड़ी गई उक्त महिला को अब जेल में रहना होगा।

गौरतलब है कि बीते वर्ष 15 सितंबर 2024 को पुलिस थाना इंदौरा के तमौता में एक महिला नशा तस्कर कल्पना, पुत्री जम्मो, निवासी तमौता, तहसील इन्दौरा, जिला कांगड़ा के रिहायशी मकान में छापामारी करके 8.40 ग्राम हीरोईन/चिटटा बरामद किया गया था। जिस पर उपरोक्त आरोपिता को गिरफतार करके उसके खिलाफ थाना इंदौरा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था।

उपरोक्त मामले की जांच के दौरान यह पाया गया कि आरोपिता कल्पना इससे पहले भी एनडीपीएस के अधीन दर्ज कई मामलों में गिरफ्तार की जा चुकी है। उसके कब्जे से कई बार चिट्टा बरामद हुआ था, लेकिन कई बार गिरफ्तार होने के बाबजूद भी उसने नशे का अवैध व्यापार जारी रखा तथा नशे के व्यापार का आदतन अपराधी बन चुकी थी।

नशीले पदार्थों की तस्करी में कल्पना की लगातार संलिप्तता के चलते जिला पुलिस नूरपुर ने एक प्रस्ताव सचिव (गृह) को भेजा, जिसमें उसके खिलाफ पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत निरुद्ध आदेश जारी करने की सिफारिश की गई थी। जिला पुलिस नूरपुर के द्वारा भेजे गए प्रस्ताव पर कारवाई करते हुए सचिव (गृह) ने आरोपिता कल्पना के निरुद्ध आदेश जारी किए गए हैं। जिला पुलिस नूरपुर द्वारा उपरोक्त आदेशों की अनुपालना के सन्दर्भ में कल्पना को अब निरुद्ध कर लिया गया है।

एसपी नूरपुर ने अशोक रत्न ने बताया कि पीआईटी एनडीपीएस के तहत अब तक आठवी बड़ी सफलता हासिल की है। उन्होंने बताया कि पुलिस का यह अभियान नशे के अवैध व्यापार को समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जो लगातार जारी रहेगा। इसके तहत पुलिस कठोर कार्रवाई करते हुए नशे के अपराधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाएगी।

जम्मू कश्मीरः दो संदिग्ध आतंकियों की सूचना, सांबा के नड गांव में तलाशी अभियान शुरू

एजेंसी (हि.स.)
सांबा

जम्मू संभाग के सांबा जिले के नड गांव में ग्रामीणों द्वारा दो संदिग्ध आतंकवादियों की गतिविधि की सूचना दिए जाने के बाद सुरक्षाबलों ने बुधवार को तलाशी अभियान शुरू किया है।

अधिकारियों ने बताया कि अभियान जारी है लेकिन अभी तक संदिग्धों का कोई सुराग नहीं मिला है जिनके बारे में कहा गया कि वे वर्दी पहने हुए हैं। उन्होंने बताया कि कुछ ग्रामीणों ने रात के समय नड गांव में एक स्कूल के पास संदिग्ध आतंकियों को देखा और पुलिस को सूचित किया। अधिकारियों ने बताया कि पूरे इलाके को तुरंत पुलिस और सेना के संयुक्त दलों द्वारा घेर लिया गया और आज सुबह तलाशी अभियान शुरू किया गया।

2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में आएगा सामने : सांसद सुरेश कश्यप

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा 9 जून को अपने 11 वर्षों का कार्यकाल पूरा करने के उपलक्ष्य में शिमला संसदीय क्षेत्र से सांसद सुरेश कश्यप ने बुधवार को नाहन में एक प्रेस वार्ता की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत आज वैश्विक स्तर पर अपनी विशेष पहचान बना चुका है। सांसद कश्यप ने कहा कि बीते 11 वर्षों में जनकल्याण की अनेक योजनाओं से देश के निर्धन और जरूरतमंद वर्ग को लाभ मिला है। उन्होंने बताया कि रोजगार के क्षेत्र में विशेष रूप से स्टार्टअप इंडिया अभियान के तहत युवाओं को आत्मनिर्भर बनने के अवसर मिले हैं। उन्होंने कहा कि भारत अब एक आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्र गति से अग्रसर है और आज विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। कश्यप ने यह भी उल्लेख किया कि रेलवे, सड़कों और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में ऐतिहासिक विकास हुआ है और नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। 2047 तक भारत को पूर्ण रूप से विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए सुरेश कश्यप ने कहा, आज का भारत आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यह 'नया भारत' वैश्विक मंच पर अपना लोहा मनवा रहा है और देशवासियों के लिए गर्व का विषय है।

साहित्यिक संस्था हिम साहित्य परिषद का कार्यक्रम आयोजित

आज के दौर में भी प्रासंगिक हैं कबीर: डॉ.गंगा राम राजी

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

साहित्यिक संस्था हिम साहित्य परिषद की ओर से भाषा एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से कबीर जयंती का आयोजन किया गया। बीडीओ आफिस नेरचौक में आयोजित इस कार्यक्रम में जिला भाषा अधिकारी रेवती सैनी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। जबकि वरिष्ठ साहित्यकार डा. गंगा राम राजी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। हिम साहित्य परिषद के अध्यक्ष डा. पीसी कौंडल ने मुख्य अतिथि एवं अन्य साहित्यकारों का स्वागत करते हुए मुख्य अतिथि को शॉल टोपी भेंट की। जबकि परिषद के महासचिव भगत सिंह गुलेरिया ने कार्यक्रम के अध्यक्ष डा. गंगाराम राजी को टोपी-मफलर भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर कबीर के जीवन और समाज के प्रति उनके योगदान को लेकर उत्तम चंद शर्मा और सुरेंद्र मिश्रा ने पत्र वाचन किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में डा. गंगाराम राजी ने कहा कि कबीर कोई व्यक्ति नहीं एक विचार है। उन्होंने अपने समय की कुरीतियों, सामाजिक कुरीतियों, धार्मिक पाखंड, सांप्रदायिकता का खुलकर विरोध किया। उन्होंने कहा कि कबीर ने जिन सामाजिक कुरीतियों और पाखंड को खुलकर विरोध किया वे आज भी व्याप्त है। ऐसे में कबीर की प्रासंगिकता आज भी उनती ही है जितनी उस दौर में थी। वहीं पर मुख्य अतिथि जिला भाषा अधिकारी ने कहा कि कबीर सबसे बड़े समाज सुधारक और संत थे। उनकी वाणी सामाजिक कूरीतियों, विसंगतियों , पाखंडों के खिलाफ मुखर रही , वहीं पर हिंदू-मुस्लिम एकता के वे पक्षधर रहे। उनका व्यक्तित्व निर्भिक और निडर था, उन्होंने औरंगजेब के काल में धार्मिक कुरीतियों का विरोध किया और समाज को नई दिशा दिखाई। लोक साहित्यकार कृष्णचंद्र महादेविया ने चर्चा में भाग लेते हुए कबीर की चर्चा लोकसाहित्य में भी हुई है। समाज सुधारक के रूप में कबीर भूमिका महत्वपूर्ण रही है। वहीं पर साहित्यकार मुरारी शर्मा ने कहा कि कबीर को जानने के लिए उनके विचारों को समझना जरूरी है। कबीर को तीन सौ साल बाद हजारी प्रसाद द्विवेदी ने बतौर समाज सुधार, प्रखर कवि के रूप में सामने लाया। कबीर की प्रासंगिकता हर दौर में रहेगी, खासकर साहित्य में कबीर पुरखे कवि के रूप में जाने जाते हैं। समाज के प्रति कबीर की पक्षधरता को देखते हुए आज के दौर में हर कवि कबीर होना चाहता है ,मगर यह इतना आसान नहीं है। इस अवसर पर बहुभाषी कवि गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। जिसमें रत्तन लाल शर्मा, मुरारी शर्मा, हरीप्रिया शर्मा, किरण गुलेरिया, ऋचा, शीतल , राजेंद्र ठाकुर, विनोद गुलेरिया, डा. कमल प्यासा, भूपसिंह प्रभाकर, डा. पीसी कौंडल, सरिता हांडा, विद्या शर्मा, कृष्ण चंद्र महादेविया, नरेंद्र शर्मा, सीता राम वर्मा, उत्तम चंद शर्मा आदि ने अपन-अपनी कविताओं का पाठ किया।

हीट वेव को लेकर आम नागरिक को दीं सावधानियां बरतने की सलाह

धर्मशाला। उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कांगड़ा जिला के कुछ क्षेत्रों में चल रही गर्म हवाओं के चलते सभी नागरिकों से सतर्क रहने तथा लू से बचने के लिए सावधानियां बरतने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि लू लगने पर कुछेक सावधानियां बरतनी चाहिए। लू लगे व्यक्ति को छाया में लेटा दें। अगर तंग कपड़े हों तो उन्हें ढीला कर दें अथवा हटा दें। ठंडें गीले कपड़े से शरीर पोंछें, ठंडें पानी से नहलायें, अपने घर को ठंडा रखें, परदे, शटर आदि का इस्तेमाल करें तथा रात में खिड़कियां खुली रखें। अगर आपकी तबीयत ठीक न लगें या चक्कर आयें तो तुरंत डाक्टर से संपर्क करें। व्यक्ति को ओआरएस-नींबू पानी तथा नमक चीनी का घोल पीने को दे, जो कि शरीर में जल की मात्रा को बढ़ा सकें। कड़ी धूप में बाहर निकलने से परहेज करना चाहिए। जहां तक संभव हो कड़ी धूप में बाहर न निकलें तथा अधिक तापमान में कठिन काम न करें। जहां तक संभव हो कड़ी धूप में बाहर के काम से बचें। शराब, चाय, कॉफी, अत्यधिक मीठे पेय पदार्थ, कोलड्रिंक्स गैस वाले पदार्थों का सेवन न करें। धूप में बच्चों को न खेलने दें, बासी खाना न खाएं।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

मानसून पूर्व प्रबंधन कार्यों में आई तेजी: डॉ. सुमिता मिश्रा

78 प्रतिशत नालों की सफाई पूरी, बाढ़ से निपटने के लिए पुख्ता प्रबंध किए जाने पर दिया जोर

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन की वित्तीय आयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने आगामी मानसून से पहले राज्य की तैयारियों को लेकर आज आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

सभी उपायुक्तों के साथ हुई इस बैठक में डॉ. मिश्रा ने बाढ़ से निपटने के लिए पुख्ता प्रबंध किए जाने और रणनीतिक दृष्टिकोण पर जोर दिया, गुणवत्तापूर्ण साइट निरीक्षण, समय पर सभी तैयारी करने का निर्देश दिया।

डॉ. मिश्रा ने उपायुक्तों को जमीनी स्तर पर मॉक ड्रिल सहित व्यापक आकस्मिक योजना सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को सभी पंपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और मैनपावर का सही इस्तेमाल, बाढ़-ग्रस्त हॉटस्पॉट की पहचान करने और प्रत्येक महत्वपूर्ण क्षेत्र के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को नामित करने का निर्देश दिया। शहरी जलभराव को रोकने पर विशेष ध्यान देने के साथ पंप ऑपरेटरों और सहायक कर्मचारियों की उपस्थिति और तैनाती पर बारीकी से नजर रखने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने उपायुक्तों को सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग विभाग (पीएचईडी) और शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) की देखरेख करने का निर्देश दिया, ताकि उनके अधिकार क्षेत्र के तहत शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में वर्षा के पानी की निकासी आसानी से हो सके। डॉ. मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के स्पष्ट निर्देश हैं कि इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के संबंध में किसी भी तरह की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

बैठक के दौरान बताया गया कि हरियाणा ने 10 जून तक लक्षित 4,097.41 किलोमीटर ड्रेन नेटवर्क में से लगभग 78 प्रतिशत निकासी को प्राप्त करते हुए ड्रेन डिसिल्टिंग गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जो 27 मई को दर्ज किए गए 19.20 प्रतिशत से उल्लेखनीय वृद्धि है। डॉ. मिश्रा ने 100 प्रतिशत ड्रेन क्लीयरेंस हासिल करने के लिए 20 जून, 2025 की एक निश्चित समय सीमा तय की है। समीक्षा में कहा गया है कि विभागीय मशीनरी, मनरेगा कार्यकताओं और ई-टेंडरिंग प्रक्रियाओं के समन्वित प्रयास से वित्त वर्ष 2025 तक 868 में से 672 नालों की सफाई कर दी गई है। भूमि सुधार और विकास निगम (एलआरडीसी) ने 82.51 प्रतिशत काम पूरा होने की सूचना दी है, जबकि भाखड़ा जल सेवा (बीडब्ल्यूएस) ने 76.62 प्रतिशत काम पूरा कर लिया है।

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग ने अपनी तैयारियों का प्रदर्शन किया, जिसमें 553.22 किलोमीटर एचडीपीई पाइपलाइनों और डीजल, इलेक्ट्रिक और वीटी मोबाइल इकाइयों सहित 2,401 पंपों की मजबूत सूची है, जो तेजी से तैनाती के लिए तैयार हैं।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि हमारी बड़ी प्राथमिकता मानसून से संबंधित जोखिमों से समुदायों और कृषि भूमि की सुरक्षा है। सिंचाई आयुक्त और सचिव श्री मोहम्मद शायिन ने बैठक में राज्य की आबादी और कृषि भूमि की सुरक्षा के लिए चल रहे प्रयासों से अवगत कराया। विभाग वर्तमान में 282.95 करोड़ रुपये की लागत वाली 209 अल्पकालिक बाढ़ सुरक्षा परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है, जिनमें से अधिकांश को 30 जून, 2025 तक पूरा करने की योजना है।

संत कबीर एक महान समाज सुधारक और अद्वितीय कवि: बंडारू दत्तात्रेय

संवाददाता
चंडीगढ़

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने संत कबीर जयंती की दी शुभकामनाएं

हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने संत कबीर जी की 628वीं जयंती के शुभ अवसर पर प्रदेशवासियों एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। इस अवसर पर उन्होंने राजभवन में संत कबीर दास जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

राज्यपाल ने संत कबीर जी के जीवन और उनके आध्यात्मिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कबीर साहेब न केवल एक महान संत एवं समाज सुधारक थे, बल्कि एक अद्वितीय कवि भी थे, जिन्होंने अपनी सशक्त वाणी और दोहों के माध्यम से समाज को जागरूक करने का कार्य किया। उनके विचार आज भी मानवता को एक नई दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि संत कबीर जी ने जीवनपर्यंत छूआछूत, नशाखोरी, पाखंड और रूढ़िवादिता जैसी सामाजिक कुरीतियों का डटकर विरोध किया। उनके संदेश समाज को समरसता, भाईचारा और समानता की ओर प्रेरित करते हैं। वे मानते थे कि आपसी सद्भावना ही समाज की असली ताकत है। राज्यपाल ने कहा कि संत कबीर जी की शिक्षाएं सत्य, प्रेम, करुणा और मानवता के मूल्यों पर आधारित हैं। उनके विचार आज के समय में और अधिक प्रासंगिक हो गए हैं, जब समाज को एकजुटता और सहिष्णुता की आवश्यकता है। दत्तात्रेय ने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे संत कबीर जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करें। यह उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव श्री अतुल द्विवेदी, आईएएस तथा राज्यपाल के एडीसी श्री मनप्रीत सिंह, आईपीएस ने भी महान कवि संत कबीर दास को पुष्पांजलि अर्पित की। राजभवन के अन्य अधिकारियों ने भी महान कवि को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्कूल प्रबंधन ने अनाज मंडी की निर्वाचित गवर्निंग बॉडी का किया अभिनंदन

संवाददाता
लाडवा

संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल धनौरा-लाडवा के प्रबंधन व स्टाफ द्वारा स्कूल परिसर में अनाज मंडी-लाडवा की नव निर्वाचित गवर्निंग बॉडी का अभिनंदन किया गया। अनाज मंडी के अध्यक्ष राजीव आर्य सहित उपाध्यक्ष प्रदीप पंजेटा व साहिब सिंह, सचिव शुभम कांबोज, कोषाध्यक्ष बृज भूषण, सलाहकार सतपाल आनंद व मंडी धर्मशाला लाडवा के अध्यक्ष श्री प्रमोद धवन का स्कूल परिसर में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। स्कूल अध्यक्ष पवन गर्ग, सचिव रविन्द्र बंसल, सह-सचिव नरेन्द्र सिंघल, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र सिंह गिल, सुमित गर्ग-निदेशक ओ.पी.जी.स्कूल, लाडवा, प्रिंसिपल नरेन्द्र शर्मा व स्टाफ ने अनाज मंडी की नव निर्वाचित गवर्निंग बॉडी को पुष्पगुच्छ, माला व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। पवन गर्ग ने गवर्निंग बॉडी के सभी सदस्यों को बधाई दी व उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नव निर्वाचित शासी निकाय जनता की आकांक्षाओं पर खरा उतरेगा तथा राजीव आर्य के नेतृत्व में मंडी सुचारू रूप से कार्य करेगी।

खरीफ फसलों की नवीनतम तकनीक और फसल विविधीकरण की दी जानकारी

अनिल गोयल
लाडवा

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र तथा राज्य की कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन व बागवानी के अधिकारी गांव में जाकर किसानों से सीधा संवाद कर रहे हैं। 12 जून तक चलने वाले इस अभियान के तहत विभिन्न संस्थान व जिले के कृषि से जुड़े हुए अन्य विभाग के अधिकारी गण किसानों से सीधा जुड़ कर उनके साथ रोज कृषि से संबंधित अनेक जानकारियां, नवीनतम तकनीक साझा कर रहे है। खरीफ फसलों की नवीनतम तकनीक प्राकृतिक खेती की विधियां फसल विविधीकरण मृदा स्वास्थ्य कार्ड आधारित फसलों का चयन संतुलित उर्वरकों का प्रयोग आईसीटी और आधुनिक यंत्रों से स्मार्ट कृषि आदि मुख्य उद्देश्यों पर ब्लॉक लाडवा के 6 गांव में विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र द्वारा किया गया। टीम 2 की नोडल अधिकारी डॉ कविता ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया की किसान समय पर बुवाई, प्रमाणित बीज का उपयोग, बीजोपचार और मिट्टी की जांच करके अपनी फसल का उत्पादन बढ़ा सकते हैं।

डॉ सुनील कुमार वैज्ञानिक भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान केंद्र -करनाल ने किसानों को गेहूं एवं जौ की उन्नत किस्मों के बारे में जानकारी दें। डॉ सौरभ कादियान वैज्ञानिक भारतीय डेयरी अनुसंधान संस्थान- करनाल ने पशुओं में थनैला गर्ल को तो बांझपन जैसे रोग की रोकथाम के बारे में जानकारी दी। डॉ सोनिया अहलावत वैज्ञानिक राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो करनाल ने देसी नस्ल के पशु पालने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय नस्ल की साहीवाल, हरियाणवी, थारपारकर, गिर गायों के दूध की गुणवत्ता शंकर नस्ल के पशुओं से अच्छी होती है। डॉ प्रवीण कुमार अधिकारी इफको ने किसानों से संतुलित मात्रा में रासायनिक खादों और नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटेशियम के वैकल्पिक खादो के प्रयोग के लिए आग्रह किया। डॉ ललिता रानी वैज्ञानिक गृह विज्ञान ने कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र में विभिन्न प्रशिक्षण के बारे में किसानों को अवगत करवाया। डॉ मनोज कुमार सिंह ने पॉपुलर के पड़े के रख रखाव संबंधित जानकारी किसानों को दी। खंड कृषि अधिकारी लाडवा डॉ अमित कंबोज ने कृषि विभाग से मिलने वाले विभिन्न सब्सिडी अनुदान के बारे में विस्तार से बताया। डॉ सागर डी विभूति वैज्ञानिक केंद्रीय मृदा लावण्यता अनुसंधान संस्थान - करनाल ने मिट्टी की जांच के आधार पर जिप्सम की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

इस मौके पर पशुपालन, बागवानी, कृषि विभाग के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-समाचार

छह वारदातों के दो आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। पुलिस ने दो पहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह के दो आरोपियों को मंगलवार शाम को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों से चोरी की 6 वारदातों का खुलासा हुआ। आरोपियों की पहचान शिव नगर किशनपुरा निवासी कन्हैया व इदगाह कॉलोनी निवासी पप्पू के रूप में हुई है। प्रभारी इंस्पेक्टर विजय ने बताया कि उनकी टीम मंगलवार शाम को सनौली रोड स्थित काला आंब मोड़ पर नाकाबंदी कर संदिग्धों पर नजर बनाए हुए थी। तभी टीम को पानीपत की ओर से दो युवक एक स्पलेंडर बाइक पर सवार होकर आते दिखाई दिए, जिन्होंने सीट पर बीच में प्लास्टिक के कट्टे में कुछ सामान रखा हुआ था। प्लास्टिक कट्टे को खोलकर चेक किया तो वायर से निकली तांबा की तार बरामद हुई। पूछताछ में आरोपियों ने माना कि उन्होंने तांबा की तार अपने चार अन्य साथी आरोपियों के साथ मिलकर 12 जनवरी को चौटाला रोड के नजदीक जालपाड़ गांव के खेतों में ट्यूबवेल से चोरी की थी। एक अप्रैल को गांधी कॉलोनी में चोरी व एक बाइक चोरी की वारदात को अंजाम देने की बात को भी कबूला। ईइंस्पेक्टर विजय ने बताया कि दोनों आरोपी चोरी की तार को लेकर बेचने के लिए मंगलवार को ग्राहक की फिराक में बाइक पर सवार होकर यूपी की तरफ जा रहे थे। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी नशा करने के आदि हैं। नशे की लत पूरी करने के लिए पैसों की जरूरत पड़ी तो आरोपियों ने मिलकर चोरी की उक्त वारदातों को अंजाम दिया।

यमुना नदी में तीन दोस्तों की डूबकर मौत

पानीपत। यमुना नदी के संजोली घाट पर नहाने के दौरान तीन दोस्तों की डूबने से मौत हो गई। यह तीनों युवक अपने घर पर बताए बगैर नहाने के लिए पहुंचे थे। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से तीनों के शवों को नदी से बाहर निकाला। पुलिस आगामी कार्रवाई कर रही है। बताया गया कि मच्छरौली गांव से तीन दोस्त 18 वर्षीय हिमांशु , 20 वर्षीय नितिन और 11 वर्षीय अभि घर में बिना बताए नहाने के लिए बाइक से यमुना नदी पर पहुंचे थे। करीब 11 बजे संजौली घाट पर एक महिला ने तीनों को नहाते हुए देखा। नहाने के दौरान तीनों गहरे पानी में चले गए और एक साथ तीनों डूब गए। काफी देर तक तीनों जब ऊपर नहीं आए तब महिला ने स्थानीय लोगों को और डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। इस पर गांव हथवाला का गोताखोर राकेश भी मौके पर पहुंचा। उसने काफी देर तक तीनों को पानी में सर्च किया, लेकिन तीनों नहीं मिले। सूचना मिलने पर पुलिस भी गोताखोरों की टीम के साथ मौके पर पहुंच गई। गोताखोरों ने पुलिस से ऑक्सीजन सिलेंडर की मांग की, लेकिन सिलेंडर न मिलने पर पानीपत से आनन-फानन में सिलेंडर खरीद कर मंगाया गया। ऑक्सीजन सिलेंडर की मदद से गोताखोर फिर पानी की गहराई में उतरा। कड़ी मशक्कत के बाद तीनों को 18 फीट गहरे गड्ढे से निकाला जा सका। तीनों को तुरंत सिविल अस्पताल लाया गया। जहां चेकअप के बाद डॉक्टर ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

एचएयू में छात्रों व सुरक्षा कर्मचारियों के बीच हुई घटना दुर्भाग्यपूर्ण : डॉ. अशोक गोदारा

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (हौटा) पदाधिकारियों ने विश्वविद्यालय में सुरक्षा कर्मचारियों व छात्रों के बीच हुए विवाद को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। एचएयू ही नहीं, किसी भी शिक्षक संस्थान में ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए। हौटा अध्यक्ष डॉ. अशोक गोदारा एवं अन्य पदाधिकारियों ने बुधवार को कहा कि मंगलवार के दिन व रात को हुई घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। दोनों पक्ष यदि संयम से काम लेते तो ऐसा नहीं होता। उन्होंने कहा कि जिन छात्रों को चोट लगी है, उनसे हौटा को पूरी सहानुभूति है और हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। सभी छात्र हमारे विश्वविद्यालय के हैं और हमारी शान है। इन्हीं छात्रों को आगे चलकर वैज्ञानिक बनकर किसानों की व प्रदेश की सेवा करनी है। ऐसे में हौटा का पूरा प्रयास रहेगा कि छात्रों की मांगों व समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए। इसके लिए हौटा विश्वविद्यालय के कुलपति से भी मिलेगी और अपनी तरफ से छात्रों की मांग पूरा करवाने का प्रयास करेगी रखेगी। हौटा अध्यक्ष डॉ. अशोक गोदारा एवं अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि छात्रों को किसी भी तरह के बहकावे में न आकर अपनी पढ़ाई जारी रखनी चाहिए। जहां तक विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से की जाने वाली कार्यवाई की बात है, इसके लिए हौटा खुद कुलपति से बात करेगी ताकि किसी से किसी तरह का अन्याय न हो।

जल निकासी प्रबंध सुनिश्चित करने के लिए निगम टीम सक्रिय

गुरुग्राम। बरसात से पहले संभावित जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नगर निगम की ओर से सक्रियता दिखाई जा रही है। बुधवार को नगर निगम डिवीजन 3बी के अधीन आने वाले कई जलभराव संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल में कार्यकारी अभियंता संदीप धुंधवाल, कनिष्ठ अभियंता दीपक यादव, देवेंद्र कुमार, शुभम और सुनील शामिल रहे। टीम ने विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश भी दिए। टीम ने सेक्टर-5 पार्ट 3, सेक्टर-5 पार्ट 6, सेक्टर-5 मार्केट, राजकीय विद्यालय भीमगढ़ खेड़ी, दुर्गा स्वीट्स भीमगढ़ खेड़ी, अशोका अपार्टमेंट भीमगढ़ खेड़ी, शीतला माता मंदिर रोड, सिंघा चौक, अशोक विहार फेज-3, शीतला कॉलोनी, ऑटो मार्केट भीम नगर, मियावाली कॉलोनी, अग्रसेन चौक, बर्फ खाना, कोर्ट रोड सहित अन्य स्थानों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने स्थानीय जल निकासी प्रणाली की स्थिति का आंकलन किया और जिन स्थानों पर सुधार की आवश्यकता है, वहां जल्द कार्रवाई के निर्देश दिए। नगर निगम का उद्देश्य आगामी मानसून से पहले सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करना है, ताकि नागरिकों को जलभराव की समस्या से निजात दिलाई जा सके।

गुरुग्राम में 21 तक चलेगा विशेष स्वच्छता पखवाड़ा

गुरुग्राम। शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता को लेकर नगर निगम गुरुग्राम ने पूरी तरह से सक्रियता का दावा किया है। एक जून से चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत बुधवार को विशेष सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें सड़कों, ग्रीन बेल्ट, नालियों, जीटी और सामुदायिक केंद्रों सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों की सफाई की गई। इस अभियान में स्वच्छता टीमों के साथ-साथ आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक भी सक्रिय रूप से शामिल हुए। यह अभियान शहरी स्थानीय निकाय विभाग, हरियाणा के निर्देशों के तहत चलाया जा रहा है और 21 जून तक प्रतिदिन विभिन्न स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

निर्माण सामग्री में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं: श्रुति चौधरी

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी ने कहा कि निर्माण सामग्री में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जीरो टॉलरेंस नीति पर कार्य कर रहे हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री के दिशा-निदेर्शानुसार सिंचाई विभाग की विभिन्न परियोजनाओं पर चल रहे निर्माण कार्यों में निर्माण सामग्री के 48 सैंपल भरे गए, उनमें से 18 सैंपल फैल पाए गए। जिस पर जेई से लेकर चीफ इंजीनियर तक के 80 अधिकारियों को हरियाणा सिविल सेवा नियमावली धारा- 7 व 8 के तहत चार्जशीट किया गया। श्रीमती श्रुति चौधरी यहाँ अपने निवास स्थान पर पत्रकारवार्ता को संबोधित कर रहीं थीं।

उन्होंने कहा कि सरकार किसी भी रूप में भ्रष्टाचार को स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि कुछ परियोजनाएं पूरी होने की कगार पर थी। जब परियोजना पूरी होने को होती है तो अधिकारियों की जवाबदेही बढ़ जाती है। बार-बार शिकायत मिलने पर विभाग की विजिलेंस विंग ने छापामारी की और सैंपलिंग ली। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि ठेकेदारों की काफी पेमेंट हो चुकी थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि ठेकेदारों से रिकवरी करने की संभावनाओं को तलाशा जायेगा।

किसाऊ बाँध परियोजना के बारे में पूछे जाने पर श्रीमती श्रुति चौधरी ने कहा कि यह एक राष्ट्रीय परियोजना है। हरियाणा के लिए यह अति महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने दो दिन पहले ही इस परियोजना की समीक्षा की थी। किसाऊ बाँध से हरियाणा को सिंचाई के साथ-साथ पीने के पानी के लिए तथा पन-बिजली में हिस्सेदारी मिलनी है। इस बाँध से हरियाणा को यमुना नदी में 709 क्यूसिक पानी मिलेगा।

केंद्र सरकार के 11 साल पूरे होने के बारे में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में सिंचाई मंत्री ने कहा कि हम भाग्यशाली हैं कि हमें श्री नरेंद्र मोदी के रूप में एक मजबूत प्रधानमंत्री मिला है। जम्मू - कश्मीर से धारा- 370 हटाना, तीन तलाक व ऑपरेशन सिन्दूर जैसे कठिन निर्णय लेना उनके मजबूत नेतृत्व को दशार्ता है।

प्रदेश के 844 शिक्षकों को किया गया पदोन्नत: महीपाल ढांडा

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने कहा कि हरियाणा सरकार का लक्ष्य है कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाया जाए। इसी कड़ी में 844 शिक्षकों को पदोन्नत किया है, जिनमें 4 प्रिंसिपल भी शामिल हैं। इसी तरह से जल्द ही बीईओ व डीईओ की प्रमोशन की जाएगी। शिक्षकों का तबादला भी शीघ्र ही कर दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि केमेस्ट्री के 35 और 18 टीजीटी (ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर) को पीजीटी (पोस्ट ग्रेजुएट टीचर) पदोन्नत किया गया है।

संस्कृत व अंग्रेजी के 1-1 पीजीटी, हिंदी के 2 पीजीटी को पदोन्नत कर प्रिंसिपल बनाया गया है। इसी तरह से कॉमर्स के 4, अंग्रेजी के 207, जियोग्राफी के 1, इतिहास के 203, राजनीतिक शास्त्र के 137, समाजशास्त्र के 13, संस्कृत के 150, गृह विज्ञान के 37 और हिंदी के 35 टीजीटी को पदन्नोत करके पीजीटी बनाया गया है।

शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने कहा कि सरकार ने प्रदेश के हर सरकारी स्कूल के ढांचागत विकास को पूरा किया है और अन्य दिक्कतों का भी जल्द ही समाधान कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रम बनाए जा रहे हैं, जिससे विद्यार्थी चुनौतियों का निपटान कर सकेंगे। भारत के विकास में कौशल आधारित शिक्षा का भी योगदान रहेगा। इसी को ध्यान में रखकर भी पाठ्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अलग-अलग चरणों में सभी तरह के टीचरों का ट्रांसफर ड्राइव जल्द शुरू किया जाएगा, ताकि बच्चों की पढ़ाई सुचारू रूप से चलती रहे।

उन्होंने कहा कि हर 10 किलोमीटर के दायरे में एक नया मॉडल संस्कृति स्कूल खोला जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को और बेहतर शिक्षा मिल सके।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का विजन है कि राजकीय स्कूलों में बच्चों के लिए ई-पुस्तकालय हों। इसी को ध्यान में रखकर सरकार 197 राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालयों एवं 250 पीएम श्री विद्यालयों में ई-पुस्तकालय का निर्माण करवाएगी।

पुलिस ने दुकान से चोरी करने का आरोपी 12 घंटे में किया गिरफ्तार

संवाददाता
लाडवा

पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल के मार्ग-निर्देश में अपराध अन्वेषण शाखा-1 की टीम ने दुकान से चोरी करने के आरोपी गुलजोर सिंह वासी वासी बीड सोंटी जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार करके चोरीशुदा 3 लाख रुपये बरामद करने में सफलता हासिल की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 9 जून, 25 को थाना लाडवा में दी अपनी शिकायत में राहुल वर्मा वासी लाडवा ने बताया कि उसकी विकास नगर लाडवा में दुकान है। उन्होंने बताया कि 9 जून को दोपहर समय करीब 2.40 पर वह दुकान का लॉक लगाकर खाना खाने के लिए घर पर गया था। कुछ देर बाद जब वह वापस आया तो उसको दुकान का लॉक टूटा मिला। दुकान के अंदर जाकर चैक करने पर पाया कि किसी नामालूम चोर ने उसकी दुकान के गल्ले में रखे 4 लाख रुपये चोरी कर लिए हैं। जिसकी शिकायत पर थाना लाडवा में मामला दर्ज करके जांच अपराध अन्वेषण शाखा-1 को दी गई। 10 जून, 25 को अपराध अन्वेषण शाखा-1 प्रभारी सुरेन्द्र कुमार के मार्गनिर्देश मे सहायक उप निरीक्षक गिरवर शर्मा, उप निरीक्षक सतविन्द्र सिंह, मुख्य सिपाही कृष्ण व सिपाही विकास कुमार की टीम ने दुकान से चोरी करने के आरोप मे गुलजोर सिंह वासी वासी बीड सोंटी जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से चोरीशुदा 3 लाख बरामद किये गये। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया।

विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों के साथ चुनाव प्रबंधन को लेकर की बातचीत

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने स्टॉकहोम सम्मेलन में दिया सम्बोधन

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री पंकज अग्रवाल ने कहा है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में चुनाव आयोग निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से चुनाव सम्पन्न करवाता है जिसमें राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों का भी अहम रोल होता है। भारत के चुनाव प्रबंधन की जानकारी प्राप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव सहायता संस्थान द्वारा स्टॉकहोम में एक सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने अपना सम्बोधन दिया। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बातचीत की। साथ ही वे स्वीडन में रह रहे अप्रवासी भारतीयों से भी रूबरू हुए।

उन्होंने बताया कि सीईसी ने प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) और भारत के विदेशी नागरिकों (ओसीआई) के बीच समावेशी भागीदारी और नागरिक जुड़ाव पर चुनाव आयोग के फोकस को दोहराया। उन्होंने ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण प्रणाली और डाक मतपत्र प्रबंधन प्रणाली (ईटीपीबीएमएस) के इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन जैसी पहलों पर प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य विदेशों की अधिक भागीदारी को सक्षम बनाना है।

श्री ज्ञानेश कुमार ने चुनाव प्रबंधन में भारत के नेतृत्व को रेखांकित किया। इस सम्मेलन में लगभग 50 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 100 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिसका आयोजन स्वीडिश विदेश मंत्रालय, स्वीडिश चुनाव प्राधिकरण और ऑस्ट्रेलियाई चुनाव आयोग के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव सहायता संस्थान (इंटरनेशनल आईडीईए) द्वारा किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि भारत मुख्य चुनाव आयुक्त ने जिन देशों के मुख्य चुनाव आयुक्तों के साथ बातचीत की है उनमें यूनाइटेड किंगडम, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, मैक्सिको, मंगोलिया, मोल्दोवा, लिथुआनिया, मोरिशियस, जर्मनी, यूक्रेन, क्रोशिया और स्विट्जरलैंड शामिल हैं। मुख्य फोकस क्षेत्रों में गलत सूचना, डिजिटल व्यवधान, चुनावी सुरक्षा, जलवायु संबंधी जोखिम और चुनावों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका शामिल है। भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन संस्थान, [illegible] भी चुनावी प्रबंधन उत्कृष्टता के लिए एक प्रमुख संस्थान के रूप में उभर रहा है। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में आईआईआईडीईएम के महानिदेशक श्री राकेश वर्मा, उप महानिदेशक (विधि) श्री विजय कुमार पांडे और प्रमुख सचिव श्री राहुल शर्मा सहित चुनाव आयोग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

संपादकीय

अनुसंधान, डिजिटल स्वास्थ्य और कौशल विकास में सुधार व सार्वजनिक-निजी साझेदारी स्वास्थ्य क्षेत्र के भविष्य को आकार देने की ओर भारत

इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारत का दवा उद्योग (फार्मास्यूटिकल क्षेत्र), जिसका मूल्य वर्ष 2024 में 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर है और वर्ष 2030 तक 130 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है, वहनीय दवाओं की आपूर्ति में एक वैश्विक महाशक्ति बना हुआ है। हालाँकि, अमेरिकी प्रशासन द्वारा विभिन्न क्षेत्रों पर लगाए गए हाल के व्यापक पारस्परिक शुल्कों के बावजूद, फार्मास्यूटिकल्स को महत्त्वपूर्ण छूट प्राप्त हुई है, जो इस क्षेत्र के रणनीतिक महत्त्व को रेखांकित करती है। व्यापारिक तनावों से यह छूट, वैश्विक स्तर पर सस्ती स्वास्थ्य सेवा बनाए रखने में भारत की अपरिहार्य भूमिका को दर्शाती है, साथ ही नवाचार और गुणवत्ता सुधार के माध्यम से आगे के विकास के अवसर भी प्रस्तुत करती है। आईये बात करते हैं भारत में फार्मास्यूटिकल क्षेत्र को नियंत्रित करने वाले वर्तमान नियामक ढाँचे के बारे में। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन सी डी एस सी ओ भारत में फार्मास्यूटिकल्स की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता सुनिश्चित करने के लिये जिम्मेदार शीर्ष नियामक निकाय है। यह नई दवाओं के अनुमोदन, नैदानिक परीक्षणों, विनिर्माण लाइसेंसों तथा चिकित्सा उपकरणों और सौंदर्य प्रसाधनों के विनियमन की देखरेख करता है। सी डी एस सी ओ औषधि परीक्षण और लेबलिंग के लिये मानक निर्धारित करता है, तथा दवा उत्पादन के लिये अच्छे विनिर्माण अभ्यास के कार्यान्वयन में भी शामिल है। औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम भारत के औषधि विनियामक ढाँचे की आधारशिला है। यह देश में दवाओं, सौंदर्य प्रसाधनों और चिकित्सा उपकरणों के निर्माण, बिक्री और वितरण को नियंत्रित करता है तथा सुनिश्चित करता है कि केवल सुरक्षा और प्रभावकारिता मानकों को पूरा करने वाली दवाओं को ही अनुमोदित किया जाए और बाज़ार में बेचा जाए। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण एक सरकारी एजेंसी है, जो भारत में आवश्यक दवाओं की कीमतों को विनियमित करने के लिये जिम्मेदार है। यह सुनिश्चित करता है कि आवश्यक दवाएँ जनता को किफायती कीमतों पर उपलब्ध हों तथा निर्माता और आपूर्तिकर्त्ता बाज़ार का शोषण न कर सकें। यह नियमित रूप से आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (हाल ही में 1.74% की वृद्धि) के अंतर्गत दवाओं की कीमतों में संशोधन करता है तथा मूल्य नियंत्रण तंत्र का अनुपालन सुनिश्चित करता है। केंद्रीय प्राधिकरणों के अतिरिक्त, भारत में अलग-अलग राज्यों के अपने औषधि नियंत्रण विभाग हैं, जो क्षेत्रीय स्तर पर औषधि कानूनों के प्रवर्तन के लिये जिम्मेदार हैं। भारत में क्लिनिकल परीक्षणों को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के अनुपालन में सी डी एस सी ओ द्वारा विनियमित किया जाता है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद नैदानिक परीक्षणों के संचालन के लिये नैतिक दिशा-निर्देश प्रदान करता है, जिसमें अच्छे नैदानिक अभ्यास मानकों का पालन किया जाना चाहिये फार्मास्यूटिकल विज्ञापन और प्रचार का विनियमन भारत के फार्मा क्षेत्र विनियमन का एक और महत्त्वपूर्ण पहलू है। ओषधि और चमत्कारिक उपचार (आक्षेपणीय विज्ञापन) अधिनियम, 1954 औषधियों के विज्ञापन को नियंत्रित करता है तथा यह सुनिश्चित करता है कि विपणन में किये गए दावे सत्य हों तथा भ्रामक न हों यह भी सच है कि भारतीय फार्मा क्षेत्र में भी विनियामक दक्षता में सुधार लाने के उद्देश्य से हाल ही में कई सुधार किये गए हैं। राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नीति, 2023 और औषधि प्रौद्योगिकी उन्नयन सहायता योजना महत्त्वपूर्ण चिकित्सा उपकरणों के विकास पर ध्यान केंद्रित करती है। भारत के फार्मास्यूटिकल क्षेत्र की वृद्धि को प्रेरित करने वाले प्रमुख कारकों की बात करें तो विनिर्माण में लागत दक्षता, सरकारी सहायता और नीतिगत पहल, जेनेरिक दवाओं की बढ़ती वैश्विक मांग, जैव प्रौद्योगिकी और बायोलॉजिक्स में प्रगति, अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों का विस्तार, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और वैश्विक भागीदारी, चिकित्सा उपकरण और डिजिटल स्वास्थ्य क्षेत्र का विस्तार आदि हैं। हम बात कर सकते हैं भारत के फार्मास्यूटिकल क्षेत्र के समक्ष प्रमुख मुद्दों के बारे में। गुणवत्ता नियंत्रण और विनियामक अनुपालन, बौद्धिक संपदा और पेटेंट संबंधी चुनौतियाँ, सक्रिय फार्मास्यूटिकल अवयवों के लिये आयात पर निर्भरता, जेनेरिक दवाओं पर अत्यधिक निर्भरता, प्रतिभा की कमी और कौशल अंतराल, पर्यावरणीय स्थिरता के मुद्दे आदि हैं। भारत के फार्मा क्षेत्र में सुधार के लिये कई उपाय अपनाए जा सकते हैं जैसे नवाचार और अनुसंधान एवं विकास निवेश पर ध्यान केंद्रित करना, ए पी आई विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करना, हरित एवं सतत विनिर्माण प्रथाओं का कार्यान्वयन, डिजिटल स्वास्थ्य और एआई एकीकरण का विस्तार, स्वास्थ्य अवसंरचना के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी, उन्नत चिकित्सा में कौशल और प्रतिभा विकास, पुरानी बीमारियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए घरेलू दवा बाज़ार को पुनर्जीवित करने के तहत मधुमेह, हृदय संबंधी बीमारियों और कैंसर जैसी गैर-संचारी बीमारियों के बढ़ते बोझ को पूरा करने के लिये, भारत को अपने घरेलू दवा बाज़ार को पुरानी बीमारियों के उपचार पर केंद्रित करना होगा। दीर्घकालिक, उच्च-मूल्य चिकित्सा पर ध्यान केन्द्रित करने से न केवल घरेलू स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकताएँ पूरी होंगी, बल्कि बढ़ते वैश्विक दीर्घकालिक रोग बाज़ार में निर्यात के अवसर भी उत्पन्न होंगे। विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में सस्ती दवाओं तक व्यापक पहुँच सुनिश्चित करने के लिये, भारत को जन औषधि योजना और अन्य सरकारी पहलों के विस्तार सहित वितरण नेटवर्क को बढ़ाना होगा। सस्ती दवा दुकानों की पहुँच बढ़ाकर भारत लागत और पहुँच संबंधी उन समस्याओं का समाधान कर सकता है, जो अनेक नागरिकों को समय पर देखभाल प्राप्त करने से रोकती हैं। भारत को अगली पीढ़ी की फार्मास्यूटिकल प्रौद्योगिकियों, जैसे कोशिका-आधारित चिकित्सा और जीन थेरेपी में निवेश करना चाहिये, ताकि जेनेरिक दवाओं से आगे बढ़ा जा सके और वैश्विक उच्च-मूल्य वाली दवा बाज़ार में नेतृत्व की स्थिति स्थापित की जा सके। यह दूरदर्शी दृष्टिकोण भारत को नवीन चिकित्सा के केंद्र के रूप में स्थापित करेगा तथा इसके निर्यात प्रोफाइल और वैश्विक प्रतिस्पर्द्धात्मकता को बढ़ाएगा। अंत में कह सकते हैं कि भारत का फार्मास्यूटिकल क्षेत्र एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है, जहाँ यह विश्व की फार्मेसी होने से आगे बढ़कर उच्च-मूल्य नवाचार में वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर हो रहा है। अनुसंधान एवं विकास, डिजिटल स्वास्थ्य और कौशल विकास में रणनीतिक सुधार और मजबूत सार्वजनिक-निजी साझेदारी इस क्षेत्र के अगले चरण को अनलॉक करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आत्मनिर्भरता और वैश्विक उत्कृष्टता की दृष्टि के साथ, भारत सस्ती और अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के भविष्य को आकार देने की दिशा में सुदृढ़ स्थिति में है।

आज का राशिफल

मेष: आपके व्यवहार की लोग प्रशंसा करेंगे। आपको बोलते समय वचनों पर नियन्त्रण रखना चाहिये। छात्र पढ़ाई को लेकर काफी गम्भीर रहेंगे। आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। अपनी व्यावसायिक नीतियों में बदलाव ला सकते हैं। आपकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी।

वृषभ: उच्च अधिकारी आपके ऊपर काम का दबाव बढ़ा सकते हैं। लेकिन आप चतुराई से अपना काम निकाल लेंगे। कानूनी विवादों को सुलझाने का अवसर मिलेगा। छात्रों को पढ़ाई में अधिक ध्यान रखने की आवश्यकता है। असन्तुलित खानपान के कारण गैस और पेटदर्द की समस्या हो सकती है।

मिथुन: आपके जनसम्पर्क का दायरा विस्तृत होगा। घर में मेहमानों की आवाजाही हो सकती है। वैवाहिक जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा। सम्पत्ति को लेकर रुके हुये प्रोजेक्ट पुनः प्रारम्भ हो सकते हैं। योग और मेडिटेशन को अपनी दैनिक दिनचर्या में सम्मिलित करें।

कर्क: पैतृक सम्पत्ति को लेकर मामले अटकने की सम्भावना है। स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं से बाहर आ सकते हैं। अपने लक्ष्यों को लेकर एकाग्र रहेंगे। आपके काम की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। लेकिन आप अपनी उपलब्धियों से सन्तुष्ट नहीं रहेंगे। सरकारी जॉब कर रहे लोग छुट्टी के लिये विचार कर सकते हैं।

सिंह: कारोबार को लेकर आपको बड़े परिवर्तन करने से बचना चाहिये। माता के स्वास्थ्य की चिन्ता हो सकती है। जोड़ों और कूल्हों में दर्द को लेकर थोड़ी समस्या हो सकती है। गलतफहमी को लेकर प्रेम सम्बन्धों में अनबन हो सकती है। भावनाओं में बहकर महत्वपूर्ण बातों को सभी के सामने शेयर न करें।

कन्या: सोशल मीडिया पर सम्भलकर प्रतिक्रिया दें। घर के किसी सदस्य के विवाह को लेकर चर्चा हो सकती है। सर्वाइकल के दर्द से जूझना पड़ सकता है। पड़ोसियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। युवाओं को अपने करियर की चिन्ता रहेगी। किसी दोस्त के घर मिलने जा सकते हैं।

तुला: अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। आपको अपनी प्रतिष्ठा की काफी चिन्ता रहेगी। व्यवसाय में लाभ तो होगा लेकिन तनाव भी बढ़ेगा। कानूनी मामलों में लापरवाही न करें। अजनबी लोगों पर अधिक विश्वास नहीं करना चाहिये। माता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी।

वृश्चिक: आपके द्वारा लिये गये निर्णयों की प्रशंसा होगी। प्रतिद्वन्दी आपके सामने कमजोर पड़ते दिखाई देंगे। धार्मिक कार्यों में आप अधिक रुचि ले सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से उत्तम सहयोग प्राप्त होगा। आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। कानूनी मामलों में आपको विजय मिल सकती है।

धनु: आज जीवनसाथी की सलाह आपके लिये अत्यधिक लाभप्रद सिद्ध होने वाली है। राजनीति से जुड़े लोगों को महत्वपूर्ण कार्यभार मिल सकता है। व्यापार में आपको पार्टनरशिप करनी पड़ सकती है। दिखावे के चक्कर में आपको नुकसान झेलना पड़ सकता है।

मकर: व्यवसाय में हुये नुकसान की भरपायी कर सकते हैं। कोई बड़ा कार्य करने से पहले आपको उसकी प्लानिंग अच्छी तरह से कर लेनी चाहिये। सोशल मीडिया में आपकी सक्रियता बढ़ेगी। धन की उधारी करने से बचना चाहिये। अधीनस्थ कर्मचारियों के प्रदर्शन से आप नाखुश हो सकते हैं।

कुंभ: आपको अपेक्षा के अनुसार व्यवसाय में परिणाम मिलने में कठिनाई होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धन सम्बन्धित मामलों को लेकर चिन्ता हो सकती है। अनजान लोगों को धन उधार देने से बचें। अति आत्मविश्वास के कारण आपके काम बिगड़ सकते हैं।

मीन: कार्यक्षेत्र में आपकी योजना सफल होगी। वैवाहिक सम्बन्धों में मधुरता बढ़ेगी। जॉब में आपको मान-सम्मान प्राप्त होगा। आज यदि किसी इन्टरव्यू में सम्मिलित हो रहे हैं तो आपको शानदार सफलता मिल सकती है। विदेश में रह रहे अप्रवासियों के लिये दिन शानदार है।

यह अंतर्दृष्टिपूर्ण लेख है

हिन्दुस्थान समाचार की विशेष प्रस्तुति

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अश्विनी वैष्णव का एक लेख साझा किया है। इसमें 11 वर्ष के समावेशी विकास के परिवर्तनकारी प्रभाव पर जोर दिया गया है। यह एक ऐसी यात्रा है जिसने राष्ट्र को उल्लेखनीय तरीकों से सशक्त, उन्नत और आगे बढ़ाया है। एक्स पर पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "केंद्रीयमंत्री अश्विनी वैष्णव ने समावेशी विकास के 11 वर्षों पर विचार किया। यह एक ऐसी यात्रा है जिसने नागरिकों को कई तरह से लाभान्वित किया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि इससे लोगों में विश्वास जागा है। एक ऐसा विश्वास जो राष्ट्र को सशक्त बनाता है, उत्थान करता है और आगे बढ़ाता है।" प्रधानमंत्री ने आखिर में लिखा, "यह एक अंतर्दृष्टिपूर्ण लेख है !"

केंद्रीय रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना और प्रसारणमंत्री अश्विनी वैष्णव के इस लेख को अंग्रेजी के अखबार द इंडियन एक्सप्रेस ने 11 जून, 2025 के अंक में छापा है। प्रधानमंत्री ने इसी लेख का जिक्र एक्स पोस्ट पर किया है। वैष्णव ने लिखा है कि 11 वर्षों के समावेशी विकास ने लोगों को बेहतर भविष्य का दृढ़ विश्वास दिलाया है। हमने शुरू से ही 'अंत्योदय' पर काम किया। हमारा लक्ष्य पिरामिड के निचले हिस्से में रहने वाले लोगों का उत्थान रहा। इस लेख का भावानुवाद आप भी पढ़ सकते हैं।

वैष्णव लिखते हैं, एक नया भारत आकार ले रहा है- जहां प्रगति को केवल जीडीपी में नहीं, बल्कि सम्मान और अवसर में मापा जाता है। कडप्पा की एक गृहिणी अन्नम लक्ष्मी भवानी ने एक सफल जूट बैग निर्माण इकाई शुरू करने के लिए मुद्रा ऋण प्राप्त किया। हरियाणा में जगदेव सिंह एक एआई ऐप का उपयोग करके अपनी फसलों से संबंधित निर्णय लेते हैं। मीरा मांझी को उज्ज्वला के तहत एलपीजी कनेक्शन मिलता है। इससे उनकी रसोई धुआं रहित हो जाती है और वे अपने बच्चों के साथ अधिक गुणवत्तापूर्ण समय बिता पाती हैं। ये भारत भर के गांवों, कस्बों और शहरों की रोजमर्रा का सच है। ये परिवर्तन संरचनात्मक सुधारों और एक ऐसे नेतृत्व से उत्पन्न होते हैं जो अंतिम नागरिक (अंत्योदय) को सशक्त बनाने में विश्वास करता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में निर्देशित यह दृष्टि चार सरल लेकिन शक्तिशाली स्तंभों पर आधारित है। इनके तहत ऐसा बुनियादी ढांचा बनाना पड़ता है जो जोड़ता हो। विकास समावेशी हो। विनिर्माण रोजगार पैदा करने वाला हो। सशक्त करने वाली ऐसी प्रणालियों को सरल बनाना भी इसमें प्रमुख कारक है। पिछले 11 वर्षों में पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो 2025-26 में 11.2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। सार्वजनिक निवेश में यह उछाल भारत के बुनियादी ढांचे-भौतिक, डिजिटल और सामाजिक में सबसे अधिक दिखाई देता है। इस अवधि में लगभग 59, 000 किलोमीटर राजमार्ग बनाए गए हैं और 37, 500 किलोमीटर से अधिक रेलवे ट्रैक बिछाए गए हैं। हाल ही में चिनाब और अंजी पुलों का उद्घाटन किया गया। यह एक आधुनिक भारत के प्रतीक हैं। कश्मीर के लोगों को इन पुलों के माध्यम से वंदे भारत का आगमन एक सपने जैसा लगा।

कनेक्टिविटी की यह भावना रेलवे से आगे बढ़कर डिजिटल हाइवे तक जाती है। भारत का डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा (डीपीआई) एक वैश्विक बेंचमार्क बन गया है। यूपीआई, आधार और डिजिलॉकर का अब उनके पैमाने और समावेशिता के लिए वैश्विक स्तर पर अध्ययन किया जाता है। हर दिन 141 करोड़ से अधिक आधार पंजीकरण और 60 करोड़ यूपीआई लेनदेन उनकी पहुंच और स्वीकृति को दशार्ते हैं कि इसके पीछे का विचार प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण करना है। यही दृष्टिकोण इंडिया एआई मिशन को आगे बढ़ाता है। 34, 000 से अधिक हाई-स्पीड कंप्यूटर चिप्स, जिन्हें जीपीयू के नाम से जाना जाता है, अब सभी के लिए वैश्विक लागत के सिर्फ एक-तिहाई पर उपलब्ध हैं। एआई विकास के हिस्से के रूप में इन चिप्स की जरूरत है। इसे और ज्यादा समर्थन देने के लिए, एआईकेओएसएचअ प्लेटफर्म सीखने और नवाचार के लिए 370 से अधिक डेटासेट और 200 से अधिक इस्तेमाल के लिए तैयार एआई मॉडल पेश करता है।

सुलभता पर यह फोकस तकनीक से आगे बढ़कर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और बुनियादी सेवाओं तक फैला हुआ है। पिछले 11 वर्षों में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 780 हो गई है और एम्स संस्थानों की संख्या सात से बढ़कर 23 हो गई है। एमबीबीएस और पीजी सीटें भी दोगुनी से ज्यादा हो गई हैं। 530 मिलियन से अधिक जन धन खाते खोले गए हैं - जो यूरोप की आबादी से भी ज्यादा है। चालीस मिलियन घर बनाए गए हैं, 120 मिलियन शौचालयों का निर्माण किया गया है और 100 मिलियन परिवार अब लकड़ी की आग के बजाय स्वच्छ एलपीजी से खाना बनाते हैं। 'हर घर जल' के तहत 140 मिलियन घरों में नल के पानी के कनेक्शन भी पहुंच गए हैं। आयुष्मान भारत के तहत स्वास्थ्य बीमा 350 मिलियन लोगों को कवर करता है और 110 मिलियन किसान अब पीएम-किसान के माध्यम से प्रत्यक्ष आय सहायता प्राप्त करते हैं। ये संख्या 100 मिलियनवीं उज्ज्वला लाभार्थी मीरा मांझी जैसे लोगों की कहानियों के माध्यम से जीवंत हो जाती है। अब उनके घर में नल का पानी, हर महीने मुफ्त राशन और उज्ज्वला योजना के तहत धुआं रहित रसोई है।

यह समावेशी विकास का ऐसा आयाम है जो हमारे हाल के इतिहास में किसी भी अवधि में नहीं देखा गया। साल 2015 में हमने रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास को पुनर्जीवित करने के लिए मेक इन इंडिया की शुरूआत की। आज, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण छह गुना बढ़कर 12 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात आठ गुना बढ़कर तीन लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है और शीर्ष निर्यातित वस्तुओं में से एक बन गया है। भारत अब दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन उत्पादक है। हम अब नई इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण योजना के तहत इलेक्ट्रॉनिक घटकों का उत्पादन करके विनिर्माण मूल्य शृंखला को गहरा कर रहे हैं। इसके साथ ही, भारत का सेमीकंडक्टर मिशन ब्लूप्रिंट से सफलता की ओर बढ़ रहा है। देश की पहली वाणिज्यिक प्रयोगशाला निमार्णाधीन है। पांच ओएसएटी इकाइयां चल रही हैं। देश में छात्रों और इंजीनियरों के स्वदेशी आईपी वाले 20 से अधिक चिपसेट डिजाइन किए गए हैं। हमने 270 विश्वविद्यालयों को विश्व स्तरीय ईडीए उपकरणों से जोड़ा है। यह एक सेमीकंडक्टर प्रतिभा पाइपलाइन की नींव है जिस पर दुनिया भरोसा कर सकती है।

पिछले दशक की एक खामोश क्रांति हमारे शासन में हुई है। 1, 500 से ज्यादा पुराने कानून निरस्त किए गए और 40, 000 से अधिक अनुच्छेद समाप्त किए गए। टेलीकॉम एक्ट और डीपीडीपी एक्ट जैसे नए कानून विश्वास और सरलता पर आधारित हैं, जो नागरिकों के साथ सम्मान के साथ पेश आते हैं। इसने निवेश, नवाचार और औपचारिकता को बढ़ावा दिया है, जिससे एक सद्गुणी विकास चक्र बना है। आतंकवाद के प्रति भारत का दृष्टिकोण भी बदल गया है। सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर एयर स्ट्राइक और अब ऑपरेशन सिंदूर तक। भारत ने अपनी शर्तों पर आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में स्पष्टता और साहस दिखाया है। आतंकी हमलों का जवाब देने का यह नया तरीका मोदी सिद्धांत का हिस्सा है। यह तीन स्तंभों पर आधारित है। भारत की शर्तों पर निर्णायक जवाबी कार्रवाई, परमाणु ब्लैकमेल के लिए शून्य सहिष्णुता और आतंकवादियों और उनके प्रायोजकों के बीच कोई भेद नहीं। इस बार हमारी प्रतिक्रिया ने स्वदेशी तकनीकों और क्षमताओं का उपयोग करके इसे और भी महत्वपूर्ण बना दिया।

2004 में अटल बिहारी वाजपेयी जी के कार्यकाल के अंत में भारत दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी। 2004 से 2014 के बीच भारत 11वें स्थान पर ही रहा। यह एक दशक की चूक को दशार्ता है। पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री मोदी की सुधारवादी नीतियों के कारण भारत ने फिर से गति पकड़ी। आज हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में समावेशी विकास के इन 11 वर्षों ने लोगों को सब्सिडी या सेवाओं से कहीं अधिक मूल्यवान कुछ दिया है। इसने उन्हें एक विश्वास दिया है। और बेहतर भविष्य में दृढ़ विश्वास ही राष्ट्र को आगे बढ़ाता है।

नौतपा के बाद झुलसता जीवन

मुकुंद (हि.स.)

मान्यता है कि भारत में नौतपा के दिनों में सबसे अधिक गर्मी पड़ती है। यह बात अलग है कि इस बार नौतपा के नौ दिनों ने अधिक नहीं सताया। नौतपा खत्म होने के बाद पड़ रही गर्मी ने हाल-बेहाल कर दिया है। नौतपा पर कहावत है, "तपै नवतपा नव दिन जोय, तौ पुन बरखा पूरन होय"। इसका अर्थ है कि यदि नौतपा के नौ दिन खूब तपते हैं, तो बारिश अच्छी होगी।

यह एक अवधि है मानी जाती है। अब तक का यह शाश्वत सत्य है कि जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है तो गर्मी अपने चरम पर होती है। यह कहावत नौतपा के गर्मी के प्रभाव और उसके मानसून पर पड़ने वाले प्रभाव के बीच सीधे संबंध को रेखांकित करती है। देश का किसान इस कहावत पर विश्वास करता है। उसका दृढ़ विश्वास होता है कि नौतपा के दौरान अगर अच्छी गर्मी हो तो मानसून के दौरान अच्छी बारिश होगी।

नौतपा पर एक अन्य मारवाड़ी कहावत है, "दोए मूसा, दोए कातरा, दोए तिड्डी, दोए ताव। दोयां रा बादी जल हरै, दोए बिसर, दोए बाव।" अर्थात पहले दो दिन लू न चले तो चूहे अधिक होंगे। दूसरे दो दिन हवा न चले तो कातरे (फसलों को नष्ट करने वाले कीट) बहुत होंगे। तीसरे दो दिन हवा न चले तो टिड्डी दल के आने की आशंका रहती है। चौथे दिन हवा न चलने पर बुखार आदि रोगों का प्रकोप बढ़ जाता है। पांचवें दो दिन हवा न चलने पर अल्प वर्षा होती है। छठे दो दिन लू न चले तो जहरीले जीव-जन्तुओं (सांप-बिच्छू आदि) की बहुतायत हो जाती है। सातवें दो दिन हवा न चले तो आंधी चलने की आशंका रहती। सरल अर्थ में सार यह है कि अधिक गर्मी पड़ने से चूहों, कीटों व अन्य जहरीले जीव-जन्तुओं के अंडे समाप्त हो जाते हैं, क्योंकि यह उनका प्रजनन काल होता है।

इस समय लगभग सारा देश गर्मी से झुलस रहा है। कुछ राज्य बरसात होने से राहत महसूस कर रहे हैं। झुलसाती गर्मी रात को भी पीछा नहीं छोड़ रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग के आज सुबह के पूवार्नुमान ने तो डरा ही दिया है। इसमें साफ कहा गया है कि अगले चार दिन तक उत्तर-पश्चिम भारत में बढ़ते अधिकतम तापमान से कोई राहत मिलने के आसार नहीं हैं। हालांकि उसके बाद धीरे-धीरे दो से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने से गर्मी से राहत मिल सकती है। इसके अलावा अगले दो से तीन दिन के दौरान मध्य और पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है।

इस समय देश की राजधानी दिल्ली भी भीषण गर्मी से कराह रही है। 10 जून को तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। आज अधिकतम तापमान के 44 से 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का पूवार्नुमान लगाया है। नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद जैसे पड़ोसी शहर भी गर्मी के प्रकोप से अछूते नहीं हैं। कल यानी 10 जून को तो पंजाब के भटिंडा में अधिकतम तापमान 47.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इसके उलट महाराष्ट्र के नांदेड़ में न्यूनतम तापमान 19.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 16 जून तक पश्चिमी राजस्थान के कई इलाकों में गर्म हवाएं चलने का पूवार्नुमान जारी किया है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश भी तप रहा है। पंजाब, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तरी मध्य प्रदेश को 12 जून को भी झुलसाने वाली हवा से छुटकारा मिलने के आसार नहीं हैं। पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा, पंजाब और हरियाणा में सूरज आग उगल रहा है। वैज्ञानिकों को मौसम में बदलाव 16 जून से शुरू होने की उम्मीद है। मगर कुछ जगह इससे पहले ही कुछ राहत मिल सकती है। मसलन उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में 12 जून से ही गरज के साथ बादल जमकर बरस सकते हैं।

हालांकि देश के अलग-अलग हिस्सों में जारी चक्रवाती प्रसार व हवाओं के ट्रफ से आंध्र प्रदेश, तटीय कर्नाटक, आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश होने की आशंका जताई गई है। इन सभी राज्यों में 64.5 से 115.5 मिलीमीटर तक बारिश हो सकती है।

असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के साथ भारी बारिश के बीच आसमानी बिजली गिरने के आसार हैं। पूर्वोत्तर भारत के इन राज्यों में भी 64.5 से 115.5 मिलीमीटर तक पानी बरस सकता है। बिहार, छत्तीसगढ़ और विदर्भ के अलग-अलग हिस्सों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तूफानी हवा चलने के आसार हैं। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, 14 जून के आसपास मध्य और आसपास के पूर्वी भारत के कुछ और हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बताई जा रही हैं।

धर्म का एक दशक: मोदी युग में सांस्कृतिक पुनर्जागरण

जनवरी 2024 में, जब पावन नगरी अयोध्या में सूर्योदय हुआ। सदियों से लुप्त हो चुकी प्रार्थना अब आखिरकार गुंजायमान होने लगी थी। श्रीराम की अपने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महज एक धार्मिक उपलब्धि नहीं थी। यह सभ्यता के उद्धार का क्षण था। सदियों के आक्रमण, औपनिवेशिक विकृति और राजनीतिक देरी के बाद, मंत्रों से गूंजता हुआ और इतिहास के स्पंदन सहित, बलुआ पत्थर में उकेरा गया यह मंदिर शान से खड़ा था। यह सिर्फ वास्तुकला के बारे में नहीं था, यह एक घायल आत्मा के उपचार के बारे में था। श्री राम की अपनी जन्मभूमि पर वापसी ने उस राष्ट्र की आस्था को फिर से जागृत कर दिया, जिसने लंबे समय तक अपने दिल में निर्वासन की खामोशी को समेटे रखा था।

कुछ महीने पहले, भारत की प्राचीन आस्था का एक और प्रतीक चुपचाप अपने सही स्थान पर लौट आया। नई संसद के उद्घाटन के दौरान, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेंगोल को स्थापित किया। यह एक पवित्र राजदंड है, जिसे 1947 में तमिल अधीनमों ने सत्ता के धार्मिक हस्तांतरण को चिह्नित करने के लिए जवाहरलाल नेहरू को भेंट किया था। दशकों से, इसे भुला दिया गया था, समुचित स्थान से वंचित किया गया, और एक प्रचलित राजदंड के तौर पर खारिज कर दिया गया था। इसकी स्थापना केवल स्मरण का कार्य नहीं था - यह एक शक्तिशाली घोषणा थी कि भारत अब खुद को उधार की आंखों से नहीं देखेगा। सेंगोल ने साम्राज्य के अवशेषों का नहीं, बल्कि धार्मिकता पर आधारित शासन का प्रतिनिधित्व किया। यह भारत की अपनी राज्य कला और आध्यात्मिक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण आलिंगन था, जिसे उपनिवेशवाद के बाद के क्रम में लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया था। इतना ही नहीं, इन क्षणों ने एक गहरे सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संकेत दिया। यह एक सभ्यतागत गतिविधि के तौर पर ग्यारह परिवर्तनकारी वर्षों में सामने आएगी। 2014 में शुरू से ही यह स्पष्ट था कि मोदी सरकार के तहत संस्कृति अब सजावटी नहीं रहेगी, बल्कि यह मूलभूत होगी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पहली बार 2015 में मनाया गया था। अब दुनिया भर में लाखों लोगों को एक प्राचीन भारतीय परंपरा का जश्न मनाते देखा जा रहा है, जो शरीर, मन और आत्मा को आपस में जोड़ता है। योग केवल एक स्वास्थ्य संबंधी दिनचर्या भर नहीं है, बल्कि यह पिछले कुछ वर्षों में भारत का सबसे बड़ा सांस्कृतिक निर्यात भी बन गया है।

आयुष मंत्रालय के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के पुनरुद्धार को संस्थागत बल दिया गया। इसके परिणामस्वरूप आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी को राष्ट्रीय और वैश्विक मंचों पर पहुंचने में मदद मिली। समानांतर रूप से, सरकार ने संस्कृत, तमिल, पाली और प्राकृत जैसी शास्त्रीय भाषाओं को संरक्षित करने, पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और उस्ताद एवं हमारी धरोहर जैसी योजनाओं के तहत लुप्तप्राय लोक कलाओं और शिल्पों का समर्थन करने के लिए मिशन शुरू किए।

भारत की ऐतिहासिकों इमारतों में भी नई जान आ गई। 2018 में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का अनावरण केवल व्यापकता के बारे में नहीं था, बल्कि एक गाथा को पुनः प्रतिष्ठित करने जैसा था। सरदार वल्लभभाई पटेल लंबे समय से ओझल हो रहे थे। उनको राष्ट्रीय स्मृति में सबसे आगे रखा गया। राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ करना एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक था। यह औपनिवेशिक प्रतीकवाद से देशी जवाबदेही की ओर बदलाव का भी प्रतीक था। तमिलनाडु के महाबलीपुरम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच 2019 की अनौपचारिक शिखर वार्ता की तुलना में शायद कोई भी कूटनीतिक वार्ता इस बदलाव को बेहतर तरीके से नहीं दशार्ती है। दिल्ली के गलियारों से दूर, प्राचीन बंदरगाह का नगर, जो कभी पल्लव राजवंश और भारत-चीनी समुद्री संबंधों का एक संपन्न केंद्र होने के साथ-साथ दो सभ्यताओं के बीच वार्ता की पृष्ठभूमि बन गया। जब नेता चट्टानों को काटकर बनाए गए मंदिरों और पत्थर के रथों के बीच चले, तो भारत ने न केवल भूगोल, बल्कि इतिहास और न केवल प्रोटोकॉल, बल्कि विरासत को भी प्रस्तुत किया। यह अपने सबसे सूक्ष्म और सबसे मजबूत रूप में सॉफ्ट पावर था।

गजेन्द्र सिंह शेखावत (हि.स.)

यह सांस्कृतिक लोकाचार अन्य तरीकों से भी भारत की वैश्विक कूटनीति में प्रवाहित हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व के नेताओं को राजकीय उपहार के तौर पर पट्टचित्र पेंटिंग से लेकर बच्चों के लिए लाख के खिलौने भेंट किए गए, जो अपने साथ भारत के कारीगरों और कालातीत परंपराओं के संदेश लेकर गए।

2023 में जी-20 की अध्यक्षता एक और सांस्कृतिक उपलब्धि साबित हुई। दिल्ली के डिप्लोमेटिक हॉल तक सीमित न रहकर, यह शिखर सम्मेलन सांस्कृतिक पहचान का अखिल भारतीय उत्सव बन गया। आदिवासी कला प्रदर्शनों से लेकर शास्त्रीय प्रदर्शनों तक, भारत ने न केवल अपनी नीतिगत गहराई, बल्कि अपनी आत्मा का भी प्रदर्शन किया। हर प्रतिनिधिमंडल भारत के रंगों, व्यंजनों, शिल्प और चेतना में डूबा हुआ था। संदेश स्पष्ट था: भारत भूतकाल की सभ्यता नहीं है - यह जीवंत, सशक्त और आत्मविश्वास से परिपूर्ण वैश्विक सभ्यता है। इन वर्षों के दौरान, 600 से अधिक चोरी की गई कलाकृतियां विदेशी संग्रहालयों और संग्रहकताओं से वापस लाई गईं, जिनमें मूर्तियां, शिलालेख और पांडुलिपियां शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक की वापसी न केवल कला की बल्कि सम्मान की बहाली थी। इसी तरह, गुरु गोविंद सिंह के वीर साहिबजादों की शहादत को याद करने के लिए वीर बाल दिवस की स्थापना की गई, जबकि जनजातीय गौरव दिवस ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को राष्ट्रीय केन्द्र में लाया। महामारी भी सांस्कृतिक लौ को मद्धिम नहीं कर पाई। वर्चुअल कॉन्सर्ट, डिजिटल म्यूजियम टूर और ह्लमन की बातह्व के माध्यम से, प्रधानमंत्री ने सुनिश्चित किया कि कला, कहानियां और सांस्कृतिक गौरव लॉकडाउन के एकांत में भी पुष्पित-पल्लवित होते रहें। ह्लविकास भी, विरासत भीह्व के नारे जैसे अभियान में ये सभी समाहित हो गए। यह एक आह्वान है जो आर्थिक विकास को सांस्कृतिक गौरव के साथ-साथ चलने पर जोर देता है। मोदी सरकार के तहत, यह नारा केवल बयानबाजी नहीं था। इसने एक नई दृष्टि को परिभाषित किया। एक दृष्टि, जिसमें जीडीपी वृद्धि, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और रक्षा आधुनिकीकरण, मंदिर जीर्णोद्धार, आदिवासी गौरव और सभ्यता की गाथा समाहित थे।

भारत आज अपनी पहचान के इर्द-गिर्द नहीं घूमता। बिना किसी पछतावे और आत्मविश्वास से परिपूर्ण होकर यह आगे बढ़ता है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद प्रगति की बाध्यकारी शक्ति के रूप में उभरा है, जिसे कभी प्रतिगामी के रूप में खारिज कर दिया गया था। भाजपा के वैचारिक कम्पास में, संस्कृति केवल एक सहायक भर नहीं है, बल्कि धुरी है। इन ग्यारह सालों में मोदी युग ने केवल सांस्कृतिक नीति को ही ध्यान में नहीं रखा है, बल्कि इसने सांस्कृतिक चेतना को भी जागृत किया है। जो पुनर्स्थापना के तौर पर शुरू हुआ था, वह पुनरुत्थान बन गया। जिन्हें कभी अतीत की स्मृतियों के तौर पर उपेक्षित किया जाता था, वे सभी अब राष्ट्रीय पहचान के केंद्र बन गए हैं। राम मंदिर और सेंगोल हमेशा सांकेतिक प्रतीक बने रहेंगे, लेकिन विरासत की गहराई सामूहिक अहसास में निहित है। भारत का भविष्य तब सबसे उज्ज्वल होगा, जब वह याद रखेगा कि वह कहां से आया है। हम सिर्फ एक लंबा इतिहास वाला देश नहीं हैं, बल्कि हम एक लंबी स्मृति वाली जीवित सभ्यता हैं।

(लेखक, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटनमंत्री हैं।)

जालंधर से लंदन: केजरीवाल और मान ने वैश्विक मैचों के लिए 25,000 रग्बी गेंदों की खेप को दिखाई हरी झंडी

यह पंजाब के लिए गर्व की बात है कि जालंधर में बनी रग्बी गेंदें विश्व कप में इस्तेमाल की जाएंगी: केजरीवाल

संवाददाता
जालंधर

पंजाब के लिए एक गर्व और ऐतिहासिक पल के साक्षी बनते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 2025 के प्रतिष्ठित महिला रग्बी विश्व कप के मैचों के लिए 25,000 रग्बी गेंदों की खेप को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर दोनों नेताओं ने भारत के खेल निर्माण हब जालंधर में मौजूद होने पर बहुत गर्व व्यक्त किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह पंजाब के लिए बहुत गर्व की बात है कि जालंधर-आधारित कंपनी सावी इंटरनेशनल द्वारा बनाई गई रग्बी गेंदों को इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन में इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पंजाब के लिए गर्व की बात है कि जालंधर में बनी रग्बी गेंदें विश्व कप में इस्तेमाल की जाएंगी।

दोनों नेताओं ने आगे कहा कि खेल उद्योग हजारों नौकरियां पैदा करने और पंजाब को विश्व-व्यापी विनिर्माण पावरहाउस के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जालंधर के खेल उद्योग की विश्व-व्यापी साख को उजागर करते हुए, नेताओं ने मेहनती और दूरदर्शी निर्माताओं की सराहना की, जिन्होंने लगातार विश्व स्तरीय उत्पाद बनाए हैं। उन्होंने इस बढ़ते हुए क्षेत्र को मजबूत प्रोत्साहन देने के लिए पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

दोनों नेताओं ने कहा कि पंजाब हमेशा हिम्मती और उद्यमियों की धरती रही है और आज यह उसी भावना के साथ भारत के औद्योगिक पुनरुत्थान का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि राज्य के इतिहास में पहली बार पंजाब की औद्योगिक नीतियां विशेष रूप से उद्योगपतियों के साथ परामर्श कर तैयार की गई हैं, जो वास्तव में सुविधाजनक और व्यवसाय-अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार ने उद्योग की सभी प्रमुख मांगों को कुशलता से पूरा किया है। दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि पंजाब इस समय देश में सबसे अच्छी कानून व्यवस्था की स्थिति पर गर्व करता है, जो औद्योगिक निवेश को और भी आकर्षित कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य ने पहले ही 1.05 लाख करोड़ से अधिक का निवेश प्राप्त कर लिया है, जिसमें लगभग पांच लाख युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने की संभावना है। उन्होंने कहा कि टाटा स्टील और सनातन टेक्सटाइल जैसी प्रमुख कंपनियां पंजाब में निवेश करने के लिए आगे बढ़ रही हैं, राज्य के व्यवसाय-हितैषी माहौल, मजबूत बुनियादी ढांचे, विश्वसनीय बिजली आपूर्ति, कुशल मानव शक्ति और मजबूत औद्योगिक कार्य नैतिकता का पूरा फायदा उठा रही हैं।

सावी इंटरनेशनल के योगदान की सराहना करते हुए नेताओं ने कहा कि कंपनी इस बात का उदाहरण देती है कि कैसे पंजाबी अपनी मेहनत, प्रतिबद्धता और दृष्टि से विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाते रहते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाबी वास्तव में वैश्विक नागरिक हैं, जो अपनी लचीलेपन और उद्यम की भावना के लिए मशहूर हैं। इस शानदार उपलब्धि के लिए उद्योगपतियों को हार्दिक बधाई देते हुए केजरीवाल और मान दोनों ने विश्वास व्यक्त किया कि वे उद्योग के मानक को ऊंचा उठाना जारी रखेंगे। उन्होंने खेल निर्माण क्षेत्र को और भी ऊंचाइयों प्राप्त करने में मदद करने के लिए राज्य सरकार द्वारा पूर्ण समर्थन और सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।

मान सरकार के प्रयासों से पंजाब परिवहन विभाग ने 2022-2025 के दौरान 5375.65 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब की मान सरकार के बेहतर प्रशासन की प्रतिबद्धता के कारण, राज्य के परिवहन विभाग ने 2019-2022 की तुलना में 2022-2025 के दौरान 5375.65 करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया है, जो राज्य सरकार के बेहतर शासन का प्रमाण है।

पंजाब के परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि पंजाब परिवहन विभाग के गैर-वाणिज्यिक विंग, पनबस और रोडवेज, और पेप्सू ने राजस्व संग्रह में काफी वृद्धि दर्ज की है, जो विभाग के वित्तीय प्रदर्शन को बढ़ाने के प्रयासों को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पंजाब परिवहन विभाग राजस्व संग्रह बढ़ाने और जनता के लिए अपनी सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए अपने प्रयास जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

परिवहन मंत्री ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में, परिवहन विभाग के गैर-वाणिज्यिक विंग (एसटीसी) ने 9037.49 करोड़ रुपए का कुल राजस्व अर्जित किया है। उन्होंने बताया कि इसके विपरीत, पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान 2019-2020, 2020-2021 और 2021-2022 के दौरान अर्जित राजस्व

5825.38 करोड़ रुपए था। उन्होंने राज्य सरकार के बेहतर प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि 2022-2023, 2023-2024 और 2024-2025 के दौरान 3212.11 करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व एकत्र किया गया है, जो कि एक रिकॉर्ड है।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि पनबस और पंजाब रोडवेज ने 2019-2022 के 1332.03 करोड़ रुपये के मुकाबले 2022-2025 के तीन वर्षों के दौरान 2323.21 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व एकत्र किया है, जो कि 990.91 करोड़ रुपए रुपये अधिक है।

स भुल्लर ने बताया कि पेप्सू रोडवेज ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ने 2019-2022 तक के 1721.52 करोड़ रुपये के राजस्व के मुकाबले 2022-2025 के दौरान 2894.15 करोड़ रुपए का राजस्व एकत्र किया है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों की तुलना में 2022-2025 का राजस्व 1172.63 करोड़ रुपए अधिक है।

स भुल्लर ने आगे कहा कि परिवहन विभाग ने यह प्रभावशाली वृद्धि विभाग की अपनी राजस्व संग्रह विधियों को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के ईमानदार प्रयासों के कारण पंजाब सर्वांगीण विकास की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार लगातार 3 साल से पंजाब को 'रंगला पंजाब' बनाने की दिशा में काम कर रही है।

पोलिंग स्टाफ की ट्रेनिंग, ईवीएम के उपयोग और ईवीएम वोटिंग पर किए गए मॉक ड्रिल का सफल प्रशिक्षण

संवाददाता
चंडीगढ़

पोलिंग अधिकारियों का सही और पेशेवर प्रशिक्षण चुनावों की तैयारी का एक अभिन्न अंग है। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य पोलिंग कर्मियों को कानून, नियमों और निदेर्शों के अनुसार सख्ती से चुनाव कराने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना है। इस उद्देश्य के लिए प्रशिक्षण के दो चरण छोटे समूहों में आयोजित किए जाते हैं ताकि बातचीत के माध्यम से और संदेह दूर करने के लिए पर्याप्त अवसर मिल सके। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भारतीय चुनाव आयोग के दिशानिदेर्शों के अनुसार ईवीएम के उपयोग के बारे में उनकी भूमिका/कर्तव्यों से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाता है।

पंजाब के मुख्य चुनाव अधिकारी सिबिन सी. ने बताया कि 19 जून 2025 को 64-लुधियाना पश्चिमी के उपचुनाव के लिए मतदान कराने हेतु 194 पोलिंग बूथों पर तैनात किए जाने वाले पोलिंग और प्रेजाइडिंग अधिकारियों का पहला प्रशिक्षण 04 जून 2025 को खालसा कॉलेज फॉर वुमन के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 1552 पोलिंग कर्मियों को सुबह 09:00 बजे और दोपहर 02:00 बजे दो शिफ्टों में प्रशिक्षण दिया गया।

ईवीएम के उपयोग के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में, प्रत्येक प्रेजाइडिंग अधिकारी/पोलिंग अधिकारी द्वारा विभिन्न मशीनों पर एक मॉक ड्रिल की गई। मॉक ड्रिल वोटिंग में 388 प्रेजाइडिंग अधिकारियों ने भाग लिया। मॉक ड्रिल के दौरान, प्रत्येक प्रेजाइडिंग अधिकारी ने डमी उम्मीदवारों के लिए ईवीएम में आधार पर कम से कम 100 वोट बे तरतीब डाले।

नई शुरूआत: बर्लटन पार्क का बदलेगा स्वरूप

मुख्यमंत्री भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल ने 78 करोड़ रुपये के अत्याधुनिक स्पोर्ट्स हब का रखा नींव पत्थर

संवाददाता
जालंधर

पंजाब में खेल बुनियादी ढांचे के नवीनीकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज बर्लटन पार्क को अत्याधुनिक स्पोर्ट्स हब में बदलने संबंधी परियोजना का नींव पत्थर रखा। यह परियोजना 78 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित की जाएगी।

इसे एक ऐतिहासिक पल बताते हुए दोनों नेताओं ने कहा कि ये नई खेल सुविधाएं भारत की खेल राजधानी के रूप में जालंधर को मिले दर्जे को और मजबूत करेंगी। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत, बर्लटन पार्क को एक व्यापक स्पोर्ट्स हब के रूप में विकसित किया जा रहा है जिसमें कई तरह की सुविधाएं शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट के तहत एक अत्याधुनिक क्रिकेट मैदान सहित विभिन्न अन्य स्टेडियम और आधुनिक खेल सुविधाएं तैयार की जाएंगी।

उन्होंने बताया कि दो बहु-उद्देशीय स्टेडियम भी विकसित किए जा रहे हैं जिनमें से एक हैंडबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन और कुश्ती को समर्पित किया गया है और दूसरा वेटलिफ्टिंग, जूडो और कबड्डी के लिए तैयार किया जा रहा है।

दोनों नेताओं ने कहा कि फुटबॉल और हॉकी के लिए अलग स्टेडियम बनाने की भी योजना बनाई गई है और साथ ही योग प्रेमियों के लिए एक समर्पित योग शेड और युवा खिलाड़ियों के लिए एक स्केटिंग रिंक भी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, साइकिलिंग और जॉगिंग ट्रैक बनाए जाएंगे और मौजूदा लॉन टेनिस कोर्टों को आधुनिक बनाया जाएगा।

दोनों नेताओं ने कहा कि स्पोर्ट्स हब के इनडोर स्टेडियम में 500 दर्शकों और आउटडोर में 1,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता होगी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सुविधा में वृद्धि करने के लिए, इस सुविधा में कैफेटेरिया, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स/वेंडिंग जोन, भरोसेमंद बिजली और पानी की आपूर्ति और अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचे जैसी सुविधाएं भी शामिल होंगी। उन्होंने आगे कहा कि निर्बाध बिजली सुनिश्चित करने के लिए कॉम्प्लेक्स को ट्रांसफॉर्मर और डी.जी. सेटों से लैस किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पार्क में एंट्री के लिए तीन मुख्य रास्तों, सुचारू यातायात प्रबंधन के लिए ट्रैफिक लाइटों का प्रावधान किया जाएगा और सड़कों को सुंदर लैंडस्केपिंग के साथ तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस हब में 200 से अधिक चार-पहिया वाहनों और 150 से अधिक दो-पहिया वाहनों के लिए पार्किंग की सुविधा उपलब्ध होगी।

जालंधर की समृद्ध खेल विरासत को उजागर करते हुए दोनों नेताओं ने कहा कि यह शहर को बर्लटन पार्क, सुरजीत हॉकी स्टेडियम और स्पोर्ट्स कॉलेज जैसी संस्थाओं के कारण विश्व स्तर पर जाना जाता है।

उन्होंने कहा कि जालंधर में तैयार की जाने वाली फुटबॉल, रग्बी गेंदें और अन्य उपकरण फीफा विश्व कप और राष्ट्रमंडल खेलों जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों में इस्तेमाल किए जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया भर के शीर्ष क्रिकेट खिलाड़ी जालंधर में बने क्रिकेट बल्लों का उपयोग करते हैं और पंजाब की खेल परंपरा यहीं से शुरू होकर यहीं से नई ऊंचाइयों तक गई है।

दोनों नेताओं ने दोहराया कि पंजाब सरकार खेल क्षेत्र में जालंधर की प्रमुखता को और आगे ले जाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने अंत में कहा कि यह प्रोजेक्ट अगले साल के भीतर मुकम्मल हो जाएगा और जनता को समर्पित कर दिया जाएगा।

पंजाब ने बिना किसी कटौती के 16,711 मेगावाट की चरम बिजली मांग को पूरा किया: हरभजन सिंह ई.टी.ओ.

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने आज, 11 जून 2025 को, राज्य में बिजली की अब तक की सबसे अधिक मांग 16,711 मेगावाट को बिना किसी कटौती के सफलतापूर्वक पूरा किया, जिससे इसके निवासियों को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हुई। यह जानकारी पंजाब के बिजली मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने आज एक प्रेस बयान में दी।

बिजली की मांग के संबंध में राज्य में नया रिकॉर्ड स्थापित: बिजली मंत्री

उन्होंने आगे बताया कि बिजली की मांग का एक नया रिकॉर्ड ठीक कल, 10 जून 2025 को बना था, जब राज्य में 16,192 मेगावाट दर्ज किया गया था, एक रिकॉर्ड जो 24 घंटे से भी कम समय में टूट गया। इससे पहले, बिजली की मांग का रिकॉर्ड 16,058 मेगावाट था, जो 29 जून 2024 को दर्ज किया गया था।

बिजली मंत्री ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पी एस पी सी एल और पी एस टी सी एल के अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्पण की सराहना की, जो राज्य के निवासियों को निरंतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। उन्होंने उन सभी को बधाई दी।

स. हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने यह भी उल्लेख किया कि गर्मी के मौसम और धान की बुवाई की अवधि को देखते हुए, राज्य सरकार ने पहले ही 17,000 मेगावाट बिजली की व्यवस्था कर ली थी। इस सक्रिय योजना ने आज और कल अनुभव की गई चरम बिजली मांग को सुचारू रूप से पूरा करने में सक्षम बनाया।

'युद्ध नशों विरुद्ध' के 102वें दिन पंजाब पुलिस ने 113 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया

संवाददाता
चंडीगढ़

1.5 किलो हेरोइन बरामद
नशा छुड़ाने के प्रयासों के तहत पंजाब पुलिस ने 93 व्यक्तियों को नशा छोड़ने का इलाज लेने के लिए राजी किया

राज्य से नशे के पूर्ण उन्मूलन के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों पर चलाए गए ₹युद्ध नशों विरुद्ध₹ के 102वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 113 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1.5 किलो हेरोइन और 15040 रुपये की ड्रग मनी बरामद की है। इसके साथ ही केवल 102 दिनों के भीतर गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 16,982 हो गई है। यह ऑपरेशन पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव के निदेर्शों पर राज्य के सभी 28 जिलों में एक साथ चलाया गया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस आयुक्तों, उपायुक्तों और एसएसपी को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के आदेश दिए हैं। पंजाब सरकार द्वारा नशे के खिलाफ युद्ध की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में 5 सदस्यीय कैबिनेट उप-समिति भी बनाई गई है।

ऑपरेशन का विवरण देते हुए स्पेशल डीजीपी कानून और व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि 96 राजपत्रित अधिकारियों की निगरानी में 1300 से अधिक पुलिसकर्मियों की भागीदारी वाली 200 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 505 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके चलते राज्य भर में 83 एफआईआर दर्ज की गईं। उन्होंने आगे कहा कि दिन भर चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 525 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की।

स्पेशल डीजीपी ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा राज्य से नशे के उन्मूलन के लिए तीन-तरफा रणनीति - प्रवर्तन, नशामुक्ति और रोकथाम (ईडीपी) - लागू की गई है और पंजाब पुलिस ने इस रणनीति के हिस्से के रूप में 93 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास का इलाज लेने के लिए राजी किया है।

संक्षिप्त-समाचार

अब सेक्टर 7 सोशल में खेलें द ट्रेटर्स

चंडीगढ़। भारत का पसंदीदा कैफे-बार सोशल अब प्राइम वीडियो के साथ मिलकर ला रहा है एक नया और धमाकेदार गेम नाइट एक्सपीरियंस - द ट्रेटर्स थर्सडे। यह साप्ताहिक लाइव-एक्शन गेम नाइट प्राइम वीडियो के चर्चित रियलिटी शो द ट्रेटर्स से प्रेरित है। यह शो इंटरनेशनल लेवल पर लोकप्रिय और अवॉर्ड विनिंग थ्रिलिंग रियलिटी सीरीज का भारतीय संस्करण है, जिसे करण जौहर होस्ट कर रहे हैं। सोशल अपने मेहमानों को इस रोमांचक और दिमागी खेल का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित कर रहा है, जहां खिलाड़ी बनेंगे इनोसेंट्स या ट्रेटर्स और एक शाम भरपूर सस्पेंस, रणनीति और सरप्राइज से भरी होगी। यह ऐसा मनोवैज्ञानिक खेल है, जिसमें भरोसे और धोखे की असली परीक्षा होती है। खिलाड़ियों को दो टीमों में बांटा जाएगा इनोसेंट्स और ट्रेटर्स। जहां ट्रेटर्स गुपचुप तरीके से इनोसेंट्स को खत्म करने की प्लानिंग करेंगे, वहीं इनोसेंट्स का काम होगा इन छिपे ट्रेटर्स को पहचानकर बाहर करना। पूरा गेम रियल टाइम में खेला जाएगा हर पल नए गठजोड़, चौंकाने वाले खुलासे और बदलते समीकरण देखने को मिलेंगे बिल्कुल शो की तरह, बस इस बार आपके सामने, आपके साथ। द ट्रेटर्स थर्सडे हर किसी के लिए है चाहे आप खुद खेल में हिस्सा लें या सिर्फ देख कर मजा उठाएं। इस दौरान रोमांचक मिनी चौलेंजेज, थीम के हिसाब से इंटरैक्शन और एक्सक्लूसिव गिवअेज पूरे माहौल को और खास बना देंगे। सेक्टर 7 सोशल, 12 जून, 19 जून और 26 जून, शाम 5:00 बजे से।

फिनेस डेंटल कॉस्मेटिक लेजर क्लिनिक को उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार मिला

मोहाली। जेएलपीएल, सेक्टर 66-ए, एयरपोर्ट रोड, मोहाली में स्थित फिनेस डेंटल कॉस्मेटिक लेजर क्लिनिक को दंत चिकित्सा में रोगी देखभाल और नवाचार के लिए 'उत्कृष्ट प्रतिबद्धता की श्रेणी में' उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार प्रशंसित अभिनेत्री वामिका गब्बी द्वारा प्रदान किया गया, जो हिंदी और क्षेत्रीय सिनेमा दोनों में अपने अभिनय के लिए जानी जाती हैं, और हाल ही में ओटीटी प्लेटफार्मों और फिल्मों में एक बहुमुखी और गतिशील प्रतिभा के रूप में उभरी हैं। इस सम्मान की अगुआई फिनेस के संस्थापकों में से एक डॉ. हर्षदीप सिंह मुल्तानी ने की। उनके साथ डॉ. हरप्रीत कौर और डॉ. परवान गिल भी मौजूद थे। डॉ. मुल्तानी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, ₹यह पुरस्कार न केवल उपचार प्रदान करने के लिए बल्कि उन्नत, दयालु और व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करने के लिए हमारी पूरी टीम के समर्पण का प्रतिबिंब है। फिनेस में, हम रोगी-केंद्रित सेवा के अपने मूल मूल्यों के प्रति सच्चे रहते हुए लगातार नवाचार करने का प्रयास करते हैं। फिनेस डेंटल कॉस्मेटिक लेजर क्लिनिक की स्थापना दिसंबर 2022 में की गई थी। तब से यह क्लिनिक इस क्षेत्र में व्यापक दंत चिकित्सा देखभाल के लिए एक बेंचमार्क के रूप में उभरा है। चार इन-हाउस विशेषज्ञों और विशेषज्ञ सलाहकारों के एक मजबूत पैनल के साथ, फिनेस कॉस्मेटिक दंत चिकित्सा और लेजर प्रक्रियाओं से लेकर ऑथोर्डोंटिक्स तक सभी विशेषताओं में उन्नत दंत चिकित्सा समाधान प्रदान करता है। यह पुरस्कार आधुनिक दंत चिकित्सा में रोगी देखभाल में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए इसकी निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

पंजाबी फिल्म एंड टीवी एक्टर्स एसोसिएशन ने मोहाली में आफिस का मुहूर्त किया

चंडीगढ़। पंजाबी फिल्म एंड टीवी एक्टर्स एसोसिएशन ने मोहाली के सेक्टर 119 में अपने नये ऑफिस का मुहूर्त किया। इस अवसर पर संगठन की प्रधान पदम श्री प्राप्त अदाकारा निर्मल ऋषि, उप प्रधान बीनू ढिल्लों, सामान्य सचिव बी.एन. शर्मा, मलकीत रौनी आदि कलाकारों ने शमा रौशन करने की रस्म निभाई संस्था की प्रधान निर्मल ऋषि ने बताया कि यह एसोसिएशन सन 2007 से काम कर रही थी और सन 2013 में इस पंजीकृत (रजिस्टर्ड) किया गया। उन्होंने कहा कि शीर्घ ही लघु फिल्मों का एक फेस्टिवल करवाया जायेगा जिसमें उभरते कलाकारों को मौका दिया जायेगा। हिन्दी व पंजाबी फिल्मों के जाने माने कलाकार डा. रणजीत शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि यह संस्था पंजाबी फिल्म एवं टीवी कलाकारों के हित के लिए पूरी शिद्दत से काम करेगी और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करेगी। समय समय पर कलाकारों की जायज मागों को भी पंजाब सरकार के समक्ष उठाया जायेगा। इस मौके पर प्रसिद्ध पंजाबी फिल्म कलाकार जसवंत दमन, डा. रणजीत, भूपिंदर बरनाला, राज धालीवाल, सतवंत कौर, जगतार सिद्धू, शविंदर माहल, दीदार गिल, पूनम सेठ आदि मौजूद थे।

नीरा लूंबा फाउंडेशन ने चंडी कुष्ठ आश्रम को आवश्यक खाद्य सामग्री की वितरित

चंडीगढ़। नीरा लूंबा की 72वीं जयंती के अवसर पर नीरा लूंबा फाउंडेशन ने चंडीगढ़ स्थित चंडी कुष्ठ आश्रम में एक मानवीय भाव से परिपूर्ण खाद्य सामग्री वितरण अभियान चलाया। यह आश्रम 160 से अधिक कुष्ठ प्रभावित व्यक्तियों और परिवारों का आश्रय स्थल है। इस पहल के तहत फाउंडेशन ने चावल और चीनी जैसी आवश्यक खाद्य सामग्री प्रदान की, जो आने वाले कुछ सप्ताहों तक निवासियों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक रहेगी। हालांकि यह अभियान केवल सामग्री वितरण तक सीमित नहीं रहा – इसका मुख्य उद्देश्य मानवीय जुड़ाव को बढ़ावा देना था। फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने निवासियों के साथ समय बिताया, उनकी कहानियाँ सुनीं और एक आत्मीय, गरिमामय वातावरण की अनुभूति कराई। नीरा लूंबा फाउंडेशन की फाउंडर डॉ. अदिति लूंबा ने कहा कि सच्चा परिवर्तन तब शुरू होता है जब हम मुंह मोड़ना बंद कर देते हैं। हमारा उद्देश्य है कि ऐसे खाद्य वितरण अभियान नियमित रूप से आयोजित हों ताकि वे लोग भी सहायता पा सकें जिन्हें अक्सर भुला दिया जाता है। बात केवल देने की नहीं है, बल्कि उस गहराई की है जिससे हम जुड़ते हैं। सुश्री वंदना त्रिपाठी, जो इस अभियान में शामिल रहीं, ने कहा कि आज यहां आना यह याद दिलाने वाला अनुभव था कि सहानुभूति भी एक क्रियाशीलता है। हर बातचीत, हर मुस्कान झ्र ये सब दिल में हमेशा के लिए बस जाते हैं। सुश्री प्रज्ञा ने भी अपनी भावना साझा करते हुए कहा कि हम अक्सर यह कम आँकते हैं कि सिर्फ उपस्थित होना कितना मायने रख सकता है। करुणा के साथ किसी के पास पहुँचना, उन जगहों में रोशनी लाता है जहाँ वर्षों से अंधेरा पसरा होता है।

संबोधन

ज्ञानेश कुमार ने स्टॉकहोम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य भाषण दिया

सीईसी ने दुनिया के सामने भारत की चुनाव प्रक्रिया को प्रस्तुत किया

संवाददाता
चंडीगढ़

भारत की चुनाव प्रक्रिया के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए, भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने कल शाम स्वीडन में स्टॉकहोम अंतर्राष्ट्रीय चुनाव सम्मेलन में अपना मुख्य भाषण दिया। उन्होंने दुनिया भर के देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में भारतीय चुनाव आयोग की भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि पूरी ईमानदारी के साथ चुनाव कराना हमारे राष्ट्रीय संकल्प का प्रमाण है। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस (इंटरनेशनल आईडिया) द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में लगभग 50 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों का प्रतिनिधित्व करने वाले 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

ज्ञानेश कुमार ने प्रतिभागियों को चुनाव आयोग द्वारा किए जाने वाले बड़े पैमाने के चुनाव अभ्यास के बारे में भी जानकारी दी, खासकर संसदीय चुनावों के दौरान, जो राजनीतिक दलों; उम्मीदवारों; सामान्य, पुलिस और व्यय पर्यवेक्षकों और मीडिया की कड़ी निगरानी में संपन्न होते हैं। सीईसी ने भारत में चुनावों के दौरान विभिन्न स्तरों पर समन्वय पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि चुनावों के संचालन के समय पोलिंग स्टाफ, पुलिस बल, पर्यवेक्षकों और राजनीतिक दलों के एजेंटों सहित 20 मिलियन से अधिक कर्मियों के साथ, चुनाव आयोग दुनिया का सबसे बड़ा संगठन है, जो कई राष्ट्रीय सरकारों और प्रमुख वैश्विक निगमों से भी बड़ा है।

भारत का चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करता है कि भारत के लगभग एक अरब मतदाता स्वतंत्र रूप से अपने वोट का उपयोग करने में सक्षम हों।

इसके अलावा, इस वैश्विक मंच पर बोलते हुए, ज्ञानेश कुमार ने दशकों में भारतीय चुनावों के विकास के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि 1951-52 में 173 मिलियन मतदाताओं से 2024 में 979 मिलियन, और शुरूआती वर्षों में केवल 0.2 मिलियन मतदान केंद्रों से आज 1.05 मिलियन से अधिक, भारत की चुनावी यात्रा ने संस्थागत दूरदर्शिता और अद्वितीय पैमाने दोनों का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि 2024 के आम चुनावों में 743 राजनीतिक दलों की भागीदारी देखी गई, जिसमें छह राष्ट्रीय दल, 67 राज्य दल और अन्य पंजीकृत राजनीतिक दल शामिल थे। कुल 20,271 उम्मीदवारों ने 6.2 मिलियन इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) का उपयोग करके देश भर में हुए चुनाव लड़े, जो आयोग की समावेशी, कुशल और सुरक्षित चुनाव कराने की क्षमता की पुष्टि करती है।

ज्ञानेश कुमार ने 1960 से लेकर आज तक चुनावों से पहले और संशोधन के दौरान हर साल सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ भारत की मतदाता सूची के कानूनी वितरण पर जोर दिया, जिसमें दावों, आपत्तियों और अपीलों का प्रावधान दुनिया के सबसे कड़े और पारदर्शी अभ्यासों में से एक है, जो चुनाव प्रक्रिया की शुद्धता और अखंडता को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि यह मजबूत तंत्र साल दर साल देश भर में चुनावी विश्वसनीयता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने आगे कहा कि चुनाव प्रक्रिया पहली बार आने वाले मतदाताओं,। 85+ वर्ष की आयु के बुजुर्ग नागरिकों, विशेष योग्यताओं वाले व्यक्तियों, तीसरे लिंग के मतदाताओं और सबसे दूरस्थ क्षेत्रों के मतदाताओं को समान देखभाल और प्रतिबद्धता के साथ सेवा प्रदान करती है। एक मतदाता वाले पोलिंग बूथों से लेकर हिमाचल प्रदेश में ताशीगांग जैसे सबसे ऊंचाई वाले स्टेशनों तक, किसी भी मतदाता को पीछे न छोड़ने की भारत की प्रतिबद्धता को एक लॉजिस्टिकल चुनौती के बजाय एक संवैधानिक सिद्धांत के रूप में दोहराया गया है।

संतों ने समाज को दिखाई वो राह, जो कैराना व कांधला जैसी घटना नहीं होने देती: मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री ने संत रविदास की बातों को अक्षरशः लागू किया

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ/मुजफ्फरनगर

मुख्यमंत्री योगी ने मुजफ्फरनगर में विशाल संत समागम और सत्संग कार्यक्रम में किया सहभाग

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संतों ने समाज को एकता और जोड़ने की राह दिखाई। वह राह, जो कैराना व कांधला की घटना नहीं होने देती। यह वही राह है, जो हमें सुरक्षा व संरक्षण की गारंटी देती है और उत्थान का मार्ग प्रशस्त करती है। साथ ही सम-विषम परिस्थितियों में लड़ने की प्रेरणा देती है। स्वामी ज्ञान भिक्षुक दास महाराज दिव्य संत थे। उन्होंने शुकतीर्थ में सतगुरु रविदास महाराज की प्रेरणा को आगे बढ़ाने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को शुकतीर्थ मुजफ्फरनगर में विशाल संत समागम और सत्संग कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम संत स्वामी ज्ञान भिक्षुक दास महाराज की 65वीं पुण्यतिथि एवं सतगुरु समनदास महाराज की पुण्य स्मृति में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मध्यकाल में जब देश गुलामी की बेड़ियों से जकड़ा हुआ था, विदेशी आक्रांता भारत की धर्म और संस्कृति को रौंद रहे थे। उस समय ज्योति के पुंज के रूप में काशी के सीरगोवर्धन में सतगुरु रविदास महाराज का अविर्भाव होता है। उन्होंने कर्मसाधना के माध्यम से जो प्रेरणा दी, वह आज भी देश व हर श्रद्धालु के लिए मार्गदर्शक के रूप में काम करती है।

पवित्रता व निर्मलता का प्रतीक है रविदास महाराज का कथनसतगुरु रविदास महाराज ने सामाजिक आडंबर व कुरीतियों के खिलाफ समाज को जागरूक किया। कर्म पर विश्वास करने की प्रेरणा दी। आध्यात्मिक चेतना का जागरण किया। उन्होंने कहा कि मन चंगा तो कठौती में गंगा.. सतगुरु रविदास का कथन जीवन में आंतरिक पवित्रता और निर्मलता का प्रतीक है। उन्होंने समाज को सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की नई प्रेरणा दी। संत रविदास महाराज के गुरु संत रामानंद महाराज ने कहा था कि जाति-पाति पूछे नहीं कोई, हरि को भजे सो हरि का होई...।

फोटोः हि.स.

प्रधानमंत्री ने संत रविदास की बातों को अक्षरशः लागू किया। मुख्यमंत्री ने संत रविदास के कथन की चर्चा करते हुए कहा कि उनकी वाणी अत्यंत दिव्य थी। रविदास ने कहा था, मैं तब प्रसन्न रहूंगा, जब बिना भेदभाव सबको समान अधिकार व अन्न मिलेगा। संत रविदास की इन बातों को प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना के माध्यम से इसे अक्षरशः लागू किया। कोरोना जैसी महामारी काल से अब तक 81 करोड़ लोगों को अन्न वितरण कराया जा रहा है और यही संतों की प्रेरणा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रविदास महाराज की पावन जन्मभूमि सीरगोवर्धन की सड़कें 2014 के पहले सिंगल लेन की थीं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से उसे फोरलेन से जोड़ दिया गया। आश्रम को भव्य रूप दे दिया गया है। गुरु रविदास की भव्य प्रतिमा व अन्न क्षेत्र का निर्माण किया गया। सैकड़ों बीघा जमीन को खरीदकर सतगुरु रविदास महाराज के नाम पर पार्क व प्रतिमा की स्थापना हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शुकतीर्थ पौराणिक तीर्थ है। यह भागवतभूमि है। पांच हजार वर्ष पहले शुकदेव महाराज ने राजा परीक्षित को भागवत की पहली कथा इस धाम पर सुनाकर भक्ति, ज्ञान, मुक्ति के महत्व की प्रेरणा बताई थी। मां गंगा भारत के सनातन धर्म परंपरा की अविरल धारा है, जो सम-विषम परिस्थितियों में उद्धार का मार्ग प्रशस्त करती है। दुनिया का कोई मत, मजहब और संप्रदाय बताए कि पांच हजार वर्ष का इतिहास कितने लोगों का है। यह दावा केवल आप कर सकते हैं।

मध्य प्रदेश में स्थापित किए जाएंगे नए वन्य प्राणी रेस्क्यू सेंटर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश देश का सर्वाधिक वन क्षेत्र और वन्यजीवों की विविधता से संपन्न राज्य है। भारत में सबसे अधिक बाघ (टाइगर) मध्य प्रदेश की धरती पर देखने को मिलते हैं। तेंदुआ (लेपर्ड) और गिद्ध (वल्चर) की संख्या भी मध्य प्रदेश में सबसे अधिक है। प्रदेश के अलग-अलग वन क्षेत्रों में मगरमच्छ और घड़ियालों का बसेरा है। प्रदेश में वन्य जीव संरक्षण, जंगलों की रक्षा और पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्जीवित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में वन्य प्राणी संरक्षण सहित सभी क्षेत्रों में तेज गति के साथ अग्रसर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नए वन्य प्राणी रेस्क्यू सेंटर स्थापित किये जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को गुजरात रवाना होने के पहले मीडिया में जारी एक संदेश में कहा कि अब वन्यजीव प्रेमियों के लिए मध्य प्रदेश में किंग कोबरा भी लेकर आए हैं। चीतों को पालपुर कूनो राष्ट्रीय उद्यान से गांधी सागर वन क्षेत्र में छोड़कर एक नया नेशनल पार्क विकसित किया जा रहा है। प्रदेश में अब तक दो नए टाइगर नेशनल पार्क बनने और चीतों के साथ-साथ दूसरे वन्य जीवों की संख्या बढ़ने से संभाग स्तर पर रेस्क्यू सेंटर की आवश्यकता महसूस हो रही है। इन सेंटर्स की स्थापना के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

मध्य प्रदेश में जू. की संख्या बढ़ेगी

राज्य सरकार प्रदेश में चिड़ियाघरों अर्थात प्राणी उद्यान (जू.) की संख्या में भी वृद्धि करने जा रही है। बजट में दो प्राणी उद्यान की स्थापना को स्वीकृति दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुजरात में देश का सर्वश्रेष्ठ जू. एवं रेस्क्यू सेंटर है। उन्होंने बताया कि वे गुजरात की अध्ययन यात्रा में जामनगर में वन्यजीवों की देखरेख के लिए की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे साथ ही वन्यजीवों का आदान-प्रदान कर उनके जीवन रक्षा की संभावनाएं भी तलाशेंगे।

वन्यजीवों के प्रति संवेदनशील

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश के कई विश्वविद्यालयों से संबद्ध कॉलेजों में वेटनरी कोर्स और वेटनरी अस्पताल शुरू कर पशु चिकित्सकों की संख्या बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। निकट भविष्य में इससे संबंधित कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। वन संपदा और वन्यजीवों के संरक्षण का भी व्यापक अभियान प्रदेश में चल रहा है। उन्होंने प्रदेशवासियों का आह्वान किया है कि अगर किसी वन्यजीव के संकट में होने की जानकारी मिले या दिखाई दे तो नजदीकी फॉरेस्ट ऑफिसर को सूचित करें। प्रदेश सरकार अपने नागरिकों की चिंता करने के साथ-साथ वन्यजीवों को संरक्षण प्रदान करने के लिए भी संवेदनशील है।

पाकिस्तान रेल सेवाओं का रूस तक विस्तार करेगा, 22 से शुरू होगा काम

एजेंसी (हि.स.)
इस्लामाबाद

फोटोः हि.स.

पाकिस्तान के रेलमंत्री हनीफ अब्बासी ने कहा है कि पाकिस्तान अपनी रेल सेवाओं का रूस तक विस्तार करने जा रहा है। इस पर 22 जून से काम शुरू हो जाएगा। उन्होंने पत्रकारों को यह जानकारी मंगलवार को पंजाब प्रांत के मुल्तान रेलवे के डिवीजनल सुपरिटेंडेंट के कार्यालय में आहूत प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

द नेशन अखबार की खबर के अनुसार, अब्बासी ने कहा कि यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए 2027 तक रेलवे के बेड़े में करीब 200 गाड़ियां शामिल की जाएंगी। रेलवे का तेजी से डिजिटलीकरण किया जा रहा है। इस संबंध में पंजाब सूचना प्रौद्योगिकी बोर्ड के साथ करार हो चुका है।

उन्होंने कहा कि जल्द ही देश की सभी ट्रेनों में मुफ्त वाईफाई सेवा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि ट्रेनों को समय पर चलाने के लिए यथासंभव प्रयास किए जा रहे हैं। रेलमंत्री ने साफ किया कि रेलवे रणनीतिक संपत्ति है। इसलिए उसे पूरी तरह आउटसोर्स नहीं किया जा सकता। रेलवे ने 31 मई तक अपने इतिहास में सबसे अधिक राजस्व अर्जित किया है। उम्मीद है कि यह 30 जून तक नई ऊंचाइयों को छू लेगा।

रेलमंत्री ने कहा कि वर्तमान में 11 ट्रेनों को आउटसोर्स किया जा रहा है। 155 रेलवे स्टेशनों को अपग्रेड किया गया है। रेलवे के आठ अस्पतालों और 14 स्कूलों को भी आउटसोर्स किया जा रहा है। स्टेशनों और ट्रेनों के अंदर खाद्य पदार्थों के गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने किया खटरा सत्र का दौरा, कीर्तन घर निर्माण और एक हजार बीघा भूमि देने की घोषणा

दरंग (असम)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा बुधवार को दरंग ज़िले के ऐतिहासिक खटरा सत्र पहुंचे। उनकी अगवानी पारंपरिक गायन-बादन से की गई। पंचायत चुनावों से पहले किए गए वादे के अनुसार मुख्यमंत्री ने आज सत्र में पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि खटरा सत्र के कीर्तन घर का पुनर्निर्माण किया जाएगा और सत्र की आर्थिक मजबूती के लिए राज्य सरकार द्वारा एक हजार बीघा कृषि भूमि प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान दरंग की कई लोक सांस्कृतिक झलकियां भी मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की गईं। बाद में सत्र प्रबंधन समिति के अधिकारियों के साथ बैठक कर मुख्यमंत्री ने कीर्तन घर और मणिकूट के नए स्वरूप पर चर्चा की। साथ ही राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठ और एनआरसी प्रक्रिया को लेकर भी उन्होंने कुछ अहम टिप्पणियां कीं। अपने इस यात्रा क्रम में मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक पथरूघाट के शहीद वेदी पर जाकर 140 स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

सिकल सेल मिशन के कार्य मानवता की सेवा का माध्यम : राज्यपाल पटेल

राज्यपाल ने की सिकल सेल समीक्षा, कहा- लक्ष्य को समय सीमा से पहले पूरा करने का भाव जरूरी

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

फोटोः हि.स.

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि वर्ष 2047 तक सिकल सेल उन्मूलन के लिए संवेदनशीलता, सहानुभूति के साथ रोग उन्मूलन की प्रतिबद्धता जरूरी है। कार्य का भाव लक्ष्य को समय सीमा से पूर्व पूरा करने का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिकल सेल मिशन के कार्य मानवता की सेवा के माध्यम है। ईश्वरीय कृपा के भागी होने का यह बड़ा अवसर है।

राज्यपाल पटेल बुधवार को राजभवन में सिकल सेल मिशन के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने बैठक में स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग के द्वारा सिकल सेल उपचार, प्रबंधन और नियंत्रण प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। बैठक में बताया गया कि मिशन के अंतर्गत 19 जून से 3 जुलाई तक समस्त ग्राम पंचायतों, एकलव्य आवासीय स्कूलों एवं छात्रावासों में मेगा शिविर आयोजित होंगे। अधिक से अधिक स्क्रीनिंग जांच की जाएगी। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से लेकर जिला चिकित्सालयों में पीओसी किट के द्वारा स्क्रीनिंग की जाएगी। प्रतिदिन स्क्रीनिंग जांच का डेटा पोर्टल में दर्ज होगा। जेनेटिक काउंसलिंग की जाएगी। जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड प्रदान किए जाएंगे। ब्लॉक स्तर एवं जिला स्तर पर चिह्नित सिकल सेल रोगियों के लिए शिविर लगेंगे। उन्हें विशेषज्ञों की परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। सिकल सेल रोगियों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं यू.डी.आई.डी. कार्ड प्रदान कर पेंशन की सुविधा प्रदान की जाएगी।

आयुष विभाग द्वारा बताया गया कि विश्व सिकल सेल दिवस के तारतम्य में जनजातीय बहुल 20 जिलों में संचालित 78 आयुष औषधालयों में शिविर का आयोजन किया जाएगा। सिकल सेल उपचार में सहायक आयुर्वेद दवाओं की किट का वितरण होगा।

संक्षिप्त-समाचार

हमास को फंडिंग के आरोप में अमेरिका ने कथित 'फर्जी' फिलीस्तीनी चैरिटियों पर लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन। अमेरिका ने मंगलवार को एक बड़ा कदम उठाते हुए मध्य पूर्व, अफ्रीका और यूरोप में फैले पांच लोगों और पांच संस्थाओं पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने इन पर हमास के सैन्य विंग को आर्थिक मदद पहुंचाने का आरोप लगाया है। इन संस्थाओं पर यह भी आरोप है कि वे गाजा पट्टी और अन्य क्षेत्रों में मानवीय कार्यों की आड़ में आतंकी फंडिंग कर रहे थे। इसके अलावा अमेरिका ने एक और संस्था पर भी कार्रवाई की है, जो फिलिस्तीनी संगठन 'पॉपुलर फ्रंट फॉर द लिबरेशन ऑफ फिलिस्तीन' (पीएफएलपी) से जुड़ी बताई जा रही है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की 2024 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आतंकी वित्तपोषण के लिए अब ऑनलाइन क्राउड फंडिंग का सहारा लिया जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चूंकि अधिकांश ऑनलाइन फंडिंग वैध सामाजिक कार्यों के लिए होती है, इसलिए आतंकी फंडिंग की पहचान करना मुश्किल हो जाता है। यही कारण है कि सुरक्षा एजेंसियों को जांच में अधिक जटिलता का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि ये प्रतिबंध इस बात का स्पष्ट संदेश है कि अमेरिका आतंकवाद के लिए आर्थिक सहायता के किसी भी रास्ते को बर्दाश्त नहीं करेगा, चाहे वह मानवीय सेवा की आड़ में ही क्यों न हो।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो तख्तापलट साजिश मामले में सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए

रियो डी जनेरियो। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जैर बोल्सोनारो मंगलवार को देश की सर्वोच्च अदालत के समक्ष एक कथित तख्तापलट योजना में पहली बार गवाही देने के लिए पेश हुए। यह मामला वर्ष 2022 के राष्ट्रपति चुनाव परिणाम को पलटने और सत्ता में बने रहने की कथित साजिश से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट की एक विशेष पीठ इस बहुचर्चित मामले की सुनवाई कर रही है, जिसमें बोल्सोनारो सहित उनके सात प्रमुख सहयोगियों पर पांच गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोपों में तख्तापलट की कोशिश, सशस्त्र आपराधिक संगठन में संलिप्तता, लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था को बलपूर्वक समाप्त करने का प्रयास, राष्ट्रीय धरोहर को नुकसान पहुंचाना और उसकी क्षति करना शामिल है। अगर बोलसोनारो पर तख्तापलट का आरोप सिद्ध होता है, तो उन्हें 12 साल तक की जेल की सजा हो सकती है, और अन्य आरोपों के साथ कुल सजा कई दशकों तक बढ़ सकती है। पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो ने सभी आरोपों से इनकार करते हुए इसे राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया है। उनके साथ पूर्व रक्षा मंत्री और उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार वॉल्टर ब्रागा नेटो, पूर्व मंत्री एंडरसन टोरेस, ऑगस्टो हेलेनो और पूर्व सहयोगी मौरो सिड जैसे प्रमुख नाम भी इस मामले में आरोपित हैं। हालांकि बोल्सोनारो के पूर्व सहयोगी मौरो सिड ने पुलिस से गोपनीय समझौता (प्ली बार्गेन) किया है और अदालत में गवाही देते हुए बताया कि बोल्सोनारो ने उस दस्तावेज को पढ़ा और संपादित किया था, जिसमें चुनाव परिणाम को अमान्य करने की योजना थी। सिड ने यह भी दावा किया कि बोल्सोनारो ने अपने समर्थकों द्वारा सेना मुख्यालयों के बाहर लगाए गए शिविरों में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था। यही समर्थक बाद में 08 जनवरी 2023 को ब्रासीलिया में हुई हिंसा में शामिल पाए गए, जब सुप्रीम कोर्ट, संसद और राष्ट्रपति भवन पर हमला किया गया। ब्राजील के अटॉर्नी जनरल पाउलो गोनेट ने अदालत में दावा किया कि यह दंगा उस बड़े षड्यंत्र का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य चुनाव परिणाम को पलटना था। उन्होंने आरोप लगाया कि इसमें राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोराइस की हत्या की भी योजना थी, जो अंतिम क्षणों में इसलिए टल गई क्योंकि सेना प्रमुख ने इसमें सहयोग नहीं किया।

बांग्लादेश के 369 जायरीन पहली वापसी हज उड़ान से स्वदेश लौटे

ढाका। सऊदी अरब से हज वापसी उड़ानों का आगमन शुरू हो गया। 369 बांग्लादेश के यात्रियों को लेकर पहली वापसी हज उड़ान कल सुबह 10:54 बजे राजधानी ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची। हवाई अड्डा प्राधिकारियों ने बयान जारी कर यह जानकारी दी। द डेली स्टार की खबर के अनुसार, हवाई अड्डा प्राधिकारियों ने कहा कि सऊदी अरब का विमान एसवी-3803 इन्हें लेकर पहुंचा। स्वदेश लौटे जायरीनों का बोर्डिंग गेट पर फूलों से स्वागत किया गया। बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस के बूथ पर उन्हें जमजम पानी की बोतलें दी गईं। बांग्लादेश के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के अध्यक्ष एयर वाइस मार्शल मोहम्मद मोनजुर कबीर भुइयां व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहे। बांग्लादेश धार्मिक मामलों के मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार, कल 12 उड़ानों से 4,904 तीर्थयात्री वापस लौटने वाले थे। मगर कल एक ही विमान आ सका। हज उड़ानों का वापसी चरण 10 जुलाई तक जारी रहेगा। इस साल बांग्लादेश के कुल 86,958 जायरीनों ने हज किया। कुल 222 उड़ानें सऊदी अरब से तीर्थयात्रियों को बांग्लादेश वापस लाएंगी।

सड़क दुर्घटना में शादी कर लौट रहे दूल्हा समेत तीन की मौत, दुल्हन सहित चार गंभीर

जैसलमेर। जिले के बासनपीर गांव के पास मंगलवार की देर रात शादी के बाद दूल्हा व दुल्हन को लेकर लौट रही एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। अज्ञात वाहन की टक्कर से कार सवार दूल्हा समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दुल्हन सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस ने घायलों को जवाहिर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन गंभीर स्थिति को देखते हुए चारों को जोधपुर रेफर कर दिया गया। बताया गया कि मंगलवार को पोकरण में लीलाराम और बसंती की शादी हुई थी। दोनों की यह दूसरी शादी थी। शादी के बाद रात में सभी परिजन कार से जैसलमेर लौट रहे थे। कार दूल्हन का रिश्तेदार पुखराज चला रहा था। कार में दूल्हा लीलाराम की बहन भी सवार थी। जिले के बासनपीर गांव के पास उनकी कार को एक तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार हादसे में दूल्हा लीलाराम (45) पुत्र गुमानाराम ओड, उसकी बहन मूली देवी (35) पत्नी बाबूराम ओड और नौ महीने का हितेश पुत्र अशोक कुमार ओड की मौत हो गई।

अमेरिका में प्रोटेस्टेंटवादियों का एसबीसी में समलैंगिक विवाह के खिलाफ मतदान

एजेंसी (हि.स.)
डलास (टेक्सास)

फोटोः हि.स.

दक्षिणी बैपटिस्ट कन्वेंशन (एसबीसी) ने मंगलवार को यहां अपनी सालाना बैठक में सुप्रीम कोर्ट के 10 वर्ष पुराने समलैंगिक विवाह को वैध बनाने वाले ऐतिहासिक फैसले के विरोध में पारित प्रस्ताव के समर्थन में भारी मतदान किया। प्रस्ताव में मांग की गई है कि ओबगेर्फेल बनाम होजेस मामले को पलटने का समय आ गया है। दक्षिणी बैपटिस्ट संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे बड़ा प्रोटेस्टेंट संप्रदाय है।

यूएस टुडे अखबार की खबर के अनुसार, डलास में 10 जून को दक्षिणी बैपटिस्ट कन्वेंशन की बैठक में किया गया मतदान ओबगेर्फेल बनाम होजेस मामले को पलटने की दिशा में किए जा रहे अब तक के प्रयासों का बड़ा अभियान है। इससे समलैंगिक विवाह के खिलाफ मजबूत समर्थन जुटाया जा सकता है। पिछले साल भी वार्षिक बैठक में प्रस्ताव पारित कर इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) के उपयोग की निंदा की गई थी।

इस साल के प्रस्ताव में जिक्र किया गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरा कार्यकाल शुरू करते ही एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। यह आईवीएफ के बढ़ते प्रचलन को हतोत्साहित करता है। प्रस्ताव में जोर देकर विवाह को सिर्फ एक पुरुष और एक महिला के बीच परिभाषित किया गया है। इसकी व्याख्या में कहा गया है कि परिवार प्रजनन के लिए बनाए गए हैं और मानव जीवन 'गभार्धान से लेकर प्राकृतिक मृत्यु तक' पवित्र है। यह वैवाहिक बंधन ईसाई मान्यताओं के अनुरूप है। यह सार्वभौमिक सत्य है। साथ ही स्वस्थ, न्यायपूर्ण और स्वतंत्र समाज के लिए आवश्यक है। प्रस्ताव में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वेच्छा से संतानहीनता को मान्यता प्रदान करता है। यह प्रजनन दर की गिरावट में योगदान देता है। पुरुष और महिला के बीच जैविक अंतर को अनदेखा करता है। माता-पिता के अधिकारों को सीमित करने वाला है। इससे बच्चों के मूल्यों और गरिमा को भी आघात पहुंचता है। यह फैसला समाज को विकृत भी कर रहा है।

प्रस्ताव में वाणिज्यिक सरोगेसी और ट्रांसजेंडर विचारधारा के सामान्यीकरण का भी विरोध किया गया है। इसमें कहा गया है कि पुरुष और महिला की जैविक वास्तविकता को नकारने वाली नीतियां कानूनी कल्पनाएं हैं।

जोरदार लिस्टिंग के बाद गंगा बाथ फिटिंग्स के शेयरों पर लगा लोअर सर्किट

नई दिल्ली। बाथरूम एक्सेसरीज बनाने वाली कंपनी गंगा बाथ फिटिंग्स के शेयरों की आज एनएसई के एसएमई सेगमेंट पर जबरदस्त एंट्री हुई। हालांकि लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण आईपीओ निवेशकों की खुशी फीकी पड़ गई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 49 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई सेगमेंट पर इसकी एंट्री 20.41 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 59 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिससे ये शेयर टूट कर 56.05 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। हालांकि लोअर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक अभी भी 14.39 प्रतिशत के फायदे में हैं। गंगा बाथ फिटिंग्स का 32.65 करोड़ रुपये का आईपीओ 4 से 6 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से मामूली रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.64 गुना सब्सक्राइब हो गया था।

प्रधानमंत्री ओली सहित चार मंत्रियों के खिलाफ चलेगा मुकदमा, सुप्रीम कोर्ट का फैसला

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और चार मंत्रियों के खिलाफ अदालत की अवमानना का मुकदमा चलेगा। इस सभी के खिलाफ 22 जून से निरंतर सुनवाई करने का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने दिया है।

सुप्रीम कोर्ट में चार वर्ष पहले इसी तरह के प्रावधान बजट में रखे जाने के खिलाफ दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए उसे रद्द करके देश के बालू, गिट्टी आदि के निर्यात पर रोक लगा दी थी। इसके विपरीत सरकार ने हाल ही में पेश किए गए आम बजट में देश के बालू, गिट्टी आदि के निर्यात की छूट देने की घोषणा की गई है।

ओली सरकार के आम बजट में एक बार फिर से उसी प्रावधान को प्रस्तावित किया गया है, जिसे सुप्रीम कोर्ट की फुल बेंच ने खारिज कर दिया था। इसे अदालत की अवमानना कहते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश त्रिपाठी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। दो जजों की खंडपीठ ने इस याचिका को प्राथमिकता में रखते हुए 22 जून से निरंतर सुनवाई करने का आदेश दिया है।

जस्टिस तिल प्रसाद श्रेष्ठ और जस्टिस नित्यानंद पांडे की खंडपीठ ने इस याचिका को मंजूर करते हुए इस पर प्राथमिकता के साथ सुनवाई करने का फैसला सुनाया है। याचिका में प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री, उद्योग वाणिज्य तथा आपूर्ति मंत्री एवं भौतिक निर्माण मंत्री को बर्खास्त करने और निजी क्षेत्र के निर्माण खनिजों के निर्यात की अनुमति देने वाले बजट प्रावधान पर सार्वजनिक पद धारण करने से अयोग्य घोषित करने की मांग की गई है।

बूंदी में बनेगा स्टोन पार्क, मुख्यमंत्री ने दी भूमि आवंटन की स्वीकृति

एजेंसी (हि.स.)
जयपुर

फोटोः हि.स.

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए बूंदी जिले की तालेड़ा तहसील के कछालिया ग्राम में स्टोन पार्क की स्थापना के लिए 47.07 हैक्टेयर भूमि राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोग निगम लिमिटेड (रीको) को आवंटित करने की स्वीकृति दी है। बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के क्रम में राज्य सरकार का यह निर्णय प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति प्रदान करेगा। स्टोन पार्क की स्थापना से क्षेत्र में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा खनिज आधारित उद्योगों को एक संगठित मंच उपलब्ध होगा। राज्य सरकार द्वारा यह आवंटन राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 92 के अंतर्गत भूमि सेट-अपार्ट कर तथा राजस्थान भू-राजस्व (औद्योगिक क्षेत्र आवंटन) नियम 1959 के नियम 11ए के तहत किया गया है। स्टोन पार्क क्षेत्र में केवल गैर प्रदूषणकारी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की जाएगी तथा ये इकाइयां आबादी से कम से कम 1.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थापित होंगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य में ईआरसीपी परियोजना (राम जल सेतु लिंक परियोजना) के अन्तर्गत वन भूमि के प्रत्यावर्तन के तहत बारां जिले की छबड़ा तहसील में 34.41 हैक्टेयर भूमि वन विभाग को आंवटित करने की स्वीकृति दी है। मुख्यमंत्री ने निमार्णाधीन रामगढ़ एवं महलपुर बैराज तथा नवनेरा-गलवा-बीसलपुर-ईसरदा लिंक परियोजना के अन्तर्गत बैराज निर्माण के कार्य से प्रभावित वन भूमि की क्षतिपूर्ति के क्रम में वन विभाग को भूमि आंवटन के इस प्रस्ताव का अनुमोदन किया है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील में फंसा पेंच, अमेरिकी दबाव को मानने से भारत ने किया इनकार

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील में कुछ मुद्दों को लेकर मामला फंसता नजर आ रहा है। भारत और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच 4 से 10 जून के बीच दिल्ली में आपसी व्यापार से जुड़े सभी मुद्दों पर विस्तार से बातचीत हुई। इसके बाद अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्य वापस लौट गए, जबकि कुछ सदस्यों की अभी भी भारतीय प्रतिनिधिमंडल से बातचीत जारी है।

बताया जा रहा है कि एग्रीकल्चर, डेयरी, मेडिकल और डिजिटल सर्विसेस को लेकर भारत ने अमेरिका की मांग को पूरी तरह से ठुकरा दिया है। अमेरिका इन सेक्टर्स को ओपन करने का दबाव बना रहा है लेकिन भारत ने ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया है। भारतीय पक्ष का मानना है कि दोनों देशों के बीच होने वाली ट्रेड डील पूरी तरह संतुलित होनी चाहिए, जिससे दोनों देशों के हितों का परस्पर ध्यान रखा जा सके।

भारत और अमेरिका दोनों देश डोनाल्ड ट्रंप की सरकार द्वारा शुरू की गई टैरिफ पॉलिसी को ध्यान में रखते हुए ट्रेड डील करना चाहते हैं। फिलहाल डोनाल्ड ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ पर 8 जुलाई तक के लिए रोक लगा दी है। यही कारण है कि दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल 8 जुलाई के पहले ट्रेड डील को आखिरी रूप दे देना चाहते हैं, ताकि दोनों देशों के बीच होने वाले परस्पर कारोबार पर कोई असर न पड़े।

ट्रेड डील को लेकर शुरू हुई बातचीत में अमेरिकी पक्ष पहले से ही डेयरी और एग्रीकल्चर सेक्टर को ओपन करने का दबाव बना रहा है। दूसरी ओर, भारत ने इन क्षेत्रों को संवेदनशील मानते हुए खोलने से इनकार कर दिया है। भारतीय पक्ष का मानना है कि अगर डेयरी और एग्रीकल्चर जैसे सेक्टर्स को पूरी तरह से ओपन कर दिया जाता है, तो इससे इन सेक्टर्स में विदेशी कंपनियों के साथ होने वाली प्रतिस्पर्धा को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाएगा, जिससे भारतीय कारोबारियों को नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

जानकारों का कहना है कि भारत द्वारा इन सेक्टर्स को ओपन करने से साफ-साफ इनकार कर देने की वजह से भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बीच गतिरोध की स्थिति बन गई है। अमेरिका का कहना है कि अगर भारत इन सेक्टर्स को ओपन करने के लिए तैयार नहीं होता है, तो फिर दोनों देशों के बीच ट्रेड डील नहीं हो सकती है।

जानकारों के मुताबिक अमेरिकी पक्ष एग्रीकल्चर गुड्स और डेयरी प्रोडक्ट्स पर ड्यूटी में भारत की ओर से तो बड़ी कटौती की मांग कर रहा है, लेकिन इसके बदले वो भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजार में आसान एंट्री देने के लिए तैयार नहीं है। बताया जा रहा है कि बातचीत के दौरान अभी तक दोनों पक्ष ट्रेड डील को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने की बात पर तो सहमति जता रहे हैं, लेकिन जिन मुद्दों पर गतिरोध बना हुआ है, उन पर अभी रास्ता निकलता नहीं दिख रहा है। हालांकि दावा किया जा रहा है कि 8 जुलाई के पहले कोई ना कोई रास्ता निकाल लिया जाएगा, जिससे दोनों देशों के बीच ट्रेड डील को अंतिम रूप दिया जा सके।

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में वेस्टइंडीज को हराया, दूसरी बार किया क्लीन स्वीप

इंग्लैंड ने बेहजरीन प्रदर्शन कर मैच 37 रन से जीता, सीरीज 3-0 से अपने नाम की

एजेंसी (हि.स.)
साउथैम्पटन

- ओपनर बेन डकेट ने सिर्फ 20 गेंदों में अपना तीसरा टी20 अर्धशतक जड़ते हुए 84 रनों की धमाकेदार पारी खेली

फोटोः हि.स.

इंग्लैंड ने मंगलवार को साउथैम्पटन के यूटिलिटा बाउल मैदान पर खेले गए तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 37 रनों से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली। यह इंग्लैंड की 2021 के बाद पहली टी20आई सीरीज में क्लीन स्वीप है। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने सीमित ओवरों के नए कप्तान हैरी ब्रुक के नेतृत्व में लगातार दूसरी सीरीज में क्लीन स्वीप किया। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 3 विकेट पर 248 रन बनाए, जो घरेलू सरजमीं पर उनका अब तक का सर्वोच्च स्कोर है।

ओपनर बेन डकेट ने सिर्फ 20 गेंदों में अपना तीसरा टी20 अर्धशतक जड़ते हुए 84 रनों की धमाकेदार पारी खेली। उनके साथ जेमी स्मिथ ने भी 60 रनों की पारी खेलते हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। दोनों ने मिलकर सिर्फ 9 ओवर में 120 रन जोड़े। जैकब बेथेल ने अंत में 36 रन की नाबाद तेज पारी खेली जिससे इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के सामने 249 रनों का विशाल लक्ष्य रखा।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने 14 छक्के जरूर लगाए, लेकिन 8 विकेट पर 211 रन ही बना सकी। रोवमैन पॉवेल ने 45 गेंदों में नाबाद 79 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन बाकी बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सके। इंग्लैंड की ओर से मार्क वुड ने 31 रन देकर 3 विकेट झटके। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में पहली बार 19-18 की बढ़त बना ली है।

बेन डकेट ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से एक बार फिर साबित कर दिया कि वे इंग्लैंड के सबसे भरोसेमंद मल्टी-फॉर्मेट ओपनर हैं। उनकी पारी में शानदार रिवर्स स्वीप, कवर्स के ऊपर से शॉट्स और स्क्वायर लेग के पीछे छक्का शामिल था, जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। डकेट की बल्लेबाजी ने युवा ओपनर स्मिथ को भी आत्मविश्वास दिया, जिन्होंने दोनों फॉर्मेट में इस सप्ताह पहला अर्धशतक जमाया है।

पिछले 48 घंटे वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए सबसे निराशाजनक साबित हुए हैं। पहले रविवार को सीरीज हार और फिर मंगलवार को एकतरफा हार। इसके बीच सोमवार को स्टार बल्लेबाज निकोलस पूरन ने सिर्फ 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया। एक समय टी20 क्रिकेट की बादशाह रही वेस्टइंडीज टीम अब संघर्ष करती नजर आ रही है। हाल ही में समाप्त हुई इस सीरीज ने यह साफ कर दिया कि यह टीम अब उतनी प्रभावशाली नहीं रही, भले ही उसने इंग्लैंड से ज्यादा (35) छक्के लगाए हों।

स्कोरकार्ड

इंग्लैंडः 248/3 (बेन डकेट 84, जेमी स्मिथ 60, जैकब बेथेल 36)

वेस्टइंडीजः 211/8 (रोवमैन पॉवेल 79, शाई होप 45, मार्क वुड 3/31)

चिली लगातार तीसरे फीफा वर्ल्ड कप से बाहर, कोच रिकार्डो गरेका ने दिया इस्तीफा

एजेंसी (हि.स.)
साओ पाउलो

फोटोः हि.स.

चिली की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को एक और बड़ा झटका लगा है। टीम फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रही है और लगातार तीसरे वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है। मंगलवार को एल एल्टो (बोलीविया) में खेले गए मुकाबले में चिली को बोलीविया के हाथों 0-2 से हार झेलनी पड़ी, जिससे वह दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में सबसे आखिरी स्थान पर ही बनी रही।

इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम के मुख्य कोच रिकार्डो गरेका ने इस्तीफे की घोषणा कर दी। अर्जेंटीना के 67 वर्षीय इस कोच ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं खिलाड़ियों और अधिकारियों को उनके समर्थन के लिए सार्वजनिक रूप से धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं अब टीम को छोड़ रहा हूं।

चिली की 'गोल्डन जनरेशन' जिसने 2015 और 2016 में दो कोपा अमेरिका खिताब जीते थे, अब इतिहास बन चुकी है। टीम के दिग्गज स्ट्राइकर एलेक्सिस सांचेज ने हार के बाद कहा, बहुत दुख हो रहा है, मैंने ऐसा पहले कभी महसूस नहीं किया। हमें लोगों से माफी मांगनी चाहिए। बदलाव की शुरूआत हो चुकी है, गोल्डन जनरेशन अब दफन हो चुकी है – मैं अकेला बचा हूं।

बोलीविया ने मैच की शुरूआत में ही पांचवें मिनट में मिगुएल तेरेसेरोस के गोल से बढ़त बना ली थी। 90वें मिनट में एंजो मोंटेरो ने दूसरा गोल कर चिली की उम्मीदों पर पूरी तरह पानी फेर दिया। यह मुकाबला ला पाज के बाहरी इलाके स्थित 4,150 मीटर की ऊंचाई पर एल एल्टो स्टेडियम में खेला गया।

दूसरी ओर, उरुग्वे ने वेनेजुएला को 2-0 से हराकर क्वालिफाइंग स्टैंडिंग में बड़ी छलांग लगाई है। रोड्रिगो अग्विरे और जॉर्जियन डे अरेस्काएटा के गोलों की बदौलत उरुग्वे ने 16 मैचों में 24 अंकों के साथ शीर्ष छह में जगह मजबूत कर ली है, जो सीधे विश्व कप में एंट्री के लिए जरूरी है।

अब सातवें स्थान की इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ की दौड़ बोलीविया (17 अंक) और वेनेजुएला (18 अंक) के बीच रोचक बनती जा रही है। चिली का सपना एक बार फिर अधूरा रह गया है।

निकोलस पूरन बने एमआई न्यूयॉर्क के कप्तान

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर निकोलस पूरन को अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में एमआई न्यूयॉर्क टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। 2025 सीजन से पहले यह घोषणा ऐसे समय पर की गई है जब पूरन ने ठीक एक दिन पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी।

फ्रेंचाइजी ने एक बयान में बताया कि हमारा हीरो, हमारा लीजेंड, हमारा कप्तान! 29 वर्षीय पॉकेट डायनामाइट, एमआई न्यूयॉर्क सुपरस्टार निकोलस पूरन को कॉग्निजेंट मेजर लीग क्रिकेट के 2025 सीजन से पहले एमआई न्यूयॉर्क का कप्तान बनाया गया है।

निकोलस को दुनिया के बेहतरीन टी20 खिलाड़ियों में गिना जाता है। उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए कुल 167 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें 106 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले शामिल हैं, जो किसी भी वेस्टइंडीज खिलाड़ी द्वारा सबसे ज्यादा हैं। इसके साथ ही वे वेस्टइंडीज की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज भी रहे, जिन्होंने 2,275 रन बनाए।

निकोलस पूरन ने 2024 में अपने करियर का सबसे शानदार वर्ष बिताया। उन्होंने कैलेंडर ईयर में रिकॉर्ड 170 छक्के लगाए। इसके बाद इस साल आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने इस सीजन कुल 524 रन बनाए, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 196.25 रहा और उन्होंने पांच अर्धशतक जड़े।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को 2-1 से हराया

एंटवर्प। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे पर अपना विजय अभियान जारी रखते हुए मंगलवार को बेल्जियम के खिलाफ 2-1 से रोमांचक जीत दर्ज की। यह मुकाबला बेल्जियम के एंटवर्प स्थित हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज्कसे प्लेन में खेला गया। भारत की ओर से ललथनतलुआंगी (35वें मिनट) और गीता यादव (50वें मिनट) ने गोल किए। मुकाबले की शुरूआत से दोनों टीमों के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला, लेकिन पहले हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। मैच का पहला गोल 35वें मिनट में भारत को पेनल्टी स्ट्रोक के रूप में मिला, जिसे ललथनतलुआंगी ने सफलतापूर्वक गोल में तब्दील कर भारत को बढ़त दिलाई। चौथे और अंतिम क्वार्टर में बेल्जियम की ओर से वैन हेलमॉन्ट ने 48वें मिनट में फील्ड गोल करते हुए स्कोर को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। हालांकि, इसके तुरंत बाद 50वें मिनट में गीता यादव ने शानदार फील्ड गोल करते हुए भारत को दोबारा बढ़त दिला दी।

फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर्सः अल्माडा ने अर्जेंटीना की बचाई लाज, ऑस्ट्रेलिया-जापान सहित कई टीमें क्वालिफाई

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

मंगलवार को खेले गए फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर्स के मुकाबलों में रोमांच चरम पर रहा, जहां एक ओर अर्जेंटीना ने 10 खिलाड़ियों के साथ कोलंबिया से ड्रॉ खेलते हुए अपराजित क्रम बरकरार रखा, वहीं ऑस्ट्रेलिया, जापान, ईरान, दक्षिण कोरिया और उजबेकिस्तान जैसी टीमों ने अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए अपना स्थान पक्का कर लिया।

ब्यूनस आयर्स में खेले गए मुकाबले में अर्जेंटीना को कोलंबिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी पर संतोष करना पड़ा। कोलंबिया ने मैच के 24वें मिनट में लुइस डियाज के शानदार एकल प्रयास से बढ़त बना ली थी। अर्जेंटीना की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब एंजो फर्नांडीज को दूसरे हाफ में रेड कार्ड दिखाया गया, लेकिन 81वें मिनट में थियागो अल्माडा ने बराबरी का गोल दागकर अपनी टीम को हार से बचा लिया और अर्जेंटीना की अपराजित लय को पांच मैचों तक पहुंचा दिया।

जेद्दा में ऑस्ट्रेलिया ने सऊदी अरब को 2-1 से हराकर लगातार छठी बार फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर लिया। पहले गोल सऊदी अरब की ओर से अब्दुलरहमान अल-ओबूद ने 19वें मिनट में किया। लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने पहले हाफ के अंत में कॉनर मेटकाफ और फिर दूसरे हाफ की शुरूआत में मिच ड्यूक के गोल की बदौलत वापसी की। गोलकीपर मैटी रयान ने अपने 100वें अंतरराष्ट्रीय मैच में आखिरी पलों में पेनल्टी बचाकर जीत सुनिश्चित की।

जापान ने इंडोनेशिया को 6-0 से रौंदकर ग्रुप उ में शीर्ष स्थान हासिल किया, जिसमें डाइची कामाडा ने पहले हाफ में दो गोल किए। ईरान ने तेहरान में नॉर्थ कोरिया को 3-0 से हराया और ग्रुप अ में पहले स्थान पर रहा। वहीं दक्षिण कोरिया ने कुवैत को 4-0 से हराकर ग्रुप इ में अपराजित रहते हुए शीर्ष स्थान पाया।

जॉर्डन में खेले गए मुकाबले में ओमान और फिलिस्तीन के बीच 1-1 की बराबरी हुई। फिलिस्तीन ने 49वें मिनट में बढ़त ली थी, लेकिन अंत समय में ओमान को पेनल्टी मिली, जिसे इस्साम अल-साबीह ने गोल में बदलकर अपनी टीम की क्वालीफिकेशन की उम्मीदों को जिंदा रखा।

ब्राजील और इक्वाडोर ने पक्की की विश्व कप 2026 की टिकट

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

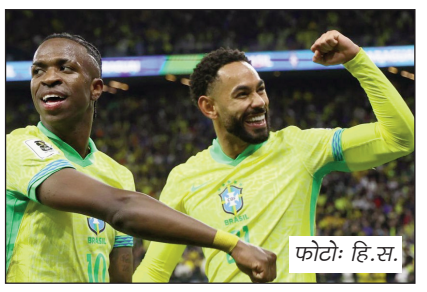
फोटोः हि.स.

साओ पाउलो और लीमा में बुधवार (भारतीय समयानुसार) को खेले गए मुकाबलों में ब्राजील और इक्वाडोर ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। ब्राजील ने कोरिंथियंस एरिना में पराग्वे को 1-0 से हराकर, जबकि इक्वाडोर ने पेरू के खिलाफ 0-0 की ड्रॉ खेलकर क्वालीफिकेशन सुनिश्चित किया। ब्राजील के लिए एकमात्र गोल रियल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर ने 44वें मिनट में किया। उन्होंने मैथ्यूस कुन्हा के पास पर नजदीक से गेंद को गोलपोस्ट में डालते हुए टीम को बढ़त दिलाई। यह ब्राजील के नए कोच कार्लो एंसेलोटी की पहली जीत रही, जो उनके घरेलू डेब्यू में ही मिली। इस जीत के साथ ब्राजील अब 16 मैचों में 25 अंकों के साथ कॉनमेबोल क्वालीफाइंग स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, जिससे वह शीर्ष छह में रहते हुए सीधे विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर गया। इसके साथ ही ब्राजील ने अपने ऐतिहासिक रिकॉर्ड को कायम रखा- वह एकमात्र देश है जिसने अब तक हर फीफा विश्व कप टूर्नामेंट में भाग लिया है। वहीं इक्वाडोर ने भी पेरू से ड्रॉ खेलकर कुल 25 अंकों के साथ दक्षिण अमेरिका की टॉप छह टीमों में जगह बना ली। 2022 कतर विश्व कप में ग्रुप स्टेज से बाहर होने वाली इक्वाडोर की टीम अब पांचवीं बार विश्व कप में खेलेगी। पेरू के खिलाफ मुकाबले में इक्वाडोर को रेड कार्ड मिलने के बावजूद टीम ने साहसिक प्रदर्शन करते हुए जरूरी एक अंक हासिल किया।

दिन की शुरूआत करने के लिए इन प्राणायाम श्वास अभ्यासों की लें मदद

अगर आप दिन की शुरूआत ऊजार्वान और स्वस्थ तरीके से करना चाहते हैं, तो प्राणायाम और श्वास अभ्यास आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकते हैं। ध्यान, योग और प्राणायाम मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए स्थायी तौर पर लाभदायक योग क्रिया है। इसके नियमित अभ्यास से वजन कम होता है, शरीर के अंग सुचारू रूप से क्रियान्वयन करते हैं और आंतरिक अंग भी स्वस्थ रहते हैं। हृदय स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। वहीं केवल प्राणायाम के अभ्यास मानसिक शांति और फोकस को तो बढ़ाते ही हैं, साथ ही शरीर को डिटॉक्स करने, इम्यूनिटी बढ़ाने और हृदय स्वास्थ्य सुधारने में भी मदद करते हैं। हेल्दी और सकारात्मक तरीके से दिल की शुरूआत करने के लिए अनुलोम-विलोम, भस्त्रिका, कपालभाति, भ्रामरी प्राणायाम को रूटीन में शामिल करें। यहां आपको ऐसे ही प्राणायामों के बारे में बताया जा रहा है जो श्वास अभ्यास के जरिए संपूर्ण शरीर के लिए लाभकारी हैं।

अनुलोम-विलोम

- इसे नाड़ी शुद्धि प्राणायाम भी कहा जा सकता है। इसे श्वसन अभ्यास के लिए एक शांत स्थान पर सुखासन या पद्मासन में बैठकर दाएं हाथ के अंगूठे से दाहिनी नासिका बंद करें और बाईं नासिका से श्वास लें।
- अब अनामिका और छोटी उंगली से बाईं नासिका बंद करें और दाहिनी नासिका से श्वास छोड़ें। यही प्रक्रिया उलटी दिशा में दोहराएं। इस प्रक्रिया को 5-10 मिनट तक करें।

अनुलोम-विलोम प्राणायाम के फायदे

अनुलोम-विलोम का अभ्यास मानसिक तनाव को कम करता है। फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ाता है। एकाग्रता और फोकस बढ़ाता है और हृदय को स्वस्थ रखता है।

भस्त्रिका प्राणायाम

- ऊर्जा देने वाले इस श्वास अभ्यास के लिए रीढ़ सीधी करके बैठें। गहरी सांस लेते हुए जोर से सांस बाहर निकालें। यह प्रक्रिया तेजी से करें, लेकिन बहुत अधिक बल न लगाएं। इसे 2-5 मिनट तक करें।

भस्त्रिका प्राणायाम के लाभ

भस्त्रिका प्राणायाम का अभ्यास फेफड़ों की शक्ति बढ़ाता है। ऑक्सीजन लेवल सुधारता है। आलस और सुस्ती दूर करता है। ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है।

कपालभाति प्राणायाम

कपालभाति प्राणायाम को शरीर को डीटॉक्स करने वाला अभ्यास कहा जा सकता है। इसके अभ्यास के लिए पद्मासन में बैठकर कमर सीधी रखें। फिर गहरी सांस लें और फिर पेट को अंदर खींचते हुए तेजी से सांस बाहर छोड़ें। यह प्रक्रिया लगातार करते रहें। इसे 5-10 मिनट तक करें।

कपालभाति के लाभ

- शरीर से विषाक्त पदार्थ निकालता है।
- पेट और डायजेस्टिव सिस्टम को मजबूत करता है।
- चेहरे की चमक बढ़ाता है।
- वजन घटाने में मदद करता है।

चन्द्रभेदी प्राणायाम

गर्मियों में शरीर में शीतलता रहे इसके लिए किये जाने प्राणायामों में चन्द्रभेदी प्राणायाम प्रमुख हैं। अन्य दो प्राणायाम हैं शीतली व शीतकारी। इस प्राणायाम को नियमित करने से शरीर में ठंडक का संचारण होता है व कई रोगों में लाभ मिलता है।

चन्द्रभेदी प्राणायाम को बायीं नासिका से जो कि चन्द्र नाड़ी (इड़ा नाड़ी) के नाम से जानी जाती है से किया जाता है, उसकी शुद्धि होती है व क्रियाशील हो जाती है।जिससे शीतलता की प्राप्ति होती है जिस कारण से ही इस प्राणायाम को चन्दरभेदी प्राणायाम कहा जाता है.।चन्द्रभेदी प्राणायाम दो शब्दों में मिलकर बना हुआ है जिसमे चंद्र यानी चन्द्रमा और भेदी अर्थात प्रवेश करना या तोडना।

श्वांस लेने के लिए हमारे पास दो नथुने होते है. योग में इन्हे नाड़ी कहा जाता है जिसमे दाए तरफ को सुर्य नाडी है और बाएं तरफ को चन्द्र नाडी के रूप में जाना जाता है। गर्मियों में गर्मी को शान्त करने के लिए चन्द्रभेदी प्राणायाम सरल और प्रभावी साँस लेने की तकनीक है

चन्द्रभेदी प्राणायाम करने की विधि...

इस आसन को करने के लिए आसन पर पदमासन या सुखासन की स्थिति में बैठ जाए रीढ़ की हड्डी, कमर और गर्दन को सीधा रखे आँखे कोमलता से बंद चेहरे पर प्रसन्नता के भाव इसके बाद अपने बाए हाँथ को बाए घुटने पर ज्ञान मुद्रा में रखे साथ ही दाए हाँथ प्राणायाम मुद्रा में लाते हुए अंगूठे से दाए नाक को बंद कर ले इसके बाद बाए नाक से गहरा और लम्बा श्वांस भरे जिससे कि इसका प्रभाव पूरे शरीर में महसूस हो और फिर अनामिका अंगुली से बाए नाक को बंद कर ले और अपनी क्षमता अनुसार आंतरिक कुम्भक करें।इस अवस्था मे तीनो बंद मूलबन्ध,उड्डियान बन्ध व जालंधर बन्ध भी लगाएं। जब श्वांस न रोक सके तो उसके बाद दाहिनी नाशिका से धीरे धीरे करके श्वांस को छोड़े।कुम्भक के समय को धीरे धीरे बढ़ाये। इसी प्रकार कई आवतीर्या करे यानि कि बायीं नासिका से श्वांस को भरे आन्तरिक कुम्भक लगाएं दायीं नासिका से श्वांस को बाहर निकाल दें।श्वांस को बड़ी सहजता व सरलता से भरना है व कुछ क्षण आंतरिक कुम्भक में रुक कर बड़ी सरलता व सहजता से ही बाहर निकाल देना है।यह प्राणायाम भी किसी समय किया जा सकता है जब आपको गर्मी का अहसास हो तब ही कर ले लेकिन वातावरण स्वच्छ हो इसका ध्यान अवश्य रखें।

चन्द्रभेदी प्राणायाम के फायदे

- चन्द्रभेदी प्राणायाम को करने से तनाव और शरीर में होने वाली थकान को दूर किया जा सकता है।
- यह प्राणायाम हृदय से संबंधित बीमारियों को दूर करने में मदद करता है।
- चन्द्रभेदी प्राणायाम पेट की गर्मी को कम करता है और शरीर में स्फूर्ति लाता है।
- इस प्राणायाम को रोज करने से चर्म रोग से छुटकारा पाया जा सकता है।
- पित्त प्रधान वाले व्यक्तियों के लिये लाभकारी है ये प्राणायाम।

चन्द्रभेदी प्राणायाम की सावधानियां...

- जिन लोगो को उच्च रक्तचाप और दमा की समस्या होती है उन्हें बिना कुम्भक के इस प्राणायाम को करना चाहिए।
- यह आसान कफ प्रकृति वालों के लिए लाभकारी नहीं होता है।
- इस प्राणायाम को केवल गर्मियों के दिनों में ही करना चाहिए।
- कुम्भक को अपनी शक्ति से अधिक न लगाएं।

ये प्राणायाम आपके हृदय के लिए हैं वरदान

प्राणायाम, योग का एक ऐसा हिस्सा है जो न केवल प्राचीन तकनीक पर आधारित है, बल्कि कई बीमारियों में बेहद प्रभावशाली है। प्राणायाम सांस की तकनीकों पर आधारित है, इसलिए यह हृदय रोग में बहुत प्रभावशाली है। प्राणायम व्यायाम हृदय की शक्ति को बढ़ाने, धड़कन को नियंत्रित करने और मांसपेशियों की लचीलेपन को बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा, प्राणायाम द्वारा श्वसन और रक्त संचालन की गति को भी सुधारा जा सकता है। रिसर्च भी कहता है कि प्राणायाम की अलग-अलग तकनीकों से हृदय स्वास्थ्य को लाभ होता है। तो, चलिए जानते हैं प्राणायाम की तीन तकनीकों के बारे में कि यह किस प्रकार आपके हृदय को लाभ पहुंचाता है...

नाड़ी शोधन प्राणायाम

प्राणायाम की इस तकनीक में एक नासिका से सांस लेना और दूसरे से सांस छोड़ना शामिल है। प्राणायाम की यह तकनीक बेहद प्राचीन है और प्राण शक्ति को मजबूत करने के लिए यह बहुत सारे योगियों के द्वारा भी किया जाता था। नाड़ी शोधन प्राणायाम शरीर की अवरुद्ध ऊजाओं को साफ करने का काम करता है। साथ ही यह तनाव और चिंता को कम करने, फेफड़ों की कार्यक्षमता में सुधार और सामान्य हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में सहायक है। यह श्वास को नियंत्रित करने और धड़कन को शांत करने में मदद करता है। एक अध्ययन के अनुसार, आठ सप्ताह तक प्रतिदिन 30 मिनट नाड़ी शोधन प्राणायाम का अभ्यास करने से उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों में हृदय गति में सुधार देखने को मिला।

भ्रामरी प्राणायाम (हमिंग बी ब्रीथ)

इस प्राणायाम तकनीक के साथ गुनगुनाहट की ध्वनि उत्पन्न करते हुए गहरी साँस लिया और छोड़ा जाता है। प्राणायाम की यह तकनीक तनाव और चिंता को कम करने और रक्त संचार में सुधार मदद करता है। यह श्वास को गहरा और धीरे-धीरे करने में मदद करता है। एक अध्ययन के अनुसार, 12 सप्ताह तक भ्रामरी प्राणायाम करने से उच्च रक्तचाप के रोगियों में रक्तचाप और हृदय गति में कमी आई।

उज्जायी प्राणायाम

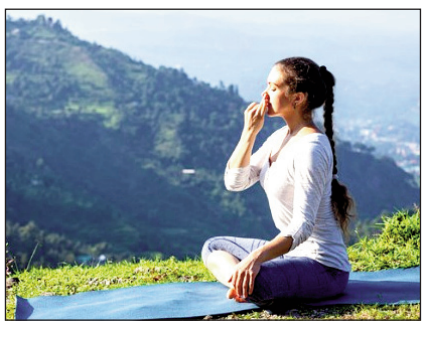

उज्जायी प्राणायाम को विजयी प्राणायाम भी कहते हैं। इस तकनीक में गले को सिकोड़कर सांस ली जाती है और गले से हल्की फुफकारने वाली ध्वनि उत्पन्न होती है। उज्जायी प्राणायाम तनाव और चिंता को कम करने, फेफड़ों की कार्यक्षमता में सुधार और सामान्य हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में सहायक होता है। यह व्यायाम हृदय की शक्ति को बढ़ाने में मदद करता है। एक अध्ययन के अनुसार, छह महीने तक उज्जायी प्राणायाम करने से प्रीहाइपरटेंसिव रोगियों में रक्तचाप और लिपिड प्रोफाइल सहित विभिन्न हृदय जोखिम कारक कम हो गए।

एनआईटीटीटीआर में विद्या भारती और आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला का समापन

पर्यावरण संरक्षण के लिए शिक्षा को आंदोलन बनाएं: कटारिया

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया बुधवार क विद्या भारती उत्तर क्षेत्र और क्षेत्रीय औषधीय पादप बोर्ड, जोगिंदर नगर, आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), चंडीगढ़ में आयोजित तीन दिवसीय पर्यावरण कार्यशाला के समापन समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रशासक ने इस आयोजन को स्वच्छ, सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य की दिशा में एक गंभीर और दूरदर्शी प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला महज एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि प्रकृति के संरक्षण के प्रति सामूहिक संकल्प का प्रतीक है।

प्रशासक ने इस आयोजन को स्वच्छ, सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य की दिशा में एक गंभीर और दूरदर्शी प्रयास बताया

प्रशासक ने 1952 से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए विद्या भारती की सराहना की और कहा कि यह संस्था न केवल शैक्षणिक ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि छात्रों को जीवन के अन्य पहलुओं से भी जोड़ती है। उन्होंने कहा कि विद्या भारती शिक्षा को किताबों तक सीमित नहीं रखती, बल्कि चरित्र निर्माण, राष्ट्रीय भावना और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे मूल्यों का भी विकास करती है। प्रशासक ने कहा कि भारत में पर्यावरण की रक्षा की परंपरा शुरू से ही रही है। हमारे पूर्वज वृक्षों, नदियों और प्राकृतिक संसाधनों का सम्मान करते थे।

हमें आज की पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए उस सांस्कृतिक चेतना को पुनः विकसित करने की आवश्यकता है। कराटिया ने कहा कि प्रकृति हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। यदि हम प्रकृति का दोहन करेंगे तो हमें इसके दुष्परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने इस बात की भी सराहना की कि कोविड-19 के दौरान भारत में हर्बल औषधियों और आयुर्वेद के प्रति लोगों का नजरिया बदला और जागरूकता बढ़ी। आयुर्वेद में रोगों को जड़ से मिटाने की क्षमता है और आधुनिक समय में यह और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है।

शिक्षा जगत के योगदान को रेखांकित करते हुए गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि शिक्षक समाज के निमार्ता हैं और उनके प्रयासों से ही हम स्वच्छ, हरित और संतुलित भारत का सपना साकार कर सकते हैं। उन्होंने विद्या भारती के प्रयासों की सराहना की उन्होंने स्कूलों में हर्बल गार्डन और इको क्लब खोलने की भी बात कही और कहा कि आने वाली पीढ़ी में प्रकृति के प्रति प्रेम और संरक्षण की भावना विकसित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रशासक ने सभी प्रतिभागियों को उनके सक्रिय सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और उनसे आह्वान किया कि वे 'पर्यावरण' को केवल एक विषय न मानकर एक जन आंदोलन बनाएं, जिसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी हो। उन्होंने कहा, 'आइए हम सभी अपने जीवन में 'पर्यावरण बचाओ, भविष्य संवारो' के मंत्र को अपनाएं और प्रकृति की रक्षा में अपनी भूमिका निभाएं। कार्यशाला में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली से प्राचार्य, वरिष्ठ व्याख्याता और प्रबंधन समिति के सदस्य शामिल हुए। तीन दिवसीय इस कार्यशाला में औषधीय पौधों को बढ़ावा देने, पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करने और पर्यावरण शिक्षा के माध्यम से जन जागरूकता बढ़ाने पर चर्चा की गई।

चंडीगढ़ पोस्ट ऑफिस में इंटरनेशनल पार्सल के लिए ऑन-स्पॉट कस्टम्स क्लीयरेंस शुरू

संवाददाता
चंडीगढ़

डाक विभाग अभिनव समाधान पेश करके और उन्नत तकनीकों को अपनाकर अपनी सेवा क्षमताओं का विस्तार कर रहा है, जिससे देश के हर कोने तक इसकी पहुंच बढ़ रही है। अपने वैश्विक सेवा नेटवर्क के हिस्से के रूप में, अंतर्राष्ट्रीय पार्सल डिलीवरी वर्तमान में दुनिया भर के 219 देशों और क्षेत्रों में उपलब्ध है। विभिन्न सरकारी विभागों के साथ साझेदारी को मजबूत करने और परिचालन दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, सेक्टर-17 स्थित चंडीगढ़ जनरल पोस्ट ऑफिस (जीपीओ) ने बुक किए गए अंतर्राष्ट्रीय पार्सलों के लिए ऑन-स्पॉट कस्टम्स क्लीयरेंस की सुविधा शुरू की है। अब तक यह प्रक्रिया नई दिल्ली के माध्यम से होती थी, जिससे अक्सर विलंब होता था। लेकिन अब चंडीगढ़ जीपीओ में विदेशी डाकघर (एफपीओ) की स्थापना के साथ, क्लीयरेंस प्रक्रिया तेज, सरल और अधिक सुविधाजनक हो गई है, जिससे त्वरित वितरण और बेहतर ग्राहक संतुष्टि सुनिश्चित होती है।

पार्सल बुकिंग अनुभव को और अधिक आसान बनाने के लिए, चंडीगढ़ जीपीओ में अब किफायती शुल्क पर घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों शिपमेंट के लिए एक समर्पित पार्सल पैकेजिंग सुविधा भी चालू की गई है। बुकिंग काउंटर प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 8 बजे तक कार्यरत हैं, जबकि रविवार को यह सेवा सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक उपलब्ध रहती है, जिससे नागरिकों को अधिक सुविधा मिलती है।

मेल सेवाओं के अलावा, चंडीगढ़ जीपीओ कई प्रकार की उन्नत बैंकिंग, बीमा और फिलेटली सेवाएं भी प्रदान कर रहा है। नागरिक अब इंटरनेट बैंकिंग, एनईएफटी/आरटीजीएस, आवर्ती जमा (आरडी), सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ), सुकन्या समृद्धि खाता (एसएसए) के लिए ऑनलाइन जमा, और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से डाक जीवन बीमा (पीएलआई) और ग्रामीण डाक जीवन बीमा (आरपीएलआई) के लिए ऑनलाइन प्रीमियम भुगतान का लाभ उठा सकते हैं। वरिष्ठ नागरिक बचत योजना, मासिक आय योजना, एनएससी, केवीपी और सावधि जमा जैसी छोटी बचत योजनाएं भी आकर्षक ब्याज दरों के साथ उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, चंडीगढ़ जीपीओ अन्य प्रमुख नागरिक-केंद्रित सेवाओं को प्रदान करने में भी सक्रिय रूप से शामिल है, जिनमें आधार नामांकन और अद्यतन, रेलवे टिकट बुकिंग (रविवार को भी), पंजाब विश्वविद्यालय शुल्क जमा, आधार सक्षम भुगतान प्रणाली सेवाएं और कई अन्य सुविधाएं शामिल हैं।

डाक विभाग अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप डाक सेवाओं को आधुनिक बनाने के अपने मिशन के प्रति प्रतिबद्ध है और लगातार जनता की जरूरतों के अनुरूप नवाचार करता जा रहा है। नागरिकों को चंडीगढ़ जीपीओ में आने और इसकी व्यापक और ग्राहक-अनुकूल सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यहाँ सभी सुविधाएँ एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं।

चंडीगढ़ प्रशासन का मिलावटखोरी पर धावा, 450 किलो पनीर जब्त

संवाददाता
चंडीगढ़

नागरिकों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए, चंडीगढ़ प्रशासन के सचिव स्वास्थ्य-सह-आयुक्त खाद्य सुरक्षा के निदेर्शों के तहत खाद्य सुरक्षा प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग ने बुधवार को सुबह बापूधाम कॉलोनी, सेक्टर -26, चंडीगढ़ में छापेमारी की। निरीक्षण करने पर हाउस नंबर 714/2, बापूधाम कॉलोनी, सेक्टर -26, चंडीगढ़ में दुकान में लगभग 450 किलोग्राम पनीर पाया गया और कुछ उक्त परिसर के बाहर खड़ी पिकअप वाहन में था। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने परिसर से पनीर के नमूने के साथ-साथ उक्त पिकअप वाहन से भी जब्त कर लिया। साथ ही उक्त परिसर से देसी घी और दही का नमूना जब्त किया गया। जब्त किए गए नमूनों का समय पर एफएसएसएआई द्वारा अधिकृत खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला से विश्लेषण कराया जाएगा और मानकों के अनुरूप

नहीं पाए जाने पर खाद्य व्यवसाय संचालक के खिलाफ उचित कार्रवाई शुरू की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत निहित प्रावधानों के अनुसार उक्त परिसर में पनीर का पूरा स्टॉक जब्त कर लिया गया और खाद्य व्यवसाय संचालक की सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया। सार्वजनिक बिक्री और मानव उपभोग के लिए एफएसएसएआई लाइसेंस के बिना खाद्य पदार्थ बेचने के लिए दोनों खाद्य व्यवसाय संचालकों यानी दुकानदार और वाहन संचालक को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 63 के तहत दो चालान जारी किए गए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में भाग लेने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करें: उपायुक्त

पंचकूला। उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने कहा कि आगामी 21 जून को 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह जिला में योग प्रोटोकॉल की पालना करते हुए गरिमामयी ढंग से मनाया जाएगा। इस अवसर पर अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आयुष विभाग ने विशेष ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल और टोल-फ्री नंबर +91-9501131800 जारी किया है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी योग दिवस पर लोगों की अभूतपूर्व भागीदारी रहेगी और जन-जन तक योग का संदेश पहुंचेगा। उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि आयुष विभाग ने www.internationalyogadayhry.in विशेष पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है। उपायुक्त ने सभी विभागाध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्रों में योग दिवस के आयोजन की व्यापक तैयारी करने और अधिक से अधिक लोगों को ऑनलाइन पंजीकरण के बारे में जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। खास तौर पर शिक्षण संस्थानों को रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के बारे में विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक करने के लिए कहा गया है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकूला द्वारा योग और स्वास्थ्य के प्रचार हेतु विविध कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता
पचंकूला

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकूला (आयुष मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा माननीय कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा के मार्गदर्शन में ग्यारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर 'Yoga for One Earth, One Health' थीम को केंद्र में रखते हुए योग और स्वास्थ्य के प्रचार-प्रसार हेतु विविध जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य योग को जन-जन तक पहुँचाना, नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है।

इस क्रम में 9 जून 2025 को 'हरित योग' कार्यक्रम का आयोजन संस्थान परिसर में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला सूचना एवं जन संपर्क अधिकारी कुलदीप बागड़ ने शिरकत की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य संवर्धन के लिए योग की भूमिका पर प्रकाश डाला और संस्थान प्रांगण में वृक्षारोपण कर

कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के डीन इंचार्ज प्रोफेसर सतीश गन्धर्व, डी एम एस डॉ. गौरव कुमार गर्ग, प्रोफेसर प्रहलाद रघु, अन्य अधिकारीगण तथा छात्रगण उपस्थित रहे।

संस्थान द्वारा 9 जून से 14 जून 2025 तक एक ऑनलाइन योग क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें भाग लेने हेतु इच्छुक प्रतिभागी https://form-timer.com/start/b6929c77 लिंक पर जाकर या संबंधित क्यूआर कोड स्कैन कर भाग ले सकते हैं। प्रथम तीन विजेताओं को 21 जून को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, 15 जून 2025 को 'स्वस्थ जीवन के लिए योग, चलो साथ चलें' थीम पर आधारित वॉकथॉन का आयोजन प्रातः 5:00 से 7:00 बजे तक यवनिका पार्क, सेक्टर-5, पंचकूला में किया जाएगा, जिसमें सभी आयु वर्ग के नागरिक भाग ले सकते हैं। मुख्य समारोह 21 जून 2025 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के दिन प्रातः 6:00 से 8:00 बजे तक मल्टी लेवल पार्किंग के सामने, सेक्टर 5-डी, मनसा देवी परिसर एम.डी.सी., पंचकूला में आयोजित होगा, जिसमें हजारों प्रतिभागी, गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में, प्रशिक्षित योगाचार्यों के नेतृत्व में सामूहिक योगाभ्यास करेंगे।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकूला सभी नागरिकों से अपील करता है कि इन कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेकर योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं और स्वस्थ एवं पर्यावरण-संवेदनशील भारत के निर्माण में योगदान दें। अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें: राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, सेक्टर 05-डी, माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड कैंपस, पंचकूला, हरियाणा।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मिले मेयर, आल इंडिया मेयर काउंसिल बैठक का दिया निमंत्रण

संवाददाता
पंचकूला

महापौर कुलभूषण गोयल ने हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मुलाकात की और उन्हें आल इंडिया मेयर काउंसिल की 115 एग्जीक्यूटिव काउंसिल की बैठक में मुख्य मेहमान के तौर पर सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया। राज्यपाल ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए स्वयं के मेयर रहते हुए अनुभव भी कुलभूषण गोयल के साथ साझा किए। कुलभूषण गोयल ने राज्यपाल को बताया कि क्लार्क इन अमरावती एनक्लेव पंचकूला में 15 और 16 जून को आल इंडिया मेयर काउंसिल की बैठक होगी। बैठक में देश भर से अलग-अलग शहरों के मेयर भाग लेंगे और अपने विचार साझा करेंगे। अमरावती एंक्लेव में होने जा रही इस मेयर कान्फ्रेंस का आयोजन पंचकूला के महापौर कुलभूषण गोयल द्वारा किया जा रहा है। कुलभूषण गोयल ने बताया कि माधुरी अतुल पटेल महापौर

बुरहानपुर अध्यक्ष है। उमाशंकर गुप्ता राष्ट्रीय महासचिव हैं। प्रोमिला पांडे कानपुर मेयर, सुषमा खरकवाल लखनऊ मेयर, रेनू बाला गुप्ता करनाल मेयर पदाधिकारी हैं।

इस बैठक में लगभग 55 से अधिक मेयर भाग लेंगे। इस मेयर कान्फ्रेंस का शुभारंभ हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे। राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय, स्थानीय शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल, कालका की विधायक शक्तिरानी शर्मा भी उपस्थित रहेंगी। इस बैठक में प्रमुख तौर पर देवास में हुई पिछली बैठक के बारे में चर्चा होगी। नई कार्यसमिति के पदाधिकारी का परिचय करवाया जाएगा, राज्य स्तरीय संगठन पर विचार किया जाएगा। राज्य स्तर पर मेयरों के अधिकार और जनहित में विकास कार्य करवाने में आ रही बाधाओं पर विचार विमर्श होगा, शहरों में बढ़ती जनसंख्या और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा, परिषद के ग्रेटर नोएडा में बना रहे कार्यालय के निर्माण पर विचार विमर्श, महापौरों के प्रशिक्षण पर विचार विमर्श होगा। बैठक में वर्ष 2024-25 की आडिट रिपोर्ट पर विचार विमर्श होगा। कुलभूषण गोयल ने बताया कि देशभर से आ रहे मेयर के स्वागत के लिए पंचकूला नगर निगम के पार्षदों एवं अधिकारियों की ड्युटियां लगाई गई है और चंडीगढ़ की मौजूदा महापौर हरप्रीत कौर बबला एवं पूर्व महापौरों का भी सहयोग मिल रहा है।

गुरुद्वारा सिंह शहीदां सोहाना में शिरोमणि भगत कबीर जी की जयंती मनाई गई

मोहाली। नजदीकी गांव सोहाना के ऐतिहासिक गुरुद्वारा सिंह शहीदां में महान शिरोमणि भगत कबीर जी की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। जन्मोत्सव के अवसर पर सुबह 9 बजे श्री सहज पाठ साहिब जी का भोग डाला गया। इसके बाद विशेष गुरमत समागम का आयोजन किया गया। इस गुरमत समागम में भाई गुरदेव सिंह जी के अंतरराष्ट्रीय पंथक ढाडी जत्था ने संगत को शिरोमणि भगत कबीर जी के जीवन चरित्र और श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी में दर्ज उनकी बानी के बारे में विस्तार से श्रवण कराया। भाई गुरविंदर सिंह के राणी जत्थे ने कीर्तन के माध्यम से संगत को गुरु से जोड़ने का प्रयास किया। शिरोमणि प्रचारक भाई मंदीप सिंह जी दमदमी वाले ने अपने प्रवचनों के माध्यम से बताया कि भगत कबीर जी का जन्म 1440 में बनारस में हुआ था। धन्य श्री गुरु ग्रंथ साहिब में दर्ज 15 शबदों में से आपका शबद 18 रागों में 541 शब्दों के साथ सबसे अधिक सुशोभित है।

पीजीआई कार्डियोलॉजिस्ट ने सीटीओ इंटरवेंशन पर पुस्तक का विमोचन किया

संवाददाता
चंडीगढ़

हाल ही में संपन्न इंडो-जापानी सीटीओ क्लब की बैठक में, जो 30 मई से 1 जून, 2025 तक लखनऊ, उत्तर प्रदेश में आयोजित की गई थी, कार्डियोलॉजी विभाग के प्रो. हिमांशु गुप्ता ने सीटीओ इंटरवेंशन पर पुस्तक का विमोचन किया। इस पुस्तक के सह-लेखक डॉ. शरत रेड्डी (मेडिकवर अस्पताल, हैदराबाद) हैं। इस पुस्तक का विमोचन उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डॉ. ब्रजेश पाठक ने भारत और जापान के जाने-माने कार्डियोलॉजिस्ट की मौजूदगी में किया। 'डिकोडिंग सीटीओ (क्रोनिक टोटल ऑक्लूजन): केस-बेस्ड डिस्कशन' नामक इस पुस्तक में एंटीग्रेड अप्रोच, रेट्रोग्रेड अप्रोच और डिसेक्शन री-एंट्री तकनीकों सहित क्रोनिक रूप से बंद कोरोनरी धमनियों को खोलने की विभिन्न तकनीकों पर चर्चा और व्याख्या की गई है।

जैसा कि यह समझा जाता है कि सीटीओ को खोलना सबसे चुनौतीपूर्ण हृदय प्रक्रिया मानी जाती है और इसके लिए विशेष कौशल और उपकरणों की आवश्यकता होती है। विभिन्न तकनीकों को केस आधारित तरीके से समझाने वाली एक पुस्तक कार्डियोलॉजी समुदाय के लिए बहुत उपयोगी होगी।

संक्षिप्त-समाचार

इस्कॉन की ओर से लगाये गये समर कैंप के समापन सांस्कृतिक कार्यक्रम आज

कालका। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी इस्कॉन (अंतरराष्ट्रीय श्रीकृष्ण भावनामृत संघ) की ओर से कालका में सांस्कृतिक समर कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप का उद्देश्य बच्चों को आध्यात्मिक और नैतिक शिक्षा प्रदान करना है। इसमें बच्चों को शास्त्रों के माध्यम से नृत्य, नाटक, कला, संगीत, खेल, श्लोक आदि सिखाए जाते हैं। यह कैम्प न्यू ग्रेन मार्केट, ब्यूटी वर्ल्ड (दूसरी मंजिल), कालका में 2 जून से 11 जून तक शाम 4 बजे से 6:30 बजे तक आयोजित किया गया। बच्चों की आयु सीमा 4 से 15 वर्ष रखी गई थी। इस कैम्प के समापन पर आज सांय 05:00 बजे से पिंजौर स्थित सीता राम मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी शामिल होने का निमंत्रण दिया गया है।

डोमेस्टिक सीजन से पहले खिलाड़ियों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित

चंडीगढ़। आगामी डोमेस्टिक क्रिकेट सीजन की तैयारियों को कारगर बनाने के लिए यूटी क्रिकेट एसोसिएशन (यूटीसीए) ने बुधवार को पुरुष सीनियर और महिला खिलाड़ियों के लिए एक व्यापक प्लेयर्स ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया। इस पहल में 200 से अधिक क्रिकेटरों ने भाग लिया जिससे यूटीसीए के 2025-26 क्रिकेट कैलेंडर की आधिकारिक शुरूआत की। यूटीसीए के अध्यक्ष संजय टंडन ने अपने संबोधन के साथ सेशन की कमान संभाली जिसमें उन्होंने खिलाड़ियों से क्रिकेट को केवल एक खेल के रूप में नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और चंडीगढ़ की खेल विरासत में सार्थक योगदान देने का आह्वान किया। टंडन ने जोर देकर कहा प्रतिभा महत्वपूर्ण है, लेकिन अनुशासन, कड़ी मेहनत के प्रति प्रतिबद्धता और खेल के प्रति सम्मान है जो वास्तव में एक क्रिकेटर को परिभाषित करता है। उन्होंने पारदर्शिता, योग्यता आधारित चयन और सभी महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों को समान अवसर प्रदान करने पर यूटीसीए के फोकस को दोहराया। इस ओरिएंटेशन प्रोग्राम में डोमेस्टिक सीजन के स्ट्रक्चर, सिलेक्शन पोलिसी, फिटनेस, मेंटल टफनेस, कोड ऑफ कंडक्ट सहित गेम के अन्य पहलुओं से अवगत करवाया गया। खिलाड़ियों को सीजन के लिए उनके संबंधित कोच, ट्रेनर्स और सपोर्ट स्टाफ से भी परिचित कराया गया। इस अवसर पर सचिव देविंदर शर्मा, उपाध्यक्ष युवराज महाजन, कोषाध्यक्ष सीए आलोक कृष्ण, संयुक्त सचिव रविंदर सिंह बिल्ला, वरिष्ठ सदस्य हरि सिंह खुराना और एसोसिएशन के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे।

एमसीएम डीएवी महिला महाविद्यालय ने समग्र शिक्षा को दी नई दिशा

चंडीगढ़। आज के दौर में जब शिक्षा को केवल कक्षा तक सीमित नहीं रखा जा सकता, तब मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ एक नया मापदंड स्थापित कर रहा है। यह संस्थान अकादमिक उत्कृष्टता को कौशल विकास और व्यक्तिगत संवर्धन के साथ इस तरह जोड़ रहा है कि छात्राएँ न केवल ज्ञान में प्रवीण बनें, बल्कि जीवन की वास्तविक चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार भी हों। छात्राओं को सशक्त बनाने की दिशा में कौशल विकासः राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप, कॉलेज ने विविध कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी) शुरू किए हैं, जो छात्राओं को व्यावहारिक जीवन की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करते हैं। इन पाठ्यक्रमों में क्रिएटिव राइटिंग, इवेंट मैनेजमेंट, मोबाइल पत्रकारिता, बेकरी और कन्फेक्शनरी, सार्वजनिक भाषण, व्यवसायिक संप्रेषण, कंप्यूटर साक्षरता, फोटोग्राफी, व्यक्तित्व विकास एवं प्रशासनिक कौशल शामिल हैं। डिजिटल मार्केटिंग, वित्तीय साक्षरता, सामाजिक अनुसंधान, तथा मिलेट एवं मिलेट उत्पाद जैसे भविष्यवादी विषयों से छात्राओं को बहुविषयक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है। इन्हें मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी) और बहु-विषयी पाठ्यक्रम (एमडीसी) द्वारा और भी समृद्ध किया जाता है, जिससे आजीवन सीखने की संस्कृति को प्रोत्साहन मिलता है। कॉलेज की कार्यवाहक प्रिंसिपल नीना शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा 'मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय की शैक्षिक दृष्टि डीएवी आंदोलन की वैदिक परंपराओं और वर्तमान समाज की आवश्यकताओं से प्रेरित है'।

अक्षत श्रीवास्तव ने सिद्धांत और डेटा विश्लेषण दोनों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए पुरस्कार जीता

आईआईएसईआर मोहाली में एस्ट्रोनॉमी ओलंपियाड ओरिएंटेशन कम सिलेक्शन कैंप संपन्न

संवाददाता
मोहाली

राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के माध्यम से चुने गए प्रतिभाशाली छात्रों को प्रशिक्षित करने और उनका मूल्यांकन करने के उद्देश्य से आईआईएसईआर मोहाली में एस्ट्रोनॉमी ओलंपियाड ओरिएंटेशन कम सिलेक्शन कैंप (ओसीएससी) 2025 आयोजित किया गया। भारतीय राष्ट्रीय खगोल विज्ञान ओलंपियाड के माध्यम से चुने गए इन छात्रों ने दो समूहों में लगभग 500 प्रतिभागियों में से शीर्ष प्रदर्शन करने वालों का प्रतिनिधित्व कियाः ग्रुप ए (कक्षा 12) और ग्रुप बी (कक्षा 10 या 11), जिनका चयन रैंक और विषय वरीयता के आधार पर किया गया। शिविर के लिए चुने गए 54 छात्रों में से भारत के विभिन्न हिस्सों से 37 ने ओसीएससी में भाग लिया। गहन प्रशिक्षण और मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद, अगस्त में मुंबई में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी ओलंपियाड

अगस्त में होने वाले अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी ओलंपियाड 2025 के लिए पांच छात्रों की टीम चयनित

2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए पांच छात्रों की एक अंतिम टीम का चयन किया गया।

ओसीएससी में व्याख्यान, ट्यूटोरियल, दूरबीन संचालन सत्र और आकाश अवलोकन गतिविधियां शामिल थीं। हालांकि शिविर आमतौर पर होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र (एचबीसीएसई-टीआईएफआर) द्वारा आयोजित किया जाता है, इस वर्ष आईआईएसईआर मोहाली को जिम्मेदारी सौंपी गई थी क्योंकि एचबीसीएसई आईओएए की मेजबानी कर रहा है। शिविर का संचालन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, थापर

इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी पटियाला, आईआईटी कानपुर, अशोका विश्वविद्यालय सोनीपत, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय शाहपुर और आईआईएसईआर मोहाली सहित संस्थानों के खगोलविदों की एक टीम ने किया था। संसाधन व्यक्तियों में रमन शोध संस्थान, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान, राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान और खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी के अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र के वैज्ञानिक भी शामिल थे।

अंतिम टीम की घोषणा बुधवार को आईआईएसईआर मोहाली में आयोजित समापन समारोह के दौरान की गई थी। इसके बाद इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स (आईएपीटी) के तत्वावधान में प्रोफेसर कुलिंदर पाल सिंह (आईआईएसईआर मोहाली) द्वारा पदक और प्रोफेसर भट्टाचार्य द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। आईओएए 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुनी गई टीम में आरुष मिश्रा, सुमंत गुप्ता, बानिब्रत माजी, पाणिनि और अक्षत श्रीवास्तव शामिल हैं। उनमें से, आरुष मिश्रा को ओसीएससी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सी.एल. भट मेमोरियल पुरस्कार मिला, जो भारतीय भौतिकी संघ द्वारा अर्नोल्ड वोलफेंडेल के प्रयासों से स्थापित एक पुरस्कार है। सुमंत गुप्ता को अवलोकन परीक्षण में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए मान्यता दी गई, जबकि अक्षत श्रीवास्तव ने सिद्धांत और डेटा विश्लेषण दोनों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए पुरस्कार जीता।

आईओएए 2025 में टीम के साथ अनुभवी टीम लीडर प्रोफेसर जसजीत सिंह बागला और डॉ. हरविंदर कौर जस्सल भी होंगे कार्यक्रम में जिन वैज्ञानिक पर्यवेक्षकों का परिचय कराया गया उनमें डॉ. किंजलक लोचन, डॉ. पंकज कुशवाह, डॉ. जसवंत यादव (हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय) और डॉ. ममता गुलाटी (थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पटियाला) शामिल थीं।

गुरुमत के साथ साथ सामाजिक सिखलाई का मंच- निरंकारी बाल संत समागम

संवाददाता
मोहाली

निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के पावन व पवित्र आशीर्वाद से मोहाली फेज -6 स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में निरंकारी बाल संत समागम का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों द्वारा विचार, स्किट, लघु कवि दरबार, विभिन्न भाषाओं में सतगुरु की शिक्षाओं का यशोगान किया गया। बच्चों द्वारा विशेष तौर पर निरंकारी पत्रिकाओं के महत्व को स्किट के माध्यम से तथा गीत के माध्यम से सवच्छ पर्यावरण के प्रति जागरूक होना दिखाया गया।

इस अवसर पर चंडीगढ़ जोन के जोनल इंचार्ज ओ. पी. निरंकारी जी ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि जिस प्रकार से बच्चों ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी जिसमें वृक्षारोपण का संदेश दिया है, वो आज के समय की मांग है। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज जी भी वननेस व प्रकृति को सुंदर, हरा भरा व स्वच्छ रखने का निरंतर संदेश दे रहे हैं।

उन्होंने बच्चों को अपनी प्रतिभा की पहचान कर उसे निखारने के लिए प्रोत्साहित किया। बच्चों को सत्संग, सेवा व सिमरन के साथ साथ अपनी पढ़ाई भी समर्पित भाव से तथा रुचि से करने की प्रेरणा दी। उन्होंने समझाया कि अपने माता पिता व बड़े बुजुर्गों का घर व बाहर हमेशा सम्मान करें। बच्चे सदैव सकारात्मक रहते हुए रुचि से हर विषय को पढ़ते है तो फिर कभी भी फेल होने की परिस्थित नहीं आती और न ही परीक्षा देते समय कोई भय या डर होता है।

उन्होंने बच्चों के साथ साथ उनके अभिभावकों को भी परिवारिक समय के दौरान मोबाइल एवं टीवी के सीमित इस्तेमाल करने की प्रेरणा दी। वहीं बच्चे विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों को अवश्य पढ़ें इससे हमारे सोचने व लिखने की प्रवृति को बल मिलता है। उन्होंने अरदास, विश्वास व प्रयास के द्वारा सेवा, सिमरन व सत्संग के साथ साथ समाज व धरा के लिए सदैव सकारात्मक भूमिका निभाने की भी प्रेरणा दी।

इस अवसर पर मोहाली की संयोजक डॉ जे.के. चीमा जी ने चंडीगढ़ जोन के जोनल इंचार्ज श्री ओ. पी. निरंकारी जी व आस पास के क्षेत्रों से विशेष तौर पर पहुंची संगत का आभार व्यक्त किया।